

रमिकार से प्रकाशिस PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 491 नई दिल्ली, गनितार, दिसम्बर 5, 1998 (अग्रहायण 14 3926) विकास No. 49] NEW DELHI, SATURDAY DECE 13ER 5, 198 (AGRATAYA IA 14, 1920)

इस भाग में भिन्त पृष्ठ संख्या थी जाती है जिससे कि यह अलग लंकस्य के छए में रक्षा जा सके। (Gopmute paging is given to this Fart in protes that it may be filed as a separate compliation)

भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

[सांविधिक निकार्यों द्वारा आरी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आवेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मितित हैं]

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

स्टेट बक्त आफ त्रावणकोर

(भारतीय स्टोन बाँक का सहयोगी)

प्रधान कार्यालय : तिराजनन्तपूरम

यह सूचित किया जाता है कि श्री जैकब पीरतान एवं श्री ही.
एन. महत्कामारन जो कि भारतीय स्टेट हैं के (सहयोग देकी)
अधिनयम 1959 की धारा 25 (1) जी के तहत हैं के ही निविध्क हैं, का कार्यकाल चितांक 28 जनवरी 1999 को समात तो जाएगा। इस: अगले तीन (3) वर्षी होते हन निशिष्टगों को भरना आवश्यक हो गया हैं। तबनसार, उन-भीरत्यां को भाग कार्योग्टर कि जाते हैं जो कि तहत श्रीपीन्यम की धारा 27 के हहत अप्रांग नहीं। उबल नामांकर जो स्थी प्रकार से पूर्ण हों, बैंक के प्रथान कार्यांग्य, गुजरपरा, निस्तवनन्तपुरम-695 012 म³ दिनांक 13 जनवरी, 1999 तक या उसमें पूर्व अवस्य पहर्षुं जार्य । उससे दिश्वि को परचात् प्राप्त होने वाले नामांकन विध नहीं माने जाएंगे।

आगे यह स्वित्त फिया जाता है कि उपगंतर उद्देश जेत स्वे स्वे के आफ बावणकोर के शेणरभारवाँ की एक सामाना बैठन दौरी सेन्टन्नी हाल, व्यक्तकाड, तिस्त्रवन्त्रप्रम-695014 (स्थान) से दिनांक 30 जनवरी 1999 को पूर्वांक्न 11 बजे (मानक समय) आयोजित की जाएंगी ।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नर्इ विस्ली, बिनांक 30 अक्तूबर 1998

सं. यू-16 (53) 1/94-कि. 2 (केरल)—कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विकियम 1950 के विकियम-105 के हहत महानिविष्क को निगम की विकरण प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को हुई बैठक के उनसरण में गथा महानिविष्क के आविष्ण संख्या 1024 (जी) रिन्तंक 22-5-1983 दथारा ये विक्तणं आगे सभी सींनी जाने पर में इसके व्याप्त डा. ए. के. सभा रजनम को मानकों के अनुसार विषे पारिक्षमिक पर कार्य ग्रहण करने की दिश्य से एक वर्ष के रिग या पर्णकिक्षण कि विकरण कि के कार्यग्रहण करने हक. जे भी एवं जो. को करेल क्षेत्र में कोषिणके एवं कलार जिले के लिए बीमाकन व्यक्तिमार वीने पर कल्ले आगे प्रमाण एक जारी करने की एयं करे रूप में को स्थान के रिन्तं से पर कल्ले आगे प्रमाण एक जारी करने की एयं करे रूप के रिन्तं में पर कल्ले आगे प्रमाण एक जारी करने की एयं करे रूप के रिन्तं में कि रूप के रूप के साम की प्रमाण कर जारी करने की एयं कर रूप के रूप करने की रूप के रूप के रूप के रूप करने के रूप करने के रूप करने के लिए प्राधिकृत करती हुए ।

डा. (श्रीक्रमी) तस. सिह विकित्सा आयुवह

नर्के दिल्ली, दिनांक 8 अक्तूबर 1998

सं. यू-16/53/97-चि. 2 (गजरात)—कम्बारी राज्य बीमा (साधारण) ितियम, 1950 के विनियम-105 के बंधीन िगम की शिन्त्यमं महािद्धिक को प्रवान करने के संबंध में कम्बारी राज्य बीमा निगम ब्वारा 25-4-1951 की येठक में । रिट किए एए संकल्प के अनुसरण में तथा महािन्दिणक के आवशा संख्या 1024 (जी) दिनांक 23-5-1983 ब्यारा ये दिक्तयां आगे मुझे साँपी जाने पर में इसके ब्वारा वापी व लंकलेश्वर के द द क्षेत्र य उप चिक्तसा आयुक्त (उत्तर-पिष्ट म जीन) ब्वारा नियत किए गए क्षेत्रों के लिए, बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य जांच करने और मूल प्रमाण पत्र की स्त्यसा संदिग्ध होने पर उन्हों और प्रमाण पत्र प्रवा। वर्ष के प्रयोगन के लिए माजूवा मानकों के अनुसार मासिक पारिश्विसक पर चिक्तसा प्राधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए हा. जार. बी व्यास की संयोग कार्यभार ग्रहण करने की लिए से एक वर्ष के लिए या पूर्णकालिक चिकित्सा निवांशी के कार्यग्रहण करने एक, जी भी पहले ही, बढ़ाती हूं।

डा. (श्रीमती) एस. सिह चिकित्सा आयुक्त

सं. य-16/53/27-वि. 2 (गणरात)—कर्मचारी राज्य दीमा (साधारण) विविद्यमः 1050 के विविद्यमः 105 के अधीन विगम की शिक्तयां महानिद्यक्षक को प्रदान करने के संबंध मंद्र कर्मणारी

राज्य बीमा निगम व्यारा 25-4-1951 की बैठक में पारित किए एए संकल्प के बनुसरण में सभा महानियांगक के बादोग संख्या 1024 (जी) दिनांक 23-5-1983 व्यारा ये दिक्तयां आगे मुझे सींपी जाने पर में इसके द्वारा असरवा केन्द्र व क्षेत्रीय उप विकल्सा आय्वत (उत्तर-परिचम जीन) त्यारा नियत किए गए क्षेत्री के लिए, बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य जीच करने और मेल प्रमाण पत्र की स्त्यता संदिग्ध होने पर उन्हों और प्रमाण पत्र प्रवाद हरे के प्रयोजन के लिए मौजदा मानकों के अनुसार मासिक परिक्रिक एर चिकत्सा प्रविकारी के रूप में कार्य करने के लिए डा. एम के. मजूम बार की सेवाएं 22-9-98 से 21-9-99 तक या पूर्णकातिक चिक्तिया निवासी के कार्यप्रहण करने सक, जी भी पहले हो, बढ़ाती हों।

डा. (श्रीस्त्री) एस. सिंह विकित्सा आयवन

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (केन्द्रीय कार्यालय) 14, भविष्य निधि भवन, भीकाजी कामा जोस

नई दिल्ली-110066, दिनांक 9 नवस्वर 1998

सं. 2/1959/डी. एल. आई./भाग-1/2555—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके प्रचात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भिवष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आवंदन किया है। जिसे इसमें इसके प्रधात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूं कि केन्द्रीय भिष्य निधि आयुक्त इस बाह से संहष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई जलग अंशवान या प्रीमियम की अवस्थिति किए विना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जे कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबब्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्ठीकार्य लाभी से अधिक अनुक्त है। (जिसे इसके एक्चात् स्कीम कहा गया है)।

उत: उक्न अधिनियम को धारा 17 की उपधारा 2 (क), द्वार प्रदक्त शिक्तयों का प्रांग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखत शर्ती के अनुसार केन्द्रीय भीवष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उन्नत स्थापना को प्रत्येक को सामने उल्लिक्ति पिछली तारील से प्रभावी जिस दिधि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयवत, कर्नाटका ने क्षीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत उल्लिप्ता की है, 3 वर्ष की अविध, के निए उज्लिस्कीम के संचालन की छुट ह्वान कर दी है।

	अन् सूची —I								
क क∘ सं∘	स्थापना का नाम व पता	कोड नं०	धूट प्राप्ति की निधि	के०भ०नि०आ०को फा० सं०					
1.	मै० डिं० के० डिस्ट्रीक कोप० मिल्क प्रोड्सर्स युनियन, पो० ओ० कुलासेकर कुलायकर, मेंगलोर−575005	के०एन०/4137	1-8-92 31-7-95 1-8-95 से 31-7-98	6/44/डी०एल०आई०/97					
2-	मै० बिल्न गुन्मा ट्रस (पा०) लि० नं० 5 बी/6ए, इन्डन्ट्रोपल एरिया, वाद्याबलनापुर मेंगलोर -561203	के०एन० ∕ 18 5 95	1-8-95 है 31-7-98	6/48/ डी॰ए त्र॰आई॰/97					
	मै॰ इनफैन्ट्री कम्प्रेशर्स एण्ड भशीन री प्राः लि॰ ए४, ज्योति काम्पलैक 134/1, इन्फैट्री पार्ग, मंगलोर-5600		1 -5-95 31 -4-9 8	6/47/ রী ০ एল ০ आ র্ছ ০/9 <i>7</i>					
4.	मैं ० सिन्धु कार्मी सर्विसेस प्रा० लि०, दूसरी मंजित, एप श्रीश्वाई० बिश्डिंग एयरपोर्ट एक्साइट रोड, बेंगलोर -560617 ।	के ∘एन ∘ / 18357	1-8-95 31-7-98	6/ ∮8/डी ∘एत ∘आई ∘/ 97					
5.	मै॰ ताजिना कि नाइन पन [्] वग सेन्टर प्रा॰ लि॰, 482-II भेन, II स्टेज, इन्दिरा नगर, बेंगलोर-560038।	के॰एन०/16611	1-3-95 28 2-98	6/49/ <i>রী</i> > ্র ব > সার্ছি -/97					
6.	मै० ए० एम० बी० इंडिया प्रा० लि०, मारूति इन्डस्ट्रीयन स्टेट, होडी राजाप्तायन वाईटफिल्ड मेन मार्ग, महादेवापुरा पीस्ट, - बेंगलोर -560048।	के ०एन ० / 18158	1-6-95 31-5-98	6/51/डी ः एत ः आर्ह ः/97					
7.	मै० माको एजेन्सीस, नं० 482, II क्लोर, II मेन आप० इन्द्रा नगर,–II स्टेज, बेंगलोर560035 !	के ०एन० / 1 6 5 0 1	1-3-95 28 2-98	6/52/डी०एल०आई०/97					
3.	मैं विक्ताह्कर मन्टी मिडिया लिव, 65, रेलवे परेलर मार्ग, कुमारा पार्क वैस्ट, बिंगलोर-560020।	के ०एन ०/16 252	1-3-95 28-2-98	6/4/डी०एन०आई०/98					
9 .	मै॰ विवर्तन मूनिट-2 नं॰ ६, बेंगलोर कोप॰ इन्डस्ट्रीयल स्टेट, ओकालीपुरम, बेंगलोर-560021 ।	के∘एन ः/16011	1-4-95 31-3-98	6/3/डी⇒ र त्र≎সাई०/98					
).	मैं अस्तास्त्रो हैशोत हैिसाडिका 576113 जड़नो, टोन्यू डी० के०।	के०एन०/12184	1-4-93 31-3-98	6/2/डी ः र न ः आई ः/ 98					
l.	मै ० रत ० रत ० रति ता इन्हडोड्यूट आफ टेक्नालाजी मोकुला एक्सटेंशन पोस्ट मेंग्सोर-560054 ।	के॰एन॰/8146	1-10-94 30-9-97	6/1/डी ः एत ः आई ः/98					
2 .	- मै० डिगन्या मदराना लि०, नेयादी इम्डस्ट्रीयल स्टेट, मेंगलोर-57 5008 ।	के॰एन॰/12799	11-4-97 31-3-2000	6/33/डी॰एल॰आई॰/97					

वन्स्यी-2

- ा जन्द स्थापना के सम्बन्ध में नियंत्रक (जिसे इसके परवाद नियंत्रक कहा गया हा) सम्बान्धद क्षत्राय भविष्य निधि आयुक्त को एसा विवरणिया भेजगा आर एसा विवरणिया भेजगा आर एसा विवरणिया के विवरणिया भेजगा आर एसा विवारण को किन्द्राय भविष्य निधि आयुक्त समय पर निष्टिष्ट कर ।
- 2. नियंत्रक एस निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक भास की समाप्त क 15 विन क भातर सदाय करणा जा कन्द्राय सरकार उक्त आधानयम का धारा 17 का उपधारा (2-क) क खण्ड की अधान समय-समय पर निद्येष करों।
- 3. सामृहिक बीमा स्काम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लखाका का रका जाना, विषराण्या का प्रस्तुत क्या जाना, बामा प्राप्तियम का सदाय, लखाओं का अन्तरण, निराक्षण प्रभारी का सदाय आहे मा है, हान वाल सभा व्यथा का बहुन नियाजन दुवारा । कया जायगा ।
- 4. नियोजक, कंन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमंदित सामृहिक बीमा स्काम का निवमा का एक प्रांत आर जब केनी उनमें सक्षाचन किया जाए, तब उस सक्षाचन का प्रांत तथा कमचारया का बहु-सस्या का भाषा में उसका मुख्य बाता का अनुवाद स्थापना क सूचना पट्ट पर प्रवाशत करना।
- 5. दिव काई कर्मचारी जी भिवष्य निधि या उदल अधि-नियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भिवष्य निवि का पहल ही सबस्य हा, उसका स्थापना मानिया जिल्ला जाता है तो नियोजक साभूहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप मा उसका नाम तूरन्स बाज करणा आर उसका बाबन आवष्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नग्म का संवत्त करणा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारित को उपलब्ध लाभ बढ़ार्थ जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्काम के अधीन कर्मचारित को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जान की व्यवस्था करेगा, जिसमे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकाल हों जी उक्त स्कीम के अधीन अनुत्रेय हैं।
- 7. सामृहिक वीसा स्कीम में किसी थात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृह्यू पर इस स्कीम के अधीन संबंध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संबंध हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियंजक कर्मचारी के विधिक वारिसी/नाम निव्दिशियों का प्रतिकार के रूप में दोनी राशियों के दशबर राशि का संबंध करेगा।
- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपकर्श में कोई भी एंकाशन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आ कुत के पूर्व कम्मादन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से बर्मचारियों के बिन पर प्रतिकृत प्रभाव एड़ने की सम्भावना हो बहां क्षेत्रीय भविष्य रिक्ष अपना अनुमंदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना इण्डिकीण स्पष्ट करने का युवितयुक्त अवसर देशों।

- 9. भाव किसी कारणवंश स्थापनी के कमशारी भारतीय जीपन बामा काम का उस सामू हुक बामा स्काम क, ाजस स्थापना पहल अपना कुका है, अजान नहीं रह जाता है या इस स्काम के अवान कमजारया को प्राप्त होने बाली किसी राशि से कम हो जाए ता यह रदद का जा सकता है।
- 10. यदि किसी कारणक्य नियंजिक उस नियस सारीस के भीतर जा भारतीय जीवन बीमा निगम नियस कर, प्रीत्मयम का सदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने। दया जाता है तो छुट रद्द का जा सकती है।
- 11. नियोजक व्वारा प्रीमियम: के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम का दशा में उन मृत संवस्थों के नाम निविधितां या विधिक वारिसी को जो यदि यह छूट न दो गई हो तो उक्त स्काम के अंतगत हाते, बामा साभा के सदाय का उत्तरवागित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्ता स्थापना के सम्बन्ध में नियोजिक इस स्कीम के अधीन आन बाले किसी सदस्य की मृत्यू हान पर उस हरूदार नाम निद्यालित/विशिषक बारिसों को बीमाकृत राधि सवाय तत्परता स आर प्रत्यक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत प्राप्त संदाय तत्परता सं और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बाम भारतीय जीवन बाम निगम से बीमाकृत प्राप्त स्वीमाकृत प्राप्त सं बीमाकृत प्राप्त सं बीमाकृत प्राप्त सं बीमाकृत प्राप्त सं बीमाकृत प्राप्त सं की एक माह के भीतर स्वीन। स्वत करेगा ।

के. सी. पाण्ये क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डो. एल. आई./भाग:-1/2571—आईं अनुसूची-1 में जिल्लिखित नियांक्ताओं ने (िजसे इसमें इसके पहचात् जबत स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकाण जपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 को जपधारा 2(क) के अन्तगत छूट के लिए आवेदन किया है (जिस इसमें इसक पश्चात् जकत अधिनियम कहा गया है)।

चूकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इम बात से संतृष्ट है कि उक्त त्थापना क कमचारों कोई कलग अंक्षवान या प्रीप्तियम की अद्यायनी थिए बिना पीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम का सामृहिक बीमा स्कोम का साभ उठा रहे हैं जोकि एसे कमचारियों क लिए कमचारी निक्षप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तगत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसके एक्चात् स्कीम कहा गया हैं) ।

उतः उक्त अधिनियम की भारा 17 की उपधारा 2(क) व्यारा प्रदत्त शिक्तथों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित वार्यी को अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त नै प्रत्यंक उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त गृजरात ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत ठील प्रदान की हु, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचारन की छूट प्रदान कर दी है।

अनुसची---- 1 के०भ०नि०आ० फ¦ईल सं० 筝の स्यापना का नाम व पता क} इस्ति ० छट प्राप्त की तिथि सं० मै० एस० इस० ग्रे॰ इत० हस्त नईदस, गुजा०/16952 1-6-83 मे 4/21/97/डो ० र न > आई० 1. आर्चीटेक्टस एण्ड इंजीनियसँ, 31 - 5 - 92भोजानाय साराभाई बिल्डिंग, 1-6-92 से खामसा गट, 31-5-95 अहमवाबाद-1 । 1-6-95 से 31-5-98 मै० वर्षमान फैबरिक्स प्रा० लि०, गुज ०/17986 1-6-95 से 4/35/97/डी ०एन ० आई० प्लाट नं० 2411, जी०आई०डी०सी० ، 31-5-98 सचिन जिला स्रत । मै० ओराबन फैबारक्स लि०, गुज 0 20826 1-8-96 से 4/98/97/डी०एज०आई० 850/3, जी०आई०डो०सी० 31-7-99 इन्ड० एस्टट, मकरपुरा, वड़ाया-10 ।

अनुसूची-2

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्राय भिक्य निधि आयुक्त का ऐसी विवर्गणना भजना आर एसा लेखा-जाबा रखेगा सथा निराक्षण का लए ऐसी सुध्याए प्रदान करना जो केन्द्रीय भक्तिया निराध आयुक्त समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियंषक एसं निरक्षिण प्रभारी का प्रत्यंक गास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करणा जो कन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के लण्ड के अधीन समय-हमय पर निवर्णेश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्क्रीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तून किया जाना, बीमा भी। स्थम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियंजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियंत्रक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमेवित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमी की एक प्रीत और जब कभी उनमें संशोधन किया आए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहूं- संस्था की भाषा में उसकी मृत्य बासों का अनुवाद स्थापना के सुचना पट पर प्रविस्त करेगा ।
- 5. यदि कोई कर्मचारी जो भीवष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना की भीवष्य निधि का पहले ही सबस्य है, उसको स्थापना में नियं जिल किया जाता है तो नियोजक सामृष्टिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरत्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत बावष्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबंत करेगा ।

- 6. याच उकत स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जात हैं ता नियाजक सामृ। हक बामा स्कोम के अधीन कर्म चारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से बृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि अमचारिया के लिए हा हिक बीमा स्काम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो भी उक्त स्कीम के अधीन अनुभेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हांते हुए भी यिष किसी कमचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अभीन सद्ये राशि उस राशि से कम ही जो कर्मचारी को उस दशा में संदेग होती जब वह उक्त स्कीम के अभीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिसों/नाम निदंधितों को प्रतिकार के रूप में दोनीं राशियों के अंतर के बराबर राशि का संदाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संजीधन क्षेत्रीय भविष्य निर्धि आयुक्त के पूर्व अनुमादम के बिना महीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमादन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना इच्छिकीण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त जबसर पंगा ।
- 9. यदि किसी कारणवध स्थापना के कर्मचारो भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाली किसी राधि से कम हो जाए तो छूट रहद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियां जरू उस नियंत तारीन के भीतर बीमा निगम नियंत करो, प्रीमिण्म का संवाय करने में अस-फल रहता है और पालिसी को व्ययगत हाने विया जाता है तो छूट रहत की जा सकती है ।

- विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई हो तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संघाय का उत्तरदाधित्व नियाजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृह्यू होने पर उसके हकदार नाम निदर्भितां/विधिक वारिसां की बीमाजूत राशि का स्वाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत प्राप्त राशि तत्परता से और प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सनिष्यित करेगा।

के. सी. पाण्डे क्षेत्रीय भीवष्य निष्य आयक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आ**इ**./भाग-1/2578—ज्वां अनसची-1 में उल्लिखित नियोगताओं ने (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उक्त स्थापना' कहा गया है) कर्मचारी भविषय निधि और

11. नियोजक ब्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए िना - प्रकृणि उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा किसी व्यक्तिकम की देशा में उन मूह सबस्यां के नाम निद्धिक्षीं या - 59 की उपधास 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आवंदन किया है (जिसे इसमें इसके पहचार 'उवत अधिनियम' कहा गया है)।

> षांकि कोन्द्रीय भविष्य निधि आयक्त इस बास से रांसप्ट है कि जन्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामहिक दीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जीकि एसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षण सहबब्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभी से अधिक अनुकाल है (जिस इसमें इसके पश्चात 'स्कीम' कहा गमा है।।

> अतः उदत अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) दवारा प्रदत्त शिक्टरों का प्रयोग करते हुए सथा इसके साथ संलग्न अनु-स्ची में उल्लिखित शती के अनुसार केन्द्रीय भीष्ठय निधि आयव्ह ने प्रत्येक उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भीवव्य निधि आयवत . दिल्ली ने स्कीम की धारा 28(7) के अंहर्गत ढील प्रदान की है. 3 वर्ण की अविध के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छाट प्रवान कर वी है।

अनुसूची---1

本。 有。 せ。	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छन प्राप्ति की तिथि	के० भ० नि० आ ।० की फा० स०.
1.	मै॰ इन्डो ब्लेजर्स काटिंगस लि॰, ई॰एल॰–22, जे ब्लाक, एम॰आई॰डी॰सी॰, घोसारी, पुणे–411026 ।	एम०एच०/पी०एन०/ 32076	1-11-97 31-10-2000	9/17/डी ০एল ০ आई ০/एम ০ए च ০/ 98
2	मै० ज्वोरी इन्तेतियरिंग प्रवित्त, 27, प्रतकोत्रे इस्न्डट्रीयल स्टेट, ज्वारी नगर, गोवा403726।	गोदा / 1 0 0 7 7	1-3-97 29-2-2000	. ∙9/1 t/डी •एच०अ, ६ ∘/98
3. U.	में ० एग्रो चे म इन्डस्ट्रीयल सविस्रक्ष, छी ० ४, ४ ही, मिजित कामर्स सैन्टर, वास्को डे गामा, मोवा-403802।	गोबा / 1 0 0 7 8	1-3-97 29-2-2000	9/15/ভী ০ ঢ্ল ০ সাই ০/98
4.	मैं० परकेक्ट एग्ड इंजीनियरिंग कं०, डी. 4, 4वीं मंजित, कामसं सैन्टर, वास्को-डे- गामा, बोबार-403882।	गोता/10338	1-3-97 29-2-2000	9/15/डी ৹एল৹आई৹/98
5.	मैं ० वेस्ट्रनं है वरिंग लिं ०, बहु० नं० 77, प्लाट नं० डी—1, प्रकड़ डी ± 2, विकोली, एम० वाई०डी सोलापुर—413006।	पी॰ एम∘एव०/पी०एन०/ 31608 •सी०	1-1-97 31-12-2000	9/14/डी ৹ एल ৹ आई ০/98 -

- 1. उसत स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिमे इसकें प्रचात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भिष्य निर्धि आयुक्त को एँसी विध्याणयां भेजीन और लेखा जांचा रखेगा तथा निरीक्षण को लिए एँसी स्विधाए पदान करें। जे कोन्द्रीय भिष्य निर्धि आयुक्त समय समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजका एसे निर्दाक्षण प्रभारी का प्रत्येत मास हन समाप्ति के 15 जिन के भीतर संदाय करेगा जुन केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) हे सण्ड के अधीन समय-समय पर निद्रांश करें।
- 3. सामृहिक बीमा रकीम के प्रशासन में फिरके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विविधियों को प्रसाह किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय, आदि भी ही, होने बाले सभी व्ययों का बहुन निर्धाणक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियं एक, केन्स्यि सरकार वतारा अनमे निर्मासमिक सौमा स्क्रीम के नियमें की एक प्रीट और क्या करी उनमें संकीशन किया जाए, तब उसे संबोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वहु-संख्या की भाषा में त्यसकी म्हण बातों का अन्दाद स्थापना के सूचना पट पर प्रदेशित करेगा।
- 5 यदि कोई ऐमा कर्मनारी की भिष्ठण निष्या उन्त अभिनियम को अभीन कर प्राप्त कियी स्थापना को भिन्नण निष्य का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना मे निर्माणित किया जाता है तो नियोचक मार्यहिक बीमा स्कीम के स्वस्य के रूप में उसका नाम लग्नेस वर्ष करोगा और उसकी बाबत आवर्षक प्रीमियम भार-तीय जीवन बीमा नियम की संदक्ष करोगा।
- 6. यदि उपल स्कीम के लाधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बहाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक होया स्कीम के आधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध कर्मों में सामहिक रूप में विषय किए जाने की व्यवस्था करोग, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ ल्यबन्ध लाभी से उधिक उन्कृत हो जी उक्त स्कीम के अधीन अन्तिय हैं।
- 7. सामिटिक तीमा स्कीम में किसी शात के होते बुल भी
 गरित किया कर्यकारी की मूल एक इए उसीम के प्रधीन मंदिय
 राशि जस राशि में कम की की कर्मकारी की जस दशा में संवैय
 हो के कर कर लक्ष्य क्लीम के अभीन दोना है निर्धालक कर्मकारी
 के विशिक्ष बारिस/नाम निविधाली को प्रतिकार के रूप में वैनी
 राशियों के दराबर राशि का संदाय करेगा।
- 8. सामिक नीमा स्क्रीम के नामंथे में क्रोड़ भी गंधीकन मंत्रीण अंग्रिक संत्रीण भीवा निधि आयक्त के एवं अन्मेंबन के बिना नहीं क्रिया जामान और क्रांट क्रियो मंत्रीच्या में क्रिया जामान और क्रांट क्रियों मंत्रीच्या में क्रियों क्री क्रिया क्रियों स्थान क्रिया क्रिया क्रिया क्रियों क्री भीवान क्रिया स्थान क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय

- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारलेग जीवन बीमा निगम को उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले ही अपना चुकी है, अधीन नहीं रहु जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियां को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये से यह रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीक के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करों, प्रीमाम का संदाय करने में असफल पहला है और पालिसी को स्थयनत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
- 11. निर्माणक व्यारा शिभियम के संदाय में फिए गए व्यक्तिकम की दशा में उन मह सदस्यों के नाम निविधित या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई हो तो उक्त स्कीम के अंतर्गन होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापमा के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाली किसी सदस्य की मृत्य होने पर उसके हकवार नाम निदंभित ही/विधिक धारिसों की बीमाकृत राशि संवाय तत्परना से और प्रत्येक दला में भारतीय जीवन कीमा निराम में बीमाकृत प्राप्त राशि तत्परता से और प्रश्लेक दला में भारतीय जीवन बीमा निराम से बीमाकृत प्राप्त राशि तत्परता से और प्रश्लेक दला में भारतीय जीवन बीमा निराम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीवर सुनिध्वित करेगा।

के. सी. पाण्डे क्षेत्रीय भविष्य निधि सायुक्स

मं. 2/1959/डी. एल. आई./भाग-1/89/2587
— जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोसताओं ने जिसे इसमें इसके प्रचात उक्त स्थापना कहा गया है कर्मचारी भविष्य निधि और ग्रकाण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है जिसे इसमें इसके प्रचात उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूं कि केन्द्रीय भविष्य निधि बायुक्त इस बात से संतृष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कांक असग शंशवान या प्रीमियम की अधायगी किए बिना जीवन सीमा के रूप में भारतीय जीवन सीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गन स्वीकार्य लोगों से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके परवात स्कीम कहा गया है)।

अतः जनत अधिनियम की धारा की उपधारा 2(क) बुटा 1 प्रदल दानितयों का प्रयोग धरते हुए तथा श्रम मैत्रालय, भारत सरकार भीवच्य निर्धि आयस्य की अधिगत में. तथा तिथि को प्रशंक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनसरण में तथा संस्कृत उनस्ची-2 के निर्धिरित हातों के रहने हुए केन्द्रीय भिट्टा निधि आयस्त ने तकम स्कीम के सभी उपनंगों के मंजालन से प्रस्थेक उद्दर स्थापना को आणे २ वर्ष को अधि में उनकी निम्म के संस्थान कर ही है औसा कि संस्थान अनुसूची 1 में उनकी नाम के सामने ब्रुचीया है ।

अनुस् ची1							
ऋ० स०	स्थापना का नाम व पता	कोड गं०	सरकारी अधि- भूचना की र्स० वह दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/ विस्तार की गई	छूट समाप्ति तिथि	ं छूट विस्तार तिथि	के०भ०मि०आ० की कीफा० सं०	
1.	मैं ० दि कल हता मैं डीकल रिसर्च इंस्टीट्यूट, 7/2, डायमंडहरबल मार्ग कलकत्ता–700027 तथा गाखा ।	डब्ल्य् बी/ 15009	2/1959/डी० एत्र०शई०/छूट 89/फा–1, दि० 19–10–95		13-4-97से 12-4-2000	2/345/डी०एस० आई० डब्स्यू	
2.	मै० ए०बी०सी० कम्पयूटर प्रा० लि०, ४३/३, हजरा मार्ग, कलकत्ता700019 तथा शाखा ।	डब्ल्यू बी/ 21683	2/1959/डी० एल आई० छूट/ 89/पा-1 दि०		1-12-96 से 30-11-99	2/4239/डी प्ल० आई /डब्ल्यू बी०	

- उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके परधात नियोजक कहा गया है) सर्वे अत क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी स्विधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक एसं निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जी केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के बंद के अधीन समय-समय पर निर्दाश करें।
- 3. सामृष्टिक बीमा स्कीम के प्रशासन में : जिसके वंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिण्यों को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सदाय, लेखाओं का अंतरण, निराक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियाजक ब्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोशक, केन्द्रीय सरकार व्यारा अनुसोवित सामृहिक बीमा स्काम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथ। कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो भविष्य निर्धि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निर्धि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में निर्णिजत किया जाता है तो नियाजक मामृहिक बीमा स्कोम के स्वस्य के रूप में उसका नाम मुस्त वर्ष करोगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदस करोगा।
- 6. यदि उद्यक्त स्कीम के अधीन कर्मजारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं हो नियोज क सामृहिक दीना स्कीम के अधीन कर्मजारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप में विविध किए जाने की व्यवस्था करनेगा.. जिसमों कि वर्मजारियों के जिला सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाओं से अधिक अमृकृत हों जो उदस स्कीम के अधीन अमृक्रय हैं।

- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी यदि किसा कमचारा का मृत्यू पर इस स्काम क अंभान सदय राशि से कम हैं जो कमचारों को उस दशा में सदय होता जब वह उक्त स्टाम के अर्थान होता हो नियाजक कर्मचारी के निर्धिक बारिस/नाम निविधित का प्रतिकार क रूप में दोनी राशियों के कर कर कहर बराबर राशि का सदाय करवा।
- 8. सामृष्ट्क बीमा स्काम क उपबन्धा म काई भी संबोधन संबंधित क्षत्राय भावव्य गांध आयुक्त के पूर्व अनुमादन के विमा नहां किया आया आर अहा किया स्थापन से कमचा रया के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़न का मगादना हा बहा क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दन के पूर्व कम नागरवीं को अपना दोध्टकाण स्पष्ट करने का यूचिक यूक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणथश स्थापना क कमचारा भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामृ। हक बीमा स्कीम के जिस स्थापना पहले अपना चुकी है अपीन नहीं रह जोता या इस स्कीम के अधीन कर्मचा। रया का प्राप्त होने बाला। किसी राश्चिस के कम हो जाए तो रख्य की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश उस नियस तारीन के भीतर जीवन बीमा नियम नियस कर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को ब्यपयत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निविधिक्त या विधिक वारिसों को यदि गह छूट दी गई होती तो उक्त स्कीम के जैतर्गत होते बीमा लाभी के संवाय का उत्तरवायित्व नियाजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्काम बं अधीन आने वाले किसी सवस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निक्रों करों/विधिष्ठ वारिसों के मीमाकृत राशि का संवाय तत्परता से और प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन बीमा निकर से शीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक मानु के भीतर सुनिध्वित करोगा।

के. सी. पाण्डा क्षेत्रीय भविष्य निधि बायुक्त सं. 2/1959/डी. एत. आई./भाग-1/25934—जहां अनुपूची-1 में उल्लिटिस नियंक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त स्थापना कहा गया हैं) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंधर्गत छुट के विस्तार के लिए आबंदन किया हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया हैं)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निभि आयुक्त इस बात से संतृष्ट है कि उवल स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीगा िष्य के सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रही हैं जीकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभी से अधिक अनुकर्ण है । जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है ।

अहा: उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) क्वारा प्रवत्त अधिनयम की धारा 17 की उपधारा 2(क) क्वारा प्रवत्त अधिनयम का प्रयोग करने हुए तथा इसके साथ संवरन अनुस्म सूची भी उन्निलिख दानीं को अनुसार केन्द्रीय भविषय निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उन्निलिख पिछली तारील से प्रभावी जिम तिथि से उक्त स्थापना को संत्रीय भविषय निधि आयुक्त दिल्ली ने स्कीम की धारा 18 (7) के अंतर्गत दिल प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि को लिए उक्त स्कीम के संवालन की छाट प्रदान कर दी है।

अनुसूची-1

क० सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड नं ०	छूट प्रभावी निथि	के०भ०नि०आ० फा० सं०
	मै॰ निकता कोर्तर हाऊप लि॰,	डी आम्ब ०/ 363,	1-10-99 से	3/20/98/डी०एल०आई०
	एल–ब्नाक, कनाट प्लेस,		30-9-93	
	नई दिल्ली—110001।		1−10−93 से	
			30-9-96	
			1-10-96 से	
			30-9-99	
2.	मै॰ इम्प्रैणन इन्टरमेणनल	डी ∘एल.∘/ 5525	1-3-89 से	3 /2/98/डी ०एल ०आई०
	ए-234, औख ला इन्डस्ट्रीयल एरिया,	·	29-2-92	·
	फेस-1, नई दिल्ली-20 ।		1-3-92 से	
			28-2-95	
			1-3-95 से	
			28-2-98	

अन्सूची-2

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में निगोजक (जिसे इसमें इमके परचात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एमी विवरणियां भेजेगा और एसा लंखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एमी सृविधाए प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय समय पर निर्विष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय समय पर निर्वेश करें।
- 3. सामृहिक दीमा स्क्रोम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रना जाना, विवर्णणयों का प्रमृत किया जाना, बीमा प्रीक्रियम का संवाय, लेखाओं का अंतरण, निरक्षिण प्रभारी का संवाय आदि भी है, होने वाले मभी व्ययों का बहुन नियोजक दवारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्क्रीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशीधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति सथा कर्मचारियों की बहु-मंख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सचना पट पर प्रविशत करोगा।

- 5. यदि कां हो कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधि-नियम को अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोणिक किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सवस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदश्य करेगा।
- 6. यदि उनत स्कीम के कधीन कर्मधारियों को उपलब्ध लाभ वहाथ जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा. जिसमें कि कर्मधारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबंध लाभों से अधिक अनुकृत हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकृत हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन चंचेय राचि उस राधि से कम है जो कर्मचारी दो उस वशा में संदेय होती जब बहु उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/ताम निदीधितों को प्रतिकार के रूप में वोनी साबियों के बराबर राधि का संदाय करेगा।

- 8. सामृहिक यीमा स्कीन के उपवन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के जिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिह पर प्रीतकाल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो। वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना डिप्टकाण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. गाँद किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामिहक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले कंपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाली राशि किसी राशि से कम हो जाए तो स्कीम रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर बीमा निगम नियत करो प्रीमियम का संदाय करो में असफल रहता है और पालिमी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छुट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निविधितों या दिश्यक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरवायित्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियात्रक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मत्य होने पर उसके हकदार नाम निविधिकार्ति विधिक वारिसी को बीमाकर राशि का संवाय तस्परता से और प्रत्येक दक्षा में भारतीय जीवन बीमा निगम से

बीमाकृत प्राप्त राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निद्वत करोगा।

> , के.सी.पाण्डे क्षेत्रीय भविषय निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./भाग-1/2536--जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पदचात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मनारी भिषय्य निधि और प्रकीण उपयंश अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आधेदन किया है (जिसे इसमें इसके पदचात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भिषय निधि आयुक्त इस बाल से संसुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी केंद्र अलग अंशवान या प्रीमियम की अवायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृष्टिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं भी कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध धीमा स्कीम, 1076 के अनर्गत स्वीकार्य लाभों ये अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके प्रचाह स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) ब्रारा प्रवत्त शिक्तियों का प्रयोग करने हाए तथा इसके साथ संख्यन अनु-सुनी में उन्लिक्ति गतीं के उन्सार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रक्षीर उपहर स्थापना को क्षेत्रीय शिक्ति निधि आयुक्त दिल्ली ने स्क्रीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत उस्लि प्रवान की है, 3 वर्ष की जविष के लिए उक्त स्क्रीम के संज्ञान की छूट प्रवान कर दी है।

अमसुची---1

अभुस्या।							
50 Fo	स्थापना का नाम और पता	कोड मं०	छूट की प्रभावी तिथि	के०भ० नि० फा० नं०			
 _•	मै॰ एसको इंजीनियरिंग कं॰,	डी०एल०/6907	1-9-88 से	3/ 7/ 97/डी०एल०आ ई ०			
•	18, न्यूं कार्लीनी, मीडल बस्ती,	• .	31-8-91				
	नई विस्ति-110001।		1-9-91 से				
	12.1.1.1		31-9-94				
			1-9-94 सें				
			31-8-97				
2.	मै॰ मकाबरे बीके लि॰, ' एल-8, ग्रीन पार्क एमसटेंगन, नई दिस्ली-110016।		1-8-89 से	3/1/98			
•			31-7-92				
			1-8-92 से				
			31-7-95				
			1-8-95 से				
			31-7-98				
	मै० हाऊसिंग एण्ड अर्बन डवलेपमेंट	डी ०एल ०/6 349	1-5-87 मे	3/14/97			
•	कोर, हुडको हाऊस लोधी रोड,	,	30-4-90				
	नई दिल्ली-3।		1-5-90 से				
			30-4-93				
			1-5-93 से				
			30÷4-96				
			1−5−96 से				
			30- '-99				

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके परचात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविषय निधि बायुक्त को एसी विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरक्षिण के लिए एसी सुविधाएं प्रवान करेगा के केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निधिष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 1'5 दिन के भीतर संदाय करेगा को केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के आधीन समय सभय पर निवर्ष करें।
- 3. मामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजन ब्वारा किया जायेगा।
- 4. नियाजक, कन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट पर प्रविधित करेगा।
- 5. यदि कोई कर्मचारी जो अविषय निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की अविषय निधि का
 पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता
 है तो नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका
 नाम तुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम
 भारतीय जीवन बीमा निगम संबक्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध साभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामृद्धिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध साभों में सामृद्धिक रूप से यृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृद्धिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध साभी से अधिक अनुकूल हो जी उक्त स्कीम के अधीन अनुक्षय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में िकसी बात के होते हुए भी यिद किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम हो जो कर्मचारी को उस दक्षा में संदेय हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधिक वारिस/नाम निविधितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों को बराबर राशि का संदाय करगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धें में कोई भी संबोधन संबीधन क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां िकसी संबोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना डिप्टकाण स्पष्ट करने का युक्तियक्त अवसर दोगा।
- यदि किसी कारणवंश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले

अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली क्रिसी राणि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती हैं।

- 10. यदि किसी कारणवश उस नियस तारीच के भीतर भीचन बीमा निगम निव्त कर प्रीमिश्यम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत होने दिया जाता है तो छुट खुद की जा सकती है।
- 11. नियंजिक क्वारा अभियय के संवाय में किये गर्थ व्यक्तिकम की वहा में उन मह सबस्यों के नाम निविधितों या विधिक बारिसों को यदि यह छूट दी गई हो तो उकत स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाओं के संवाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियंशिक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हम्बदार नाम निविधिक अधिराधीं लों अधिमाकूल राविध संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीचा नियम से बीमाकृत प्राप्त राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत प्राप्त राशि तत्परता से बीर प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के माह के भीतर सुनिविच्चत करेगा।

के. सी. पाण्यां क्षेत्रीय भविष्य निभि आयुक्त

दिनांक 10 नवम्बर 1998

सा. का. 2/1959/डी. एल. आई/भाग-1—जहां अन्सूची-1 में उल्लिकित नियांक्साओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात्
उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकाण
उपवन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) करी धारा की उप भारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है जिस इसके
दश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूं कि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट हैं कि उपत स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान था प्रीमियम की अवायगी किए दिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं जोकि एमें कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निकाप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्थीकार्थ लाभों से अधिक अनुकृत हैं) जिसे इसके एक्चार् स्कीम कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) किया प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए अथा इसके साथ संलग्न अन्-सूची में उल्लिखित शर्ती के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापमा को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली नारीक से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापमा को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त आन्ध्र प्रदेश ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत दील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संवालन की छूट प्रदान कर वीन्हें।

कम सं	स्थापनाकानाम और पता	कोड नं∘	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फाइल नं०
1.	म ० भारथी सोप वर्कस, 67 /बी-1 अम बती मार्ग, गोरेंटला-522035, जिला गंटूर, आ ० प्र० ।	रा- ए.पी० 13922	1-8-95 से 31-7-98	1/20/98/डी० एल० आई०
2.	म ॰ स्पेक्ट्रम पावर जनरेसन लि॰, डोर नं॰ 628 से 629 मुनशीपाल कार्यालय, सरन्र नगर, हैदराबाद-	एः पी∘−2625 9	1−3−97 से 29≁2−2000	1/21/98
3,	मैं ० सिबार आटो पार्टस लि०, इण्डस्ट्रीयल स्टेट, रानीगुंटा मार्ग, तिरूपति—517506 ।	एच० वाई०-18114	1−4−96 चे 31~3~99	1/12/98
4.	मै ॰ सेरवट फिडस एण्ड माईनर्लस प्रा॰ लि॰ डी–142, फेस–III, इण्डस्ट्रीयल एरिया, जीडीमटेला हैदराबाद–55	ए०पी०एच०वाई०-18953	1 -5-97 से 3 0-4-2 000	1/13/98
5.	में अशोक लैलेड (डक्टर्न कास्टिंग यूनिय बी-15, आई श्डी शए अप्पाल, हैदराबाद 4164 उप्पाल, हैदराबाद- 500039 ।	5) ए॰पी॰-4164	1-1-89 से 31-12-91 1-1-92 से 31-12-94 1-1-95 से 31-12-97 1-1-98 से	1/10/98
6.	म ० दि नैस्लोर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक लि २, मुख्य कार्यालय नैस्लोर 524001 ।	ए ०पी<i>०</i>234 3	1-7-92 से 30-6-95 1-7-95 से 30-6-98 1-7-98 से	1/17/96

अनुसूची-2

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके क्षणात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि बायुक्त को एसी विवरिणयां भेजेगा और एसा लेखा रहेगा सथा निरीक्षण के लिए एसी स्विधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भिष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निरिष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रस्थेक सास की समाध्य के 15 विन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार,

उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्दोश करें।

3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत संखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जामा, बीमा प्रीमि-यम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय जादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियंजक द्वारा किया जाएगा ।

- 4. निर्माणक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमीचित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सुचना पट्ट पर प्रशिक्ष कर्येगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त किमिन्यम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भिष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवस्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध साम बकार्य जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म- वारियों को उपलब्ध लाभों मे- सामूहिक रूप से बृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिसमें कि कर्मचारियों को लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृष हों जो उक्त स्कीम के अधीन अमूझेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यिव किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अभीन संबंध राशि सं कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबंध हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियंजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवंधितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संबंध करगा।
- 8. सामूहिक दीमा स्कीम के उपबन्धां में कोई भी संदोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संबोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकाल प्रभाव पड़ने को संभावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना डिप्टकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणविष्ठ स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली राधि उस राधि सं कम हो जाए हो स्कीम रद्द की जा स्कर्ती है ।
- 10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारी को भीतर जे बीमा निगम नियत कर³ प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

- 11. नियाजक व्यारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यक्तिकम की दशा में उन भृत सदस्यों के नाम निद्धितिों या विधिक वारिसों के यदि यह छूट दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरवाधित्व नियाजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधील आने वार्च किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निवंक्तिसीं/विधिक वारिसी की वीमाकृत राशि का गंदीय तत्परता से और प्रत्यंक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत प्राप्त राशि तत्परता से और प्रत्यंक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत प्राप्त राशि तत्परता से और प्रत्यंक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्कृतिश्वित करेगा।

के. सी. पाण्डे क्षेत्रीय भविष्य निधि काग्यस

सं 2/1959/डी एल आहं /एक्जम /89/भाग-4/2616—अहां अनुसूची-। में उिल्लिखित नियोकताओं ने (जिस् इसमें इसके परचात् उक्त स्थापना कहा गया हैं) कर्मचारी भिक्य निधि और प्रकीर्ण उपनंध शिधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छुट के विस्तार के लिए आवेदन किया हैं (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त अधि-नियम कहा गया हैं)।

चूंकि केन्द्रीय भीवध्य निधि आयुध्त इस बात सं संतृष्ट हुं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंग्रवान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भागतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जा कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निर्भप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृष्त हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया हुं)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) व्यारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा रूम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार भिवष्य निधि आयुक्त की अधि-यूणना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निर्धारित कर्ती के रहते हुए केन्द्रीय भिवष्य निधि आयुक्त ने उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संजालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रवान कर दी गई है जैंगा ि संजान अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

			अ नु सूची			
'ऋ∘ सं∘ स्थापनाकानाम व पता		कोड सं०	31	ाप्त होने की ो तिथि	क्ट प्रदान करने हेत् अवधि	के० भ० नि० आ० फाइल सं०
1.	मै ० नित्ति एजुकेशन ट्रस्ट (आर०) ७ बी मंजिल, रामभवम काम्पलैक्स,	के० एन <i>ं </i> 12229	2(1959) डी एल आईः/ पार्ट-1 दिनांक 18-9-97		1-1-97 से 1-12-99	6/15/की ० एल ० आई ०/96
	को डि यालबेला मंगलौर– <i>575</i> 003		•			
2.	मैं ॰ मनडीवी सोटरस बल- माट्टा रोडमंगलीर-575001	- •	2(1959)डी० एल आई०/3 पार्ट—1 विनांक 4—3—97	1-12-96	1−1−97 से	6(32) डी ॰एल॰ आई/96
	•			3	1-12-99	
3.	मैं ० अरविन्द मोटर्स बलमाट्टा रोड मंगलौर-57001	-	` ,	31-1-97	1−2−97 से	6(33)डी॰ एल॰आई॰/96
				3 1-	-1-2000	
4.	म [्] ॰ सुप्रीम मोटर्स बलमाट्टा म [•] गलौर-575001	के॰ एन/ 6607	2(1959)डी॰ एल॰ आई॰/ 31 पार्ट-1 दिनांक 4-3-97	l-1-97	1-2 -9 7 से	6(34)/डी ∍एत ॰आई ० / 9 6
		-		31-	-1-2000	
5.	म० इडी जर्मन प्लाटेशन	के० एन०/	2(1959) স্তা ০ एল ০ आई/28-	2-95	1-3-95	2 (4573) 92/डी एल०
	मशीनरी क० प्रा० लि०22	2458	पार्ट-1 विमांक 27-1-97		से	आई०/96
	ए फस्ट फेस पेनया इंड ऍरिया बंगलौर–58			2	28-2 -9 8	

- 1. जन्म स्थापमा के सम्बन्ध में निर्माणक (जिसे इसके पंक्षीत निर्माणक कहा नया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निर्धि व्यक्तित क्षेत्रीय भविष्य निर्धि व्यक्तित क्षेत्रीय भविष्य रिर्थि व्यक्तित क्षेत्रीय भविष्य रिर्थिण को लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जी कोन्द्रीय भविष्य निर्धि आयुक्त समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करोगा जो कोन्द्रीय सरकार दिन्ते जिथिनियम की थारा 17 की उपभारा (2-क) के खण्ड के जिलीन समय-समय पर निर्दोश करो।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके नन्तर्गत किया जाना, विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना, वीमा अपियम का संवाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक इवारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा वनुमोदित सामृहिक 'वीमा स्क्रीम के नियमी' की एक प्रीत बौर जब कभी उसमी' संबोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-वंच्या की भाषा में उसकी मुख्य वालों का बनुवाद स्थापना के मूजना पट पर प्रविश्वत करेगा।
- 5. यदि कोई कर्मचारी जो भीवष्य निधि या उकत अधि-नियम के अधीन छूट लान्द किसी स्थापना की भीवष्य निधि का महाने:ही सबस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामृहिक वीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त दर्ज करोगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन सीमा निकम संवत्त करोगा।

- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध जाभ बड़ाए जाते हूँ तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध नाभों में सामृहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेया, जिसमें कि कर्मचारियों के निए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन नाभ उपबंध नाभों से अधिक अनुकृत हों जो उक्त स्कीम के अधीन यनुक्रंब हों वो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रंब हों वो उक्त स्कीम के अधीन अपने अधीन सिंग्य स्कार्य हों वो उक्त स्कीम के अधीन अधीन अधीन सिंग्य स्वाप्त स्वा
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बाद के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के जभीन संबंध राशि से कम है जो कर्मचारी को उस बशा में संबंध हो ते जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता ते नियंजिक कर्मचारी को विधिक वारिस/नाम निवंधितातें को प्रतिकार के रूप में बीनें राशियों के अंतर के बराबर राशि का संवाय करना।
- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संगिषत क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के विना नहीं किया जायेगा और अहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भादना हो दहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना डिस्टिकणि स्पष्ट करने का युक्तियक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणविष्य स्थापना को कर्मभारी भारतीय खीवन जीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मभारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रव्द की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवश उस नियत तारील के भीतर धीमा नियम नियत करें प्रीमियम का मेवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यवगत होने दिया जाता है हो छुट रहूव की जा सकती है।

- 11. नियाजक व्यारा प्रीमियम के संदाय में किये गये व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निद्धिति या विभिन्न वारिसी की यदि यह छूट दी गर्फ होती तो उक्त स्क्रीम के अन्तर्गद्व होते बीमा लाभों के संदाय का उत्सरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्स स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्य होने पर उसके हकदार नाम निदिश्यालें/विधिक वारिसी की वीमाकृत राश्चि का संदाय सत्यरता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत प्राप्त राश्चि तरपरता से और प्रत्येक वंशा में भारतीय जीवन बीमा निगम में बीमाकृत प्राप्त राश्चि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निष्चित करगा।

एस . भट्टाचाजी क्षेत्रीय भीवत्य निध आयुक्त

मं. का. 2/1959/डी. एल. आईं./भाग-1/2625—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उत्तर स्थापना कहा गया है) कर्मचारी महिष्य निधि और प्रकीण उपवन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा की उप-

धारा 2(क) के अन्तर्गत छाट के लिए आवेदन किया है जिसे इसके ९३ माहा उक्स अधिनियम कहा गया है।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस वास से संस्ष्ट है कि उक्त स्थाना के कर्मचारी कोई अलग अंगदान या प्रीमियम की उदायगी किए दिना जीवन बीसा है रूप से भारतीय जीवन बीसा निगम की सामृहिक बीमा रकीम का ताभ उठा रहें हैं जॉक एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षोंप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्यत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनृकृत हैं। जिसे इसके एक्योंट स्कीम कहा गया है।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) ब्वास प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न कनु-गूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भिष्ठ्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रयोक के सामने उल्लिखित पिछलीं तारीक से प्रभावी जिस निधि में उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भिषठ्य निधि आयक्त पंजाब ने स्कीम की धारा 18(7) के अंतर्गत दीन प्रदान की हैं, 3 वर्ष की अविधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छाट प्रदान कर दी हैं।

अनसची 1

कम सं	० स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	खूट विस्तार की सिथि	के० भ० मि० आ ० की फा० संब
1.	म० सूद होटल एण्ड अलाईड इस्टर प्राइसिस प्रा० लि०, माइदीएस्टेट,	पी॰ एन ः/1099 4	1-10-89 से	12/24/96/डी॰ एल॰ आई॰
	भिमला-171003		30-9-92	
			1~10-92	
			से	
			30-9-95	
-			1-10-95	
			से	
			30-9-98	
2.	मै ० हिमाचन टेसरीज लि०	पी ∘ एन ०/ 11705	1-2-92	12/6/98/डी० एल० आई०
·	भरत गढ़ रोड, नानागडु डी/सोलन		से	
	(হি॰ਸ਼॰)		31-1-95	
			1-2-95	
			से	
			31-1-98	
3.	मै ० सेस्ट फ्रान्सिस कामवेंट स्कल, जी ० टी ० रोड, करतारपुर ।	पी ॰ एन/17144	1+10 -9 6 社	12/40/98/डी ॰ एल ॰ आई ॰
	•		30-9-99	

अनुसूची-2

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोषक (जिसे इसके परचाह नियोषक कहा गया है) सम्बन्धित शंत्रीय भिवष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेषेगा और ऐसा लेखा-जोसा रहेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो कन्द्रीय भिवष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार

उद्यत अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के सण्ड के शाधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लिखाओं का रखा जाना, विवरिणयों का रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरक्षिण प्रभारी का संदाय जादि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन निर्माणक व्यारा किया जायेगा।

- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमीदित साम्हिक श्रीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और अब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मूल्य बार्ग का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि लोई कर्मचारी को भिष्य निर्मिया उक्त अधिनियम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना की भिविष्य निर्मि का पहले ही सदस्य हो, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता हो तो नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उनका नाम त्रन्त वर्ज करोगा और उसकी बायत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवस्त करोगा।
- 6. यति उवस स्कीम के आधीन फर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ायं जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के आधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में मामृहिक रूप से विद्युध किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनकान हों जो उक्त म्कीम के आधीन अनुक्रेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा रकीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेष राष्ट्रि से कम है जो कमीचारी को उस दशा में संदेष हो ले जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियंजिक कर्मचारी को विधि वारिस/नाम निदींचालों को प्रतिकार के रूप में दौनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करोगा।
- 8. सामित्रिक तीमा स्कीम के उपकर्शों में कोडे भी संक्रोधन संबंधित क्षेत्रीय भविषय निधि आयुक्त के पूर्व अनुमौदन के विका नहीं किया जाएना और जहां किसी संबोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां धेत्रीय भविषय निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दिन्नकोण स्पष्ट करने का ध्रीक्तयुक्त अवसर होगा।
- 9. यदि किसी कारणवश रथापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृतिक बीमा स्कोम के जिसे स्थापना पहले उपना चकी है, अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी रामि में कम हो जाए तो रहद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवण उस नियस हारीश के भीतर बींमा नियम नियत कर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यवगत होने दिया जाता है तो छट्ट रद्द की जा सकती है।

- 11. नियंजिक व्यारा प्रीम्थिम के संदाय में किए गए व्यक्तिकम की दशा में उन मृह सदस्यों के नाम निविधिक्तां या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई हो तो तो उकत स्कीम के अन्हर्गर होते बीमा लाभों के संदाय का उत्तरवाधित्य नियंजिक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधीन आने वाली किसी सबस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम/निदेशिसों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि संवाय तत्परता से और प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत प्राप्त राशि हत्परता में और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत गांव प्राप्त होने के एक माह के भीतर मुनिष्मत करेगा।

के. सी. पाण्डे क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सा. का. 2/1959/डी. एल. आर्ड/भाग-1/2632-जर्ही अन्सूची-1 में उल्लिकित निर्मालताओं ने (जिसे इसमें इसके परचात् उस्त स्थापना कहा एया है) कर्मचारी भित्रक्ष निर्धि और प्रकर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 1प) की धारा की उपभाग 2(क) के अन्तर्गत लग के लिए आर्जेटर किया है जिसे इसके एक्सत उसन अधिनियम कहा गया है।

मुक्ति केन्द्रीय भिष्य निधि आयुगत इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी फिए दिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रही है जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहवक्ष बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकाल है जिसे इसके प्रचार स्कीम कहा गया है।

अतः उदह अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्गाग प्रवक्त अधितयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके माथ मंतरन अनुस्थी में उच्लिकित यहाँ के अनुमार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उन्लिकित पिछली तारील से प्रभावी जिम तिथि गे उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त उड़ीमा ने स्कीम की धाग 28 (7) के अन्तर्गत दिल प्रदान की है, 3 वर्ष की अविध् के लिए उक्त स्कीम के संचानन की कृद प्रदान कर दी है।

अनसूची-I

ऋम सं	० स्थापमाकानाम और पता	कोड नं०	छ्टकी प्रभावी के॰ भ० नि॰ आ ॰ तिथि
1.	म ॰ दि समाज एण्ड यूनिट्स आफ समाज, दि सत्याद्वी प्रैस, दि गोपाबन्धु प्रोसेस एण्ड	ओर-17, ओर-17 ए	1−3−92 11/1/98 ओ∘ आर॰ जी॰ एल॰ आई० मे
	दि गोपालबन्ध् बृटाइप फाउण्डरी, गोपालबन्धु, भवन कटक-753001.	ओर-15 ओर-120	28-2-95 1-3-95 स 28-2-98
	मै॰ सूबोचम इण्डस्ट्रीज प्रा॰ लि॰, बी19, जगत पुरा इन्डस्ट्रीयल एस्टेट (नया) जगत पुरा कटक754021.	ओर4431	1+3-96 11/2/98-ओ० आर० मे 28-2-99

नन्सूनी--2

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके परवास नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भिवय निभि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसा लेखा रखेगा सथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केस्प्रीय भविषय निधि आयुक्त समय-समय पर दिक्टि करें।
- 2. नियोजक, ए'से निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति को 15 विन के भीतर संवाय करोगा जो केन्द्रीय संरकार, उन्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के वण्ड के अधीन समय-समय पर निवाही करों।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गतं लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तूत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संवाय आदि भी है, होने वाले तभी व्ययों का बहन निर्योजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृष्टिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें मंगोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंस्था की भाषा में उसकी मूख्य बातों का अमृबाद स्थापना के स्चना पट्ट पर प्रविशित करोगा।
- 5 यदि कोई कर्मचारी को भविष्यं निर्मिश या उनसे शिधनियम को अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्यं निर्मिश का पहले ही सबस्य हैं, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामृष्टिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरन्त दर्ज करेगा उसकी बाबत आग्रस्थक प्रीमिश्म भारतीय जीवन शीमा निगम को संदस्त करेगा ।
- 6. यदि उन्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियंजिक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म- चारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से शृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध साभों से अधिक अनुकारण हों जो उक्त स्कीम के अधीन क्षमुंचेय हैं।
- 7. सामिष्ठिक थीगा स्कीम में िकसी वात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारों की मृत्य पर इस स्कीम के अधीन संदोय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदोय होती जब बह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक धारिस/ताम निदीिश्यों को प्रतिकार के रूप में दोनीं राशियों के बराबर राशि का संदाय करीगा 1
- 8. सामितिक वीमा स्कीम के उपबंधी में कोई भी संकोधन संबंधित कोत्रीय भविष्य तिथि अध्यानन के पर्व अनमोवन के विमान नहीं किया जायेगा और जहां किसी संकोधन से कर्मचारियों के हित एर प्रतिकाल प्रभाव पणने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निर्धि आधलत अपना अनुमोवन दीने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दिष्टकीण स्पष्ट करने का शृक्तिस्थवन अवसर दोगा।

- 9. यथि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले ही अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने याली किसी राशि से कम हो जाये तो रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवृश निर्याणक उस नियह हारी के भीतर शिवन बीमा निगम नियस कर प्रीमियम का संदाय करने भें असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रख्द की जा सकती है।
- 11. नियापक व्यारा प्रीमियम के संवाय में किए गए व्यक्तिकम की वहा में उन मृत सवस्थी के नाम निविधिक्ती था विधिक वारिसी को यदि यह छूट दी गई होती हो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभी के संवाय का उत्तरदायिस्य नियोजक पर होगा।
- 12. जकरा स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कौग के अधीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्यू होने पर उसके हकार नाम-निविधिकां विधिक वारिसों की बौमाकृत राशि संवाय तत्परता से और प्रत्येक वहा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत प्राप्त तत्परता से और प्रत्येक वहा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत प्राप्त राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्मृतिष्ठित करगा 1

के. सी. पाण्डे क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

विनांक 11 नवम्बर 1998

सं 2/1959/डी एल. आई. /एक्जम /89/भाग-2/ 2638—जहां अन्स्ची-1 में जिल्लिक्त नियानताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार कें लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके एक्चान् उक्त अधि-नियम कहा गया है।

चंतिक केन्द्रीय भविषय निधि आयुक्त इस बाल से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थाएना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या प्रीमियम की अवायगी किए जिला जीवन शीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामहिक दीमा स्कीम का लाभ उठा रही हैं जीकि एरे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सम्बद्ध्य बीमा स्कीम. 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से ऑधक अनुकान हैं। (जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियमं की धारा 17 की उपधारा 2(क) व्यारा प्रदल्त विकत्यों का प्रयोग करते हैं ए तथा श्रम मंत्रालयः, भारत सरकार/केन्यीय सरकार केन्द्रीय भिष्ठ्य तिरिण आयकतं की अधि-स्थाना सं. तथा निष्ण जो प्रत्योत स्थापना के साम के सामने व्हाणी गयी है, को अनमरण में तथा मंत्रान अनमची-2 के विधारित धारों को रहते हैं ए केन्द्रीण भविष्ण निधि आयकत ने उक्त स्किम् के रूभी उपनीधों के संचालन से प्रत्येक उनके स्थापना की आने 3 वर्ष की अमिध के लिए छाड़ प्रवान कर दी है जैसा कि संवान अनमधी-1 में उन्हें नाम को सामने दशींग है।

			अनुसूची–I			
ऋम सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	सरकारी अधिसूचना की सं० वह दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	छू ट समा प्ति तिथि	छूट विस्পार शिथि	के०भ०नि०आं० की फाईल सं०
1	2	3	4	5	6	7
<u></u>	—			,	-	
1	मै० चरोत्तर आयरन फैन्ट्री आनन्द सोजित्ना रोड, आनन्द खेडा (गुजरात)	गुज/159	2/1959/डी एल आई/छूट 89/पा⊶1 दि० 18-1-94		13-96 स 28-2-99	2/4504/92/ डी०एन०आई०
2 ,	मै ० कल्यान इन्डस्ट्रीयल कारपो० कल्पना भूमि एस्टेट दुर्धक्वर रोड अहमदाबाद -3 30004.	गुज्ज/4.503	2/1959/डी एल आई/छूट 89/पा—1 दि० 26-5-94	31-3-93	i-4-93 執 31-3-96 1-4~96 執 31-3-99	डी० एल० आई०
3.	म० बल्साद किलास हरू। बैंक लि० आ जाद चौक बल्साद (गुजरात) (40 वां)	गु [°] ग/466 2	2/1959 डो एन आर्ड/छूट 89/पा—1 दिग 18-1-94	31-3-96	1 -4 -9 6 स 31-3-99	2/4679/92/ রীত দ্লাতসাহিত
4.	नै० रिनायन्स इन्जोनियरिंग मेन्य आरगनाइजेशन् 16 महाराष्ट्रा सोसायटी एलिश्रिज	गु न / 7 2 6 5	2 / ∢959/डो एल आई/छूट ३9 /पा+1दि० 3∽4−93	28 -2 -94	1-3-94 म 2 8-2 -97	2/3322/90/ क्री ०एल ० आई०
	अहमवाबाद-380006			1−3−97 से	- ,	
				29-2-200	0	
5 ;	म० दि गुजरात स्टेट हैन्डोक्राफ्टस डेबुल्पभेट कारपोरेशन जि० स्लाक 173, फ्लोर उद्योग भवन सेक्टर-2, गांधी नगर-382011 (10 क्रांचें)	,	2/1959¦डी एआई/छूट 89 पा∸1 दि० 6−4−93			2/2506/90/ ভী০ एল ে आई०
6.	मै० सलें (इन्डिया) चि० 3102/ए जी०आई०डी०सी० अक्लेप्रवर-393002	गुत∤9444	2/1959/डीएल आई/छूट 89 प–1 दि० 2–12–93	31-12-92	1-1-93 計 31-12-9 1-1-96 計 31-12-98	
7.	मैं० एवरेस्ट कैंक्षिकत्म एण्ड माइनेत्सस प्रा० लि०, प्लाट नं० 203, जी आई डी सी वामी396195	गुज/9449	2/1959/ভী एल आई/চুट 89/पा-1 दि० 18-1-9		1-3 •96 स 28-2-99	2/2757/9 0/ डी०एल०आई०

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके परचात् नियोजक कहा गया है) नियोधत क्षेत्रीय महिष्य निरीच आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसा लेखा-जीखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सूबिधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय मिष्टिय निर्धि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजिक, एसे निरीक्षण प्रभागी का प्रत्यंक मास की समाध्ति के 15 दिन की भीतर संवाय करोगा जो केन्द्रीय सरकार, उपत अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड करोक उपरास्त्र पर निद्योग करों।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रचा जाना, धिवरिषयों का प्रस्तृत किया जाना, वीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन निर्माणक दुनास किया जाशेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्वारा अनुमोविक सामृष्टिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रीत और ज्या कभी उसमा संबोधिन किया जाए, तब उस संबोधन की प्रीत कथा कर्मचारियों की बहु गुरंख्या की भाषा में उसकी गूख्य बातीं का अनुबाद स्थापना के मुखना पट्ट पर प्रविश्वत करोगा।
- 5. यदि एसा कोई कर्मचारी जो भविष्य निर्मंध या उक्त अधिनियम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निर्मेश का पहले में ही सबस्य ही, उसकी स्थापना भी नियानिजन किया जाता ही ती, निर्मेशक सामृहिक बीमा स्कीम के स्थापन भी उसका नाम गुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आध्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवल करेगा।
- 6. यदि उपत स्कोस के अथीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं के नियंजक मागृहिक बीमा स्कोम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप में वृद्धि किए जाने की व्यथस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक दीमा स्कीम के उधीन लाभ उपवंध लाभों से अधिक अन्करूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्षेय हो।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी रिव किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस किम के अधीन संबंध गिशा उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबंध होती जब यह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोगक कर्मचारी के विधि वारिस/नाम नियंकितों को प्रतिकर के रूप में बांगें राशिसों के अंतर के बराबर राशि का संवाय करगा।
- 8. सामूहिक बीगा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संगोधन संतिधित क्षेत्रीय भिष्ठण निष्धि आयुक्त के पूर्व अनुगादन के बिगा नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों से हित पर प्रतिकाल प्रभाव एड़ने की गंभाना हो, यहां क्षेत्रीय भिष्ठिक निष्धि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना हिस्टकीण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर होगा।
- गृति किशी आरणवह स्थापना की अर्मचारी भारतीय जीवन वीमा निराम को उसी गाम्बिक बीमा क्कीम को, जिसे स्थापना, इस्ते ही अपना चकी हो, अधीन नहीं रह जाता हो या इस स्कीप को अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो यह रदद की जा सकती है।

- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत गारीक के भीतर जीवन बीभा नियत कर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत होने दिया जाता है तो छूट रहद की जा सकती है।
- 11. नियोजकं द्वारा प्रीमीयमं के संदाय में किए गए किनी व्यक्तिक्रम की दक्षा में उन मृत सदस्यों के नाम निविधित्तां या विधिक वारियों को यदि यह छूट न दी गर्दा होती हो उक्त स्क्रीम के अंतर्गत होते, तो बीमा लाभी के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उनत स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधीन आने बाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम नियंशितों/विधिक वारिनों को बीमाकृत राशि का मंदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से जीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीनर मृतिश्चिन करेगा।

के सी पाण्डे अंत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (मृ.)

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एवजम/89/भाग-2/2649 --- जहां अन्सूची-। में जिल्लेखित निर्धायताओं ने (जिले इसमें इसके एक्- जिले स्थापना कहा गया हो) कर्मचारी भविष्य निश्चि और प्रकाश उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) को धारा 17 की उपपास 2(क) के अंतर्गत छाष्ट्र के रिस्पार के लिए आबे-वन रिजा है। जिसे इसमें इसके पश्चात् उदल अधिनियय कहा गया है।

क्ंक केन्द्रीय भविषय निधि आगुक्त इस बान में संसुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारों कांक उक्त स्थापना के कर्मचारों कांक उक्त अंकदान या प्रीमियम की अदायनी किए दिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का नाभ उठा रहे हैं जो कि एंसे कर्मचित्रों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहस्व्य बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य नाभों से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके प्रचान स्कीम कहा गया है)।

अतः जक्त अधिनियम की धारा के उपधारा 2(क) द्वारा प्रवत्त प्रिविद्यों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत र करता प्रिविद्यों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत र करता विद्या निधि आयुक्त की अधिसूचना गं. सथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शीमी गयी है अनुसरण में तथा मंतरन अनुसूची-2 के निर्धारित शती के रहते हुए केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त स्कीम ने उत्तर स्कीम के रूपी अध्वविद्यों के संचानन में प्रत्येक उद्यत स्थापना को आने 3 वर्ष वंधी अक्षि के लिए छुट प्रदान कर दी है जैसा कि संवयन अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने वर्षामा है।

			अनुसूची - ^I			
ऋम	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	सरकारी अधिसूचना की			
सं०			सं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	की तिथि	तिथि	की फाइल स०
1.	मैं श्री राजकोट लोधिका सह- कारी खरीद वंचने संघ लि सहकर द्रिवेनी, करन पुरा बस स्टेण्ड के पीछे राजकोट-1	गुजा०/5673	2 (1959) डी एल आई/छूट/ 89 पार्ट-1 वि॰ 6-4-93	30-9-94	1-10-94 30-9-97	
2.	मै॰ एरहंडट लोमर (इल्डिया) लि॰ सर्वे॰ नं॰ 320 ओधव रोड अहमदाबााद-382415		2(1959) डी०एस० आई०/ 89/ क्ट पार्ट-1 दि० 18-1-94	29-2-96	1-3-96 28-2-99	2/2770/90/ डी॰एल॰आई॰
3.	मै० आनसकान्था डिस्ट० को० ओप० मिल्क प्रोड्सर्स यूनियम सि बानस खयरी पी० बी० नं० 20 पालनपुर 385001 गुजरात	•	2(1959) डी एन आई/89/छूट पार्ट-1 वि॰ 1-1-94			डी ०ए ल ० आई०
4.	मै ० बक्ता एलोयस प्रा० लि०, ए-1/12 जी ० आई० डी० सी० इन्डस्ट्रीयल एस्टेन, फेस-2, वटवा, अहमदाबाद-382445	गुज०/5767-ए	एस~35014/38/88 एस एस~11 दि० 27~6~88	26-6-91		2/1756/88/ ত্তী ০ চ্নে ০ সাৰ্ছ ০
5.	मै० रंगसर्जन कैमिकल्स सी० आई० बी० 408, जी० आई० डी० सी० एस्टेट पी० वी० 32, अंकलेश्वर2 डिस्ट० भरुच	गुज०/9847	2 (1959) बी० एल० आई० / 89 छूट पार्ट—1	28-2-95		2/3584/91/ জীত্লত্সাইত
6.	मैं० भीरंग कैमिकल्स 124-125 जीवआई० जीव सीव ओधन, अहमदाबाद-382415	•	2 (1959) डो॰ एल॰ आई॰/8 छूट पार्टें-1 वि॰ 17-1-9			

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियाजक (जिसे इसके पहचात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेंजेगा और ऐसा खेखा जोखा रखेगा तथा निरक्षिण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरक्षिण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 विन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधिन समय-समय पर निवंका करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों को प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया आयेगा।
- 4. नियोजक, क्षेत्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक सीमा स्कीम की नियमों की एक प्रीत और अब कभी उनमें संबोधन

- किया जाये, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मूख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सुचना पट पर प्रविधित करेगा ।
- 5. यिष कोई एसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उपल बिध-नियम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना को भिष्य निधि का पहले ही सबस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करेगा और उसकी यावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदस्त करेगा।
- 6. यदि उत्रत स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियांजक सामृहिक वीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकृत हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी यि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राणि से कम है जो कर्मचारी का उस दक्षा में संदेश होती जब वह उसत स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधिक वारिस/नाम निविधिक तो प्रतिकार के बराबर राणि का संदाय करेगा।

- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी सफोधन संबंधित क्षेत्रीय भित्रष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के जिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संबोधन से कर्मचारियों के हिल पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भिष्य निधि आयुक्त अपना अनुभीवन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दिष्टकाण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवरा स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राक्ति से कम हो जाए ती यह रख्द की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियस कर प्रीमियम का संवाय करने में उसफल रहता है और पालिसी की व्ययगत होने दिया जाता है तो छूट रव्य की जा सकती है।
- 11. नियंजक व्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये बिना किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सबस्यों के नाम निविधिक्षों या विधिष्ठ बारिसों को यदि यह छूट न वी गर्द होती तो उपस स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियंजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्क्रीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृह्यू होने पर उसके हकदार नाम निद्निरातीं/विधिक धारिसीं को बीमाकृत राशि का संदाय हस्परता में और प्रस्थेक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि हस्परता से और प्रस्थेक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि हस्परता से और प्रस्थेक दशा में भारतीय जीवन बीमा

निगम से बीमाकृत प्राप्त होने के एक माज् के भीतर स्निरिचत करगा।

के. सी. पाण्डे अंत्रीय भविषय विशेष आगुक्स

सं. 2/1959/डी एल आई./एकम/98/भाग-2/2659— जहां अनुसूची-1 में उल्लिखिल नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके परभात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मभारी भविष्य निष्ण और प्रक्रीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आर्थक किया है। जिसे इसमें इसके परभात उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूं क केन्द्रीय भविषय निधि आयुक्त इस बात से संसुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई जलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए विना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं जी कि एसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृल हैं (जिसे इसमें इसके पदचात स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा के उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा ध्रम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रींग सरकार भिवष्य निधि बायुक्त की अधिसूचना सं. तथा िष्ठिथ औ प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने वर्शायी गयी है के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 के निधिरत शत्तों के रहते हुए केन्द्रीय भिवष्य निधि आयुक्त ने उक्त स्कीम के स्भी उपबंधों के संचालन में प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्ष की अविध के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

अनुसृची-1

ऋ० सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड मं०	सरकारी अधिसूचना की सं० व दिनांक जिसके द्वार छूट प्रचार/विस्तार की गई	**	w.\	के० भ०नि० आयुक्त की फाईल सं०
1	2	3	4	5	6	7
1.	•	डीएल/ 570	2 (1959) डी॰ए ल॰ आई॰/छूट/89 पार्ट-1/ दि॰ 17-10-91	31-1-94	1-2-94 31-1-97	2/2087/89/डी ৹एপ o आई o
2.	मै ० इन्डियां इंटर नेगनल सेन्टर 40 मुप्तर मार्ग, नई दिल्ली-110003	डीएल∫ 1520	2(1959) डी॰ए ल॰ आई॰/छूट/89/पार्ट-1 दि॰ 29-1-96	31-8-97	1-9-97 31-8-20	2/3421/90/ঙী০ एল০ 100 आई০
3.				30-11-93	1-12-93 30-11-96	2/2/96 ছী ০ দ্ল ে आई ০ :

- 1 उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके दरचात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धिः क्षेत्रींग भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणिया भेजेंगा और एसा लखा रखेंगा तथा निरक्षिण के लिए एसी सुविधाएं प्रवान करोंगा जो केन्द्रींय भविष्य निर्विध आयुक्त समय-समय पर निर्विष्ट करों।
- 2. नियोजक एंसे निर्णक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्दोध करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विकरिणयों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीसियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरोक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्यथों का वहन नियोजक ब्वास किया जायेगा।
- 4. नियंजिक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुभीदित साम्हिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तम उस संबोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संस्था की भाषा में उसकी मूस्य वाहीं को अनुमाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करना।
- 5. यदि कोई कर्मचारी जो भिषय विधि या उक्त जिथिनियम के कथीन छूट प्राप्त फिसी स्थापना की भिषय निधि का पहले ही सदस्य है, उसका स्थापना में नियाजित किया जाता है तो नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सवस्य के रूप में उसका नाम गुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीक्रियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संवत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक वीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकृत हों जे उक्त स्कीम के अधीन उनुकाय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में ितसी वात के होते हुए भी यदि किसी कर्मभारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अभीन संबंध राशि जस राशि में कम है जो कर्मचारी को उस दका माँ संबंध होती जब तक वह उक्त स्कीम के अधीन हारेता हो नियंजक कर्मचारी के विधिक बारिसी/नाम-निवांशिती को प्रतिकर के रूप मां दोनी राशियों के अंतर बराबर राशि का संबाय करगा।
- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपवंधी में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुभोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुभंदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना इध्यिक्षण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

- 9. यिष किसी कारणक्य स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन वीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अभीन नहीं रह जाता है या इस रकीम के अभीन कर्मचारियों को प्राप्त होने थाली किसी राशि से कम हो जाए हो यह रहद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवंश नियोजक उस नियत तारीख़ के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियस कर प्रीमियम का संवाय करने भें असफल रहता है और पालिसी की व्यथमत है वे दिया जाता है तो छूट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यक्तिकम की दशा में उन मृद सदस्यों के नाम निद्धिति तो या विभिक्त वारिसों को यदि यह छूट दी गई होती हो उक्त स्कीम के कंतर्यह होते बीमा लाभों के संवाय का उसरदायिक नियोजक पर होगा ।
- 12. उजत स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधीन आने वाले किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निवेशिसों/दिधिक वारिसों को बीआकृत राशि संदाय तहराना से और प्रत्यंक दशा में आरहीय जीवा बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिधिक करीगा।

के. सी. पाण्ड' क्षेत्रीय भगिष्य निर्मि आयुद्ध

नर्ष चिल्ली, चिनांक 13 तराम्बर 1998

कं. 2/1959/डो. एल. आई/एल र./89/भाग-2/2666— जहां अन्स्ची—1 भे जिल्लिका नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पर्वात् उदत स्थापना कहा गया हो) कर्मचारी भिक्कप निश्वि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपभारा 2 (क) के अन्हर्गत छाट के विध्यार के लिए आवेबन किया है। जिसे इसमें इसके परमात् उपन अधिनियम कहा गया है।

चूंकि केन्द्रीय भेविष्य निध्य आयुक्त इस बात से संत्ष्ट हो कि उत्तर स्थापना के कर्मचारी कोई अनय अंश्रवन या प्रीमियम की अदायरी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की साम्हिक दीमा स्कीम का नाभ उठा रहाँ हो जो कि एमें कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षेप महब्ब्ध तीमा स्कीम, 1976 के उन्हर्णन स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकाल हो। जिने इसमें इसके प्रचान स्कीम कहा गया हो।

अतः उक्त अधिनियम की धारा के उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त धिक्तिगों का प्रमेश करते हुए तथा अस मंत्राहय, भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार भविष्य निधि आग्वत की अधिमूचना सं. तथा निधि जी प्रत्येक स्थापना के गाम के वामने दर्शीयो गयी है के अन्सरण में तथा गंगम अन्स्ची-2 के निधारित शर्ती के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि शाध्यत ने उवत स्कीम के सभी उपबंधी के संचानन में प्रनोह उवत स्थापना को आगे 3 वर्ष की अवधि के निण छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संवयन अन्स्ची-1 में उनके नाम के सामने दर्शीया है।

			थ नुसूची 1			•
क क सं०	स्थानना का नाग और पना	कोड नं	सरकारी अधिश्चनका सं० वह दिनांक जिस् द्वापा छूट प्रदान/ विस्ताप की गई	तके तिथि	छूट विस्तार के० विथि	भ० नि० आ ० फा०नं०
i	2	3	4	5	წ	7
1.	म ० सविचलाइन बिचैम कन्सोयज ब्राण्डर्स लि०, डोलीजवर्स ईस्ट गोदावरी जिला हैंदराबाद ।	ऐ,०पी०/ बी०पी० 4322	2/1959/डी ०एल ० आई०/एन जम/एस० 35014/61/82 दिनांक 2-4-85		4-8-88 3-8-91 4-8-91 स 3-8-94 4-8-94से 3-8-97	2/655/82/ৱী ০ एল ০ সাৰ্ছ ০
2.	मैं० एस० आग्० कें० आर० इन्जिनियरिंग कालेज, भीमवारा 534202, वेस्ट गोदावरी जिला आ० प्र०	ऐ॰पो॰/ म वी॰पी॰ 17803	विनांक 3 0 -9-9	01 30-11-93	1-12-93 से 30-11-96	2/3803/91
3.	9 9	ऐपी०/ वी०पी० 84.97	दिनांक 23-1-92	28-2- 93	1-3-93से 28-2-96 1-3-96 से 28-2-99	3906
4.	मै॰ प्रकाशा इंजीनियरिंग वर्क्स, इनीकेपाडू विजयवाडा, कृष्णा जिला-521108	ऐ॰पी॰/ जी॰टी॰ 6386	दिनांक 3-5-93	31-3-94	'-4-94 से 31-3-97 1-4-97 से 31-3-2000	2/3198
5.	मै० सिफको सनधा नगर, हैदराबाद18	ऐ॰पी॰/ 3052	दिनांक 13-8-9°	7 28-2-97	1-3-97 से 29-2-2000	2/3882
. 6.	मैं० क्रुष्णा इंजीनियरिंग वर्क्य, एनीकपाड् विजयवाडा⊸ 521108	रे॰पी॰/ 3857	दिनांक 2~2-94	31-1-94	1-2-94 3:-1-97 1-2-97 社 31-1-2000	2/3191/90
7.	मै० अंजनगा रोलर प्लोर मिल्स लिमिटेड, एच-2, एच-3, अग्रण्म इण्डस्ट्रीयल स्टेट विजयनगरम-531211.	पी० 16320	दिनांक 23-1-92 ।	31-3-92	1-4-92 से 31-3-95 1-4-95 से 31-3-98	2 3904
8.	मैं ० ए०जी०आई० ग्लाम इन्डम्ट्रीज आफ हिन्दुस्तान सैन्टरी वेयर एण्ड इन्डस्ट्रीज लि०, पोस्ट बा० 1930, सन्ता नगर हैदशबाद— 500013.	ऐ०पी० वी०पी० 4133	दिनांक 26-12-9	7 3 0-1 196	1-12-96 मे 30-11-99	2/4207/জী০দ্ল০ आई०
9.	मै ० दा० इन्डस्ट्रीयल ट्रेडिंग कारपोरेणन, बी-7 उन्डस्ट्रीयल स्टट, नैल्लोर-524004.	ऐ॰पी॰ 1350	दिनांक 27-8-97	31-1-97	1-1-97 से 31-1-2000	1/73/97

- 1. उन्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पहलात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविषय निरिध आयुक्त को एसी जियरिण्यां भेजेगा और एसा लेखा रहेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सृविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविषय निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरिक्षण प्रभारी का प्रस्थेक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के लण्ड के आधीन समय-समय पर निक्या करें।
- 3. साम्भिष्ठक बीमा स्कीम के प्रशासन से जिसकी जन्तर्गर्श लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जायेगा नि
- 4 निर्माणक, केन्द्रीय सरकार ब्बारा अनुमीदिल सामृहिक बीमा स्कीम के नियमी की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बह-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बाली का अनुवाद स्थापना के स्चना पट पर प्रविश्वित करेगा)
- 5. यदि कोंई एसा कर्मभारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राष्ट किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सर्वस्य ही, उसको स्थापना मा नियोजिल किया जाता है ते निशंजक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम त्रत्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवद्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदेश करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मभारियों को उपलब्ध लाभ अवृत् जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-भारियों के उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबंध लाभों से अधिक अन्कूल हो जो उधत स्कीम के अधीन अनुभैय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में िकसी बाह के हार्त हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृह्यू पर इस स्कीम के अभीन संदेय राशि उम राशि से काम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अभीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निदिश्चितों की प्रहिकार के रूप में वोनी राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संदाय करेगा।
- 8. सामहिक बीमा स्कीम के उपबन्धें में कोर्ड भी संबोधन मंत्रीधन क्षेत्रीय भविषय निश्व आगत्त के पूर्व अन्मोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संबोधन से कर्मधारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निध्य आयुक्त अपना अनुमोदन दोने के पूर्व कर्मधारियों की अपना शिष्टकाण स्पष्ट करने का यूक्तियुक्त अवसर देगा।

- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवब बीमा निणम की उस सामृहिक बीमा स्क्रीम के जिस स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्क्रीम के आधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राद्धि से कम हो जाए हो रख्व की जा सकती है ।
- 10. यदि किसी कारणव्दा नियोजक जो उस नियन तारीस के भीतर भारतीय जीवन बीमा निगम नियस कर प्रीमिगम का रांदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रव्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक व्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम नितरीकार्तों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई होती तो उक्त स्कीम के बंतर्गत होते, बीमा लाओं के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध भें नियंजक इस स्कीम के अधीन आने वाली किसी सदस्य की मृत्यु हांने पर उसके हकदार नाम निवरिवासों/विधिक वारिसी की बीमाकृत राधि संवाय सन्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत प्राप्त राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिधिनत करगा ।

के. सी. पाण्डों क्षेत्रीय भविष्य निधि आगृक्त

सा. का. 2/1959/ही. एल.आई./भाग-1/2679—जहां अनुमूची-1 में उल्लिखित नियोकताओं ने (जिमे इसमें इसके प्रकात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्ण निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधार 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आयेदन किया है जिसे इसके प्रचात उक्त अधिनियम कहा गया है।

मृंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आंयक्त इस बात से स्प्तष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीसियम की अवायसी किए दिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामहिक बीमा स्क्रीम का जाभ उठा रही हैं जोकि एमें कर्मचारियों के लिए क्रमचारी निक्षेप सहस्वध बीमा स्क्रीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकास है । जिसे इसवे एक्सार स्क्रीम कहा रुए। हैं।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त गिक्तयों का प्रयोग करते होए तथा इसके साथ संलय्न अन-सची में उल्लिबिक दानों के अनमार केन्द्रीय भिकाण निश्चि आयक्त ने प्रत्यंक स्थापना के सामने जिल्लिक्ति विक्राती हारील से गमानी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भिकाष्य निधि आयर्क उ. ए. ने स्कीम की धारा 18 (7) के अन्तर्यक्त होल प्रदान को हो, - २ वर्ष की अविध हो लिए जव्का स्कीम हो संचालक की छात प्रदान कर ही हैं।

স াংল ত	स्वायना का नाम एवं पता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथिय	के०	भ० नि संस्	भ्या भ्या	फाइज
1	2	3	4		- -	5	
1.	मै॰ बसन्त प्रोडक्टस (इंडिया), 26/257-बी, सूलम गंज, आगरा-282004।	यू०पी०/14224	1-3-90 中 28-2-93 1-3-93 社 29-2-96		3) श ि -/96/ 1	एले०	आई०/
2.	मै० आर० वी० मोटर्स प्रा० लि०, प्रताप पुरा, आगरा-282001 ।	यू०पी०/3666	1-3-90 中 28-2-93 1-3-93 中 29-2-9'6	15 (4 यू॰पी) डी॰ /96	एंल ॰	आई०/
3.	मै॰ दर्शन आयस्स लिमिटेड, ऊदी सिंह जैन रोड़, अलीगड़-202001 ।	यू०पी०/14068	1 1 89 से 31 12 91 1 1 91 से	यू०पी	2) डी॰ •/96	एकः	गाई०/
			31-12-93 1-1-93 से 31-12-95				
4.	मैं ज्यू ० पाँ ० स्टेंड टैं +संटाइन कार्पोरेशन निमिटेड, स्विनिगं मिल्स, जसपुर-2447 12, डिस्ट्रिंस्ट नैनेसिंग्स ।	यू० पी० /13 7 27	1-8-89 से 31-7-92 1-8-92 से 31-7-95	15(1 यूज्पी	1)/डी० -/ 86	एस०	आई०/
5.	मैठ एक्सपर्ट फाऊण्डर्स एंड इंजीनियसं, सी-29; फाउण्डरी नगर, आगरा-282006 ।	यू॰पी॰/11760	1-2-89 就 31-1-92 1-2-92 就 31-1-95 1-2-95 就	15(3) यू॰पी	হী ০ ০/ 96	एलं०	आई <i>ं\</i>
, 6. -	मैं सेटी प्रतोद्धिपार्स प्राच लिंच, चार्गवाम, गोरखपुर (यूव्पीर्व) ।	यू०पी०/3734	1-11-89 स 31-10-92 1-11-92 स 31-10-95		9) ਫੀ ∘ ਾਂ∘/ਭਰ	् एल॰	आई०/

in the second of the second of the second

1	2	3	4	5
7.	मै ० नैतीताल अल्मोडा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, बैलड्राफ कम्पाऊण्ड, नैतीताल – 263 001, तथा इसकी गाखाएँ।	यू॰पी॰/13537	1-5-90 से 30-4-93 1-5-93 से 30-4-96	15/32/डी० एल० आई०/ यू०पी०/97
8.	मैं० टेलिझानिक्स लि०, इंडस्ट्रियल एस्टेट, भीमताल 2631-36, जिला नैनीताल तथा गाखा ।	मू ०पी०/6996	1=1-93 से 31-12-95 1=1-96 से 31-12-98	15/31/डो० एल० आ ६०/ यू०पी०/97
9.	मै० जेबरा जि ^{न्} सं प्रा० लि०, (वी॰एस० नगर) रामनगर मार्ग, काशीपुर, नैनीताल (यू०पी०) ।	यू०पी०/16073	1-12-93 से 30-11-96	15/30/डो∘ एल ∘ ∄ आई०/ यू०पी०/97

जनसूची-2

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिन्ने इतमें इसके परचात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भिवष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेंगा और ऐसा लेखा-जीबा रचेंगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेंगा जो केन्द्रीय भनिष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निरिष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्यंक मास की समाप्ति के 15 दिन के मीतर संदाय करेगा की केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के वण्य के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामूहिक नीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके जंतर्यंत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, वीमा प्रीमियम का संदाय, जंबाओं का अन्तरण, निरीकण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाल सभी व्यवों का बहुन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्वारा अनुमोबित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें सथा-धन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मृष्य बातों का अनुवाद स्थापना के स्चना पट्ट पर प्रवर्शित करेगा ।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उवस जीधीनयम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सवस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के नवस्य के रूप में उसका नाम शुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत बावश्यक प्रीमियन भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत्त करेगा।

- 6. याथ उकत स्कीम के अधीन कर्मचारिशं को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हों भें उकत स्कीम के अधीन अनुभैस हैं।
- 7 सामृहिक बीमा स्काम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कोम के अधीन संदोय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदोय हाती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विभिन्न वारिस/नाम निविधितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संदाय करगा :
- 8 सामृहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भोषण्य निश्चित्र आयुक्त के पूर्व अनुमादन के यिना नहीं किया जाएगा और उन्हों किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिल पर प्रसिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोधन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना डिप्टकोण स्पष्ट करने का यूक्तियुक्त अवसर बोगा।
- 9. यदि फिसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन वीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले ही अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रदब की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश उस नियस तारीख के भीतर भारतीय जीवन बीमा निगम नियस करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यवशंत होने विया जाता है तो छुट रह्द की जा सकती हैं।

- 11 नियोजक द्वारा श्रीमियम के संवास में किए गर्बे किसी अपितकम की बधा में उन मृह सदस्यों के नाम निविधितारों या विधिक थारिसी को यिव यह छूट न दी गर्द होती तो उक्श स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभी के संवाय का उक्तरवायिन्य नियोजक पर होता।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कांत के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उस के हकदार नाम निद्धितां/विधिक धारिसों को बीमाकृत राधि का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय प्रीतन वीमा निगम से बीमाकृत राधि प्राप्त होने के एक माह के भीहर सुनिरिक्त करोगा।

एक. भट्टाबाजी ्क्षेत्रीय भविष्य निष्य कायुक्त

सं का. 2/1959/डी, एल. आई./भाग-1/2692-जहां अन्सभी-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने िजसे इसमें इसके परवास उक्त स्थापना कहा गयी हैं) कर्मचारी भिक्क निधि और प्रकार उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा की उप भारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है जिस इनमें इसके पश्चाह उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतष्ट हो कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशरान या प्रीमियम की अदायनी किए दिना जीवन बीमा के उप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्क्षीम का लाभ उठा रहे ही जोकि एरी कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निश्चेष सहबद्ध बीमा स्क्षीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभी से अधिक अनुकाल ही जिसे इसमें इसके पश्चान् स्कीम कहा गया ही)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) स्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनु-सूची में उल्लिखित शहों के अनुसार केन्द्राय भविष्य निश्वि आयक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीक से प्रभावी जिस सिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त मध्य प्रवेश ने स्कीम की धीरा 18(7) को अंतर्गत खील प्रवान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रधान कर दी है।

अनुसूची--- 1

		अनुसूचा 1		
ऋ० सं०	रणा ताका नाम और पता	कोड नं ०	छूट की प्रभावी तिथि	के०भ० नि० आ० फा • सं०
	मै॰ सोइंटीफिक मैस/टेकिनक प्रा॰ लि॰, पूनिट-2, बी-14, इण्डस्ट्रीयल इस्टैट, इन्दौर-452003।	म०प्र०/6541	1 1 97 से 31 12 99	8/1/98/ই০ ব্লী০ एল০ সাই০.
2.	मै॰ जी॰डी॰ केमिकल्स, विरलाग्राम, ग्राम नागदा (म॰ प्र॰) ।	म∘प्र०/8447	1-11-95 से 31-10-98	8/2/98
3.	मै० गिवा प्रोडक्ट्स बाई साहब की परेड, लक्ष्मीगंज, ग्वालियर (म० प्र०)।	म॰प्र॰/9555	1−4−97 से 31−3 − 2000	8/4/98
4.	मै॰ रायस बिस्टलरीज लि॰, रायक फार्म, आगरा बाम्बे रोड, खालियर (म॰ प्र॰) ।	म∘प्र∘/7204	1 − 3−97 स 29−2−2000	8/5/98

अनुसूची-2

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोचक (फिसे इसमें इसके परचात् नियोचक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भी त्या निधि आयुक्त को ऐसी विवर्शणयां भोजेगा और ऐसा लेखा रखेगा तथा निरक्षिण को लिए ऐसी स्विधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भीवव्य निधि आयुक्त समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाधित को 15 दिन को भीतर संवाय करेगा आ केन्द्रीय सरकार, उठत अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) को उपधार समय-समय पर निर्दोश करें।
- 3. सामित्रक बीमा स्कीम के पदासन में निक्क अंतर्गत लंकाणों का रक्षा जाना, विवयणियों का प्रस्तर किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लंकाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी हैं होने बाले सभी ख्यों का बहन नियोजक दवारा किया जाएगा।

- 4. नियोजक, कोन्द्रीय गरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमी की एक प्रति और जब कभी उसमें संजीवन किया आये, तब उस संजीवन की प्रति तथा कर्मजीरयों की बहु संख्या की भाषा में उनकी प्रस्थ बालों का उनुयाद स्थापना से मुखना पट्ट पर प्रदर्शित करोगा।
- 5 रिद कोई कर्मचारी जो शिवष्ण निर्मिश या उक्त अधिनियम के अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना को शिवष्ण निर्मिश का पहले ही सबस्य है, ज्याकी स्थापना में नियोजिक किया गाता है तो निर्मेणक सामिक्क बीमा स्कीम के स्वस्थ के रूप में उसका नाम भगन्त वर्ष करोगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करोगा।
- 6. यदि उसने स्कीम के अधीन क्रम्मारियों को उपलब्ध नाभ रहाये जाते हैं में नियोजक साम्बिक बीमा स्कीम के अधीन क्रम्मारियों को अवलब्ध नाभी में सामिक हम ये निष्ण किए जाने की अवस्था करेगा, जिसमें कि क्रम्मारियों के क्रिल सामिक बीमा स्कीम के अधीन नाभ उपलब्ध नाभी से अधिक उन्युक्त हों के जनन स्कीम के अधीन अनुजये ही।

- 7. पाम् हुक बीमा स्काम में किसी बाद के हांते हुए भी आदि किसी कर्मकारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन राचिय राचि उस राचि से कम है जो कर्मकारी को उस दशा में स्दांय होती जब यह उक्त स्कोम के अधीन होता तो नियोजक कर्मधारी की विभिन्न धारिस वा नाम नियोणि को प्रितंकार के रूप में दोनें। स्विकें के शंसर के बसवर राचि का संदाय करना।
- इ. साम्हिक बीमा स्कीम के उपबन्धों भें कार्ड भी संशोधन संबंधिक अंतरिय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुभादन के बिमा महीं किया जकाना औं जहां कियी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निक्षेत्र अपयुक्त कथात कार्बादन वोने के एवं कर्मचारियों को अपरा विषय करवाद सम्बद्ध का बुक्तिस्था अवस्य दोना ।
- 9. किस किसी कारणवश स्थापना के कर्स चारी भारतीय श्रीवन कीस किया की उस सामित कीमा स्क्रीम के जिसे स्थापना पहले अपना कारी है स्थित वहीं रह जाता है या इस स्क्रीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली स्त्रीश उस राश्चि से क्रम हो जाये तो उक्त स्क्रीम रहेव की जा सकती है।
- 140. किय किसी कारणक्या उस नियम हारक्या के भीतर किसे किया कियम किया करों प्रीमियम का मंदाय करने में असफल रहता में और प्राचित्रकों को व्यवपात होने दिया जाता है तो छुट रद्द की वा तकती है ।
- 11. निर्माणक स्वारा प्रीमियम हो संवार में किया गए क्लिन्डिम की वंशा में उन मह स्वस्यों के नाम निर्देशनों या निर्माणक मारियों को यिन यह कार र ही गई दोती नो अक्त स्किम को बंशर्यत होते बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व निर्माणक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियायक इस स्काम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकद्वार नाम निवाधिक गिरियों को नीमाकृत राश्वि का संसार हिएया से जीर प्रत्यंक दशा में भारतीय की न मीमा निगम से नीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निनिश्चम करेगा।

के. सी. माण्डे क्षेत्रीय भविषय निधि अक्षक्रकर

सं. का. 2/1959/डी. एल. आई./भाग-1/2700—जहां अनुस्ची-1 में उल्लिखन नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके परचाल उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भारूष निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनयम 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके प्रस्थान उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चंकि केन्द्रीय भीवका निर्मिश आयक्त इस बात से संतक्त हैं कि उवत स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंश्रहान या प्रीम्यय की अवायनी किए दिना जीवन बीमा के क्य में भारतीय जीवन बीमा दिगम की सामस्थि बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जांकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निर्भाप सहजवश बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकाण लाभी से अधिक अमुकूल हैं (जिस इसमें इसके एक्चात् स्कीम कहा गवा हैं)।

अत: उक्त लेधिनियम की धारा 17 की जपधारा 2(क) दबारा प्रवरू एक्टिंगों का प्रयोग करते हैं ए सथा इसके साथ मैंस्पन अन्-सभी में जिल्लिकिट एकों से लक्ष्मार केन्द्रीय अधिका कि आयकत ने प्रसंक जनस् स्थापना को ओनीय भिष्ण निधि आपका मृश्यास ने स्कीम की भाग 20 (7) के अन्योन तील प्रवान की है. २ वर्षे की करीय के लिए उदल स्कीम के संचालन की छूट प्रवान करें दी हैं।

अनुसूची--1

		41.98	3 -1 - 1	
क्रम सं०	स्थापना का नाम व पती	कोड सं०	खूट प्राप्तिकी तिथि	के० भ० मि० आ० की फाइल संख्या
1	2 ; –	3	4	6 1
131/₹/ए	ल्प प्रोपेपर्पं, गोवाम नं० 1, कि, गीना टाईल्स के किछे, ओल्ड ^व इ, भावनगर-364001	गुज/ 27 24	1-7-94 से	4/88/97/की० एक० आई०
#.#¥ Zh	4, 4(MINK-204DDI		30-6-97	
	ी मैं भेनिकल वर्क्स रूवापारी रोड, -364001	गुज 4586	1-5-9 4 से	4/15/97/রী০ एল০ স্থার্ছ০
			30-4-97	•
	ोट ट्रीट इण्डल्ट्रीय न कारपोरे मन, धोल्ड ड, सुरेन्दर नगर 363001 (गुजरात)	गुज/ 6450	1-2-90 से	4/97/97/डी० एल ० आई ०
इ ण्डिया	,		31-1-93	
			1 ~ 2~ 9 3 से	•
			31-1-96	
			1−2 − 96 सें	
		, <u>-</u>	31-1-99	,

1	2	3	4	5
4.	मैं शैना रीडस मैनुफक्चरिंग कं , एल ० 5.38/5, जी ० आई ० छी ० सी ० एस्टेट, औश्रव अञ्चलकात	गुज : /15878	1-6-93 से 31-5-96 1-6-96 से 31-5-99	4/23/৪7/डी ১ एल ১ आई ১
5.	मैं • अजय फाईबर ग्लास प्रा • लि •, अलिक इण्ड • व्रस्टेट, इण्डीलपूप इंजी • लि •, भी • आर • कुकेर नगर, सरवार नगर, अहमदाबाद— 38:2340	मु ज ं । 16060	1-8-89 से 31-8-92 1-8-92 से 3.1-8-95 1-9-95 से 31-8-98	4 <mark>2 e ৪ কি ১ ফ্</mark> ন ১ আর্ছ ১
6.	मै ॰ गुजरात अम्बुजा सी-वेड लि ॰ - पी - खो ॰ अम्बुजा सगर तल कोडीनगर- 3.62760 जिला अमेरी 7 साखाओं सहित	गुज ०/ 1758 1	1-2-92 से 31-1-95 1-2-95 से 31-1-98	4/৪ 7/৪7/জঃ - ফুল - স্নার্ছ -
7.	मै ॰ नेसो सद्बद्धो कांस्ट्रकणन प्रा० लि ०, कारपोरेट आफिस 301, महान टेररेस, अडाजन रोड, सूरत-395008	गुज∘	1−2−96 से 31−1−99	442/97/की • इस • आई •
8 .	संश्रमपूर फार्मा, 131/2, जीर वाई० ही र सी० इण्डस्ट्रीयल एस्पिन, बडहा नातसिटी362030	गुज ०/25387	1 -8-9 5 से 31-7 -9 8	4/3/ <u>9.6</u> /কী • ছেল • সাৰ্ছ •
- 9 .	मै. ही स्वाद्धदं गुक्रयतः चेम्बर्स आफ कामर्स एष्ट इण्डस्ट्रीज, समक्दी, चौथी मंजिल, मनना पूत्र, बतपुरा, सुरत-395091	गुजः 23417	1 -6-9 5 * 1 3 1-8-9 8	4 32 07 ∤डी० एस० आई०
10.	मै > गुजरात कन्युनीकेकन युग्ड इसीनड़ोनिक्स खि •, ग्रू-42, खी • आई > की > सी > ध्लैक्ड्रा- निक्स इस्टेट, मांधी नगर-3\$2015	गुञ्क० 693≇—ए	1-1-91 से 31-12-93 1-1-94 से 31-12-96 1-1-97 से 31-12-99	4/94/97/की अपनि आर्ति ०

अनुसूषी-2

- 1. उक्क स्थापना के संबंध में विभोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक फहा गया हैं) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि वायुक्त को एसी विवरणियां भेजेगा और एसा लेखा-जेखा रखेगा तथा निरक्षिण के लिए एसी स्विक्याएं प्रवास करेगा जो केन्द्रीय भिष्य निधि वायुक्त समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे मिरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की स्थापित कें 15 दिन के शीतर संदाय करोगा जा केन्द्रीय सरकार,

उन्हें अधिनियम की आरा 17 की उपधान (2-क) के वन्त के

. 3. सामृद्धिक बीधा स्काम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लंबाओं का प्रस्तुत किया जाता. विवर्णियों का प्रस्तुत किया जाता. वीमा प्रीमियम का संदाय, लंबाओं का कस्तरण, निरक्षिण प्रभारी का संदाय, जादि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक क्वारा किया जाएगा ।

- 4. नियंजिक, क्रोन्सीय सरकार च्यारा जनुमीयिक साम् हिक भीमा स्कीम के नियमी की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, हव उस संशोधन की प्रति हथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बाती का अनुवाद स्थापना के स्थाना पट्ट पर प्रयोगित करेगा।
- 5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सवस्य है, उसको स्थापना में नियांजित किया जाता है तो नियंजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तृरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवद्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभी में सामृहिक रूप से द्विश किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभी से अधिक अनुकृत हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकृष हैं।
- 7. सामहिक बीमा स्कीम में किसी भात के द्वांने हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवेधितों को प्रीतकार के रूप में दोनों राशियों के बेन्टर के बराबर राशि का मंदाय करोग ।
- 8. सामहिक बीमा स्कीम के उपबंधी में कोई भी संशोधन मंबंधित क्षेत्रीय भविष्यः निधि आयुक्त के पूर्व अनुमादन के बिना नहीं किया जाएगा और उहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पहने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य मिधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दिन्दकरण स्पष्ट करने की युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवहा स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस साम्हिक बीमा स्कीम के जिसे स्थावना पहले ही अपना चकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाली राश्चि उस राश्चि से कम हो जाए तो उक्स स्कीम रखब की जा सकर्ती है।
- 10. यदि किसी कीरणें वज नियोजक उस नियत तारील के भीतर जीवन बीमा नियम नियस करने, प्रीमियम का संवाय करने में अस्फल रहमा है और पालिसी को व्यवस्त होने विया जाता है तो छाट रहद की जा सकती है ।
- 11 नियोजक दवारा प्रीमियम को संदास में किये गये किसी व्यक्तिस स्ति दक्ता में उन मत सदम्मी को सम निर्दाशितों या विधिक वारिसों को यदि यह छाट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते. बीमा जाभी की मंदाय का उत्तरदायिक्य नियोजक पर होता ।
- 12. उक्षत रक्षाप्तां के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन क्षण नाले किया सम्बन्ध की मध्य सेने पर तसके हक्षणर माम निक्षिति निर्मिक त्यारियों को वीमाजत पाणि संदाय तस्करमा से और प्रत्येक वद्या मों भारतीय जीवन वीमा निर्मि से बीमाजत प्राप्त राज्ञि तस्परता से और प्रत्येक बना में भारतीय जीवन भीना जिस्सा से बीझाकत प्राप्त होने के एक माह के भीनर सनिष्ठित करोगा।

स्त्रे. गी. पाण्ये अज़ीय भविष्य रिधि आगृज्य

भारतीय युनिष्ट ट्रस्ट

मुम्बर्घ, विनांक 30 अवस्पर 1998

सं. यू टी/डीबीडीएम/आर-144/एसपीडी-71-1/98-99— भारतीय यूनिट ट्स्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) की घारा 19 (1) (8) (सी) के अंतर्गत निर्मित मासिक आय प्लान 1994 (III) मासिक आय प्लान 1995, मासिक आय प्लान 1995(II) एवं मासिक आय प्लान 1995 (III) के प्रोवधानों में किए गए संकंष्म जं क्रमर: किथ्द अधिनियम की धारा 21 के अंतर्गत बनाई रई मासिक आय योजना 1994 (III), मासिक आय योजना 1995, मासिक आय योजना 1995 (III) एवं मासिक आय योजना 1995 (III) के संबंध में हैं, और जिसे 24 जलाई. 1998 के सम्पन्न कार्यकारी समिति की गोष्ठी में उनुमोवित किया गया, इसके नीणे प्रकाशित किया जाता है।

ए. जी. जोशी मृस्य महाप्रसन्धक व्यवसाय विकास एवं विपणन

परिशिष्ट -

- मास्तिक आय योजना 1994 (III) के प्रावधार्मी में संदोधन 'निचेश उद्यवस्य' से संबंधित गंड VII के उपलंड (ii) में निम्न-निक्षित संशोधन किया गया है;
 - (ii) निधियों का 20% तक इविष्टियों एवं इक्विटी संबद्ध लिस्कों में निवंद किया जाएगा ।
- मासिक आय यांजरा 1995 के प्रावधानों माँ संशांधन 👋

'नियंश उददेश्य' से संबंधित छण्ड VII के **छण्डण्ड (ii) में** निम्मीलिखत संशोधन किया गया है;

- (i) निरिध्यों का 20% तक क्रिकिट्यों एवं इिक्टरी सीब्ध जिल्लों में निर्देश किया जाएगा ।
- 3. गास्कि आय योजना 1995() के प्रावधानी में संजीक्षन 'मास्कि आय योजना 1995 [(**) एमआइकिस 95 ([^T)] का नियरण जारी' (मृद्धित पेशकश दरलाईण का पष्ट 9 पर)

'नियंश उद्वर्षय एवं मीरियां' वीर्षक युक्त संवर्शी के उपर (ii) में निय्नानुसार संवर्धक किया गया है;

(ii) निधियों का 20% तक इक्किटियों एवं इक्किटी संबद्ध लिखतों में नियंश किया जाएगा ।

उपरोक्त के दावजद संबी तदारा कर संबंध के निर्णणा किया-निर्वेशों के असक्य मुद्रा बालान कियानों के निर्णण का अस्पता बढ़ाया जा सकता है ।

4. सारियत आय योजना 1995 (III) के प्रावधानी में संतियत 'मारिक आय योजना 1995 (¹⁷⁷¹⁾ एमआहोग्स 95 (^{III}) का किनरण जारी' (महिस पेशकश दस्तार्वक का एष्ट 11 पर) शीर्णक के अंहर्यत ।

'निकोब अस्टबेब्स सर्व नीनिकां' जीर्यक स्पृष्ट सार VII के अस्वांड '०) माँ निकाससार संजीधन किया गया ही:

(ii) निर्मालने कर २०% वस बम्बर निर्मात गर्न हिन्दारी संत्रकः निर्माने को निर्माण निर्माण जाएगा ।

ज्यानिक हो बाङकद् सेनी द्वसाना इस यंत्रीय में निया गया निका-जोती हो अवस्था धन् नागान निकाम में निकास कुर कुरमुक देशा जो सकता हो ।

भारतीय आयुविज्ञान परिषद्

दिनांक नवम्बर 1998

्र सं भाग आय पय-12(2)/98-चिक् कर-भारतीय आंयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 33 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात्—

- ् 1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :--(1) ये विनियम "आयुर्विज्ञान संस्थानों में शिक्षकों के लिये न्यूनतम अर्हतायें विनियम, 1998' कहे जाएंगे।
- (2) ये शासकीय राजपक्त में इनके प्रकाशन की तारीख से प्रकृत होंगे।
- 2. उद्देश्य---स्नातक और स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा प्रदान करने वाले आयुर्विज्ञान कालेजों और संस्थानों के विभिन्न विभागों में न्यूनतम अर्हताओं और अनुभव वाले आयुर्विज्ञान शिक्षकों की नियुक्ति, अध्यापन के स्तर को बनाए रखने के लिए आवश्यक अपेक्षाएं हैं।
- 3. शिक्षक के रूप में नियुक्ति के लिए न्यूनतम अर्हताएं—स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षा प्रवान करने वाले आयुविज्ञान कालेज और संस्थान के विभिन्न विभागों में शिक्षक
 के रूप में नियुक्ति करने के लिए न्यूनतम अर्हताएं इन
 विभियमों के साथ अनुबन्ध अनुसूची I और II में विनिर्दिष्ट
 किए अनुसार होंगी।

अंनुसूची-1

किसी आर्युविज्ञान कालेज अथवा संस्थान में किसी शिक्षण पद पर नियुक्ति करने से पूर्वप्रत्येक नियुक्तिकर्ता अधिकारी निम्नलिखित मानकों का ध्यान रखेगा:——

- सभी आयुर्विज्ञान शिक्षक, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की किसी भी अनुसूची में शामिल आधारभूत विश्वविद्यालय अथवा समकक्ष अर्हता धारक होने चाहिए।
- 2. शरीर-रचना-विज्ञान, जीवन-रसायन भेषजगुण-विज्ञान और सूक्ष्मजीव विज्ञान विभागों में विभाग के कुल पदों की संख्या के 30% तक गैर-आयुर्विज्ञान शिक्षक नियुक्त किए जा सकते हैं। गैर-आयुर्विज्ञान अनुमोदित, आयुर्विज्ञान विज्ञान निष्णात, अहेता संबंधित विषय में क्याख्याता के रूप में नियुक्ति के लिए पर्याप्त अहेता होगी परन्तु उच्चतर शिक्षण पद पर पदोन्नति के लिए अध्यर्थी के पास, विषय में, विद्या-वाचस्पित की खिग्री होना आवश्यक है। इन विभागों के विभागाध्यकों के लिए मान्यताप्राप्त आधारभूत विष्वविद्यालयी आयुर्विज्ञान डिग्री अहंता अथवा समकक्ष अहंता होना आवश्यक है। तपापि, जीव-रसायन

विभाग में, विभाग में कुल पदों की संख्या के 50% तक पद्यों पर गैर-आयुर्विज्ञान शिक्षकों की नियुक्ति की जा सकती है। गैर-क्लीनिकेल विभागों में शिक्षकों की कैसी के सामले में उक्त नियुक्ति के लिए गैर-क्लीनिकल विशेषज्ञता-विशेष में उपयुक्त आयुर्विज्ञान शिक्षक उपलब्ध म होने की स्थिति में नियुक्ति-अर्जा अधिकारी द्वारा गैर-आयुक्तिगान व्यक्ति को विभागाध्यक्ष के पद तक डील दी जा सकती है। तथापि, ऐसी ढील भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् के पूर्व अनुमौदन से ही दी जासकेगी। किसीगैर-आयुर्विज्ञान व्यक्ति को निदेशक अथवा प्रधानाचार्य अथवा डीन अथवा चिकित्सा अधीक्षक के रूप में नियुक्त नहीं किया जा सकता है। समुदाय आयुर्विज्ञान और भेषजगुण विज्ञान विभागों में सावियकी और भेषजगुणीय रसायन में व्याख्याता किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से विषय विशेष में विज्ञान निष्णात अईताधारी होने चाहिए।

- असमी आयुर्विज्ञान कालेजों में अनुशिक्षकों, रेजिडेव्टां, रिजस्ट्रारों और निदर्शकों के अलावा, आयुर्विक्राम शिक्षक अवने संबंधित विषयों में अवेक्षित मान्यताप्राप्त स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान अर्हताक्षारी होने चाहिए।
- 4. नियुक्तिकर्ता अधिकारी, ऐसे समकक्ष स्मातकोत्तर अह्ताधारकों को, जिसे भारतीय आयुक्तिन परिषद् द्वारा समय-समय पर अनुमोदित किया गया हो, संबंधित विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त अर्हता होने के रूप में विचार कर सकते हैं।
- भारतीय आयुविज्ञान परिषद् इन विनियमों में उल्लिखित समकक्ष अर्हता निर्धारित करेगी।
- 6 किसी अयुविज्ञान कालेज अथवा संस्थान में कुल आठ वर्ष के शिक्षण अनुभव काले शिक्षक, जिसमें से कम-से-कम पांच वर्ष का शिक्षण अनुभव स्नात-कोत्तर. डिग्री प्राप्त करने के उपरान्त व्याख्याता अथवा सहायक प्रोफेसर के रूप में हो उन्हें व्यापक विशेषताओं में स्नातकोत्तर शिक्षक के रूप में मान्यता दी जाएगी। अति-उन्नत विषेज्ञताओं के मामले में केवल उन शिक्षकों को स्नातकोत्तर शिक्षकों के रूप में मान्यता प्राप्त दी जायेगी जिनके पास आठ वर्ष का शिक्षण अनुभव हो जिसमें से कम-से-कम पांच वर्ष का शिक्षण अनुभव हो जिसमें से कम-से-कम पांच वर्ष का शिक्षण अनुभव उच्चतर विशेषता विग्री प्राप्त करने के उपरान्त व्याख्याता अथवा सहायक प्रोफेसर के रूप में प्राप्त किया गया हो।

वशर्ते कि नए संस्थापित किए जा रहे अति-उन्नत विशेषज्ञता पाठ्यक्रमों के मामले में स्नातकोत्तर शिक्षकों की अर्हता और अनुभव में ढील सम्बन्धी मामला नियुक्तिकर्ता अधिकारी द्वारा भारतीय आयुक्तिनाम परिषद् को भेजा जाए।

- 7. संपेशिक्तः अनुभाव काले सभ्याकी छपसन्त न होने की स्थिति के, निवृत्तिकाता अधिनादि हास्क गुमन्योध के आधार कर किन्द्रकार करने के निष्टु मामला भारतीय अप्रयागिकाल करियां को निष्टु को निष्टु मामला भारतीय
- 8. शिकाण चर्कों का नाम, शैक्किक महैताई और प्रत्येक शिकाण पव के लिये अविधित विधाण अवधा अनुसंधान अनुवास का उल्लेख समातक और स्नातकोत्तर

उन्जतर विशेषज्ञता पार्ध्यक्यों के सम्बन्ध में तालिका
- 1 में और अति-उन्नत विशेषज्ञताओं के सम्बन्ध में
तालिका-14 में किया गया है।

9. सह-प्रोफेसर के पद के लिए चार शोध पत्नी और प्रोफेसर के पद के लिए आठ शोध पत्नी के प्रकासन की अपेक्षा बांछनीय अहता होगी।

स्वीषद्ध हुए हीं।

त्तर अर्हता।

(1) विषय में अपेक्षित मान्यवाप्राप्त स्नातको=

तालिका–[∐] अ**पेक्षितः विश्लोष सैक्षिक अर्हताएं और सिक्षण[अनुतंधान अनुभव**

अभेकित विश्लेष मैकिक अर्हताएं और क्षिकप्प अनुसंधान अनुभव				
(4)	मैक्सिक अर्हताएं	शिक्षण/जनुसंख्या कर्तुसक		
1	2	31		
प्र धानायाम् विक् तिकेशक चिकितस्य संस्थान	मान्यताप्रस्ता स्नातकोत्तर आयुविज्ञाम अहैता और किसी मान्यताप्राप्त संस्थान से अन्य शैक्षिक अर्हुताओं सहित किसी कालेज में प्रोफेसड/सह-प्रोफेसर/रीडर के रूप में न्यूनतम दस वर्ष का शिक्षण अनुभव हो जिसमें से न्यूक्सम पाक वर्ष का अनुभव किसी विभाग में श्रोकेसर के रूप में हो। इन नियुक्तियों के लिए विभागसक्ष्यकों को वरीयता दी जाए।			
निवेशक/चिकित्सा अधीशक, सं पद्ध विकाम अक्ष्यक्त	किसी मान्यताप्राप्त संस्थान से मान्यताप्राप्त स्नातकोत्तर अवधुविज्ञान अर्हता तथा दस वर्ध का प्रकासनिक अनुभव ।			
•	शरीर दचना विज्ञान			
(क) प्रोफेसर	ग्रास्थ विकात निष्णात (गरीर-रवना निजात)/ आयुविज्ञान वाचस्पति (गरीर-रवना विज्ञान)/ विकान निष्णातः (गरीर-रवना विज्ञान) सहित अनुविकान तथा गरुय-विज्ञान स्नातन/विद्याः वाचस्पति (पी० एच० डी०) आयुविज्ञान गरीर-रचना विज्ञान सहित विज्ञान निष्णात (आयुविज्ञान गरीर-रचना विज्ञान वाचस्पति (आयुविज्ञान गरीर-रचना विज्ञान वाचस्पति (आयुविज्ञान गरीर-रचना विज्ञान) सहित विज्ञान निष्णात (आयुविज्ञान गरीर-रचना विज्ञान)।	(1) किती मत्यताप्राप्त आस्मुक्तिसानः कालेकः में शरीर-रचना विज्ञान में रीवर/सह-प्रोफेनर के रून में चार वर्ष का अनुभव। व्यंखनीयः (2) इन्डेक्स मेडिक्सस-राष्ट्रीय अर्काल में कम-से-कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय अर्नाल में एक शोध प्रकाशन स्वांबद हुआ। हो।		
(क) रीडशेलहम्मोजे सर	थही	(1) किसी मान्यतात्राप्त आयुर्विज्ञाम मालेण में गरीए-रचना विज्ञान में सहायक प्रोफीसर व्याख्याता के रूप में पाच वर्ष का अनुभव ।		
		विक्रिगीय		
		(2) ब्रन्डेंग्स मेकिसः/धान्याम जर्नस में कमध्ये कम चार गाँवि प्रकाशन		

⊸वही---

(म')ः संयुक्तमक प्रो**नोत्तप्रकारका**ताः

(2) किसी मान्यताप्राप्त आयुविज्ञान कालेज ंमें विषय में रेजिडेंट/रजिस्ट्रार/निर्दशक अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्षका शिक्षण अमुभव । (घ) अनुधिक्षक/ आयुर्विज्ञान तथा शस्य-विज्ञान स्नातक/गैर-निर्दशक/ चिकित्सा व्यक्तियों के लिए विज्ञान रेजिडेंट/ निष्णात (आयुर्विज्ञान गरीर-रचना विज्ञान) रजिस्ट्रार णरीर-त्रिया विज्ञान (1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज (क) प्रोफेसर आयुर्विज्ञान वाचरपति (शरीर-क्रिया विज्ञान)/ में गरीर-क्रिया विज्ञान में रीडर/सह-विज्ञान निष्णात (शरीर-क्रिया विज्ञान) सहित प्रोफेसर के इत्पर्मे चार वर्ष का असुभव। आयुर्विज्ञान तथा शस्य-विज्ञान स्नातक/विद्याः वाचस्पति (पी०एच०डी०) (आयुर्विज्ञाम शरीर क्रिया विज्ञान) सहित विज्ञान निष्णात र्वाष्ठनीय (2) इन्डेक्स में डिकस/राष्ट्रीय जर्मल में कम (अ(युर्विज्ञान शरीर-क्रिया विज्ञान) विज्ञान/ से कम चार शोध प्रकाशन और वाचस्पति (आयुर्विज्ञान शरीर-क्रिया विज्ञान) सहित विज्ञान निष्णात (आयुविज्ञान शरीर-क्रिया अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन विज्ञान)। सूचीबद्ध हुआ हो। ख) रीजर/सह-प्रोफेसर -**व**ही-(1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में गरीर किया विज्ञान में सहायक प्रोफेसर/ व्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनु**भष** : वांछनीय (1) इन्डेक्स मेडिकस/राष्ट्रीय जर्मल में कम सैं=कम चार शोध प्रकाशन सुचीवद्ध इए हों। (1) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नातकोत्तर (ग) सहायक प्रोकेसर/ब्यास्याता -वही-अर्हता । (2) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेण में विषच में रेजिडेन्ट/रजिस्ट्रार/ निर्देशक/ अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्षका शिक्षण अन्भव । आयुर्विज्ञान तथा शस्य विज्ञान स्नासक/गंर-(घ) अमुशिक्षक/निर्देशक/रेजिङ्ग्ट_/ चिकित्सा व्यक्तियों के लिए विज्ञान निष्णात रिजस्ट्रार (आयुर्विज्ञान शरीर किया विज्ञान) जीव-रसायन आर्युविज्ञान वाचस्पति (जीव-रसायन)/विज्ञान (1) किसी मान्यताप्राप्त आयुविज्ञान कालेज (क) प्रोफेसर में जीब-रसायन में रीडर/सह-प्रोफेसर निष्णात (आयुर्विज्ञान जीव-रसायन) सहित के रूप में चार वर्षका अनुभव । आयुर्विज्ञान तथा शस्य-विज्ञान स्नातक/विद्या 5-359GI/98

णिक्षण अनुभव ।

1 2	3	4
,	वासस्पति (आर्युविज्ञान जीव-रसायन) सहित विज्ञान निष्णात) जीव/रसायन विज्ञान बाचस्पति (आयुर्विज्ञान जीव-रसायन) सहित विज्ञान निष्णात (आयुर्विज्ञान जीव-रसायन)	वांछनीय (1) बन्डेक्स मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम- से-कम चार गोध प्रकाशन और अस्तर्राष्ट्रीय जर्नल में एक गोध प्रकाशन
(ख) रीडर/सह-प्रोफेसर	-वही -	सूचीय छुआ हो। (1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में जीव रसायन में सहायक प्रोफेसर/ क्याद्यासा के रूप में पांच वर्ष का अनुभव। वांठनीय (1) इन्डेक्स मेडिकस / राष्ट्रीय जर्नल में कम-
• • • • • •		मे-कम चार शोध प्रकाशन सूची ^ब द्ध
(ग) सहायक प्रोफेसर	-व ही −	हुए हों। (1) विषय में अपेक्षित मान्यसाप्राप्त स्नातको- सर अईता। (2) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज
		में, विषय में, रेजिडेंट/रजिस्ट्रार/निर्देशक अमुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव ।
(ष) अनुशिक्ष ग्र/निवर्शक/रेजिश्वेट/ रजिस्ट्रार	आयुर्विज्ञान तथा शब्य विज्ञान स्नातक/गैर- चिकित्सा व्यक्तियों के लिए विज्ञान निष्णात (आयुर्विज्ञान जीव-रसायन)। जीव-भौतिकी	
(क) प्रोफेसर	आयुर्विज्ञान वाचस्पति (जीव-भौतिकी) / विद्या वाचस्पति (जीव-भौतिकी) सहित विज्ञान निष्णाद (जीव-भौतिकी अथवा आयुर्विज्ञान जीव-स्सायन) जीव भौतिकी में एक वर्ष के	(1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विकाम कालेज में जीव भौतिकी में रीडर/सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव। वांछनीय
	प्रशिक्षण सिंहत आर्युविज्ञान वाचस्पति (गरीर क्रिया विज्ञान अथवा आर्युविज्ञान वाचस्पति (जीव-रसायन)	(1) इन्डेक्स/मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम से कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन
(ख) रीडर/सह-प्रोफेसर	वेही	ं सूचीबद्ध हुआ हो। (1) किसी मान्यताप्राप्त आयुविज्ञान कालेज में जीव भौतिकी में सहायक प्रोफेसर/
533 To 1		ब्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनुभ य ा
		वांछनीय (1) इन्डेक्स मि डिक स/राष्ट्रीय जर्नल में कम से कम चार शोध प्रकाशन सूचीबद्ध
(ग) सहायक प्रोकेसर/ध्याख्याता	- व ही	हुउ हो । (1) विषय में अपेक्षित मान्यताशाःस स्मातकोत्तर अर्हता ।
to significant		(2) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में, विषय में, रेजिडेंट/रजिस्ट्रार/निर्वशक/
A CONTRACTOR OF THE STATE OF TH	•	अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का

1	2	3	4
	अनुषाक्षक/मिर्दशक/रेजिङेट रजिस्ट्रार	आयुधिकाम तथा शस्य विकास स्मासक/गैर- चिकित्सा व्यवितयों के लिए विकास निष्णाः (जीव-भौतिकी अथवा आयुचिकाम जीव रसायन ।	त
		भेषजगुण विज्ञान (फार्माकालोजी)	
(ক)	प्रोफेंसर	आयुर्विज्ञान वाचस्पति (भेषजगुण विज्ञान) विद्या वाचस्पति (आयुर्विज्ञान भेषजगुण विज्ञान) सहित आयुर्विज्ञान तथा गस्य विज्ञान स्तातक/विद्या वाचस्पति (आयुर्विज्ञान भेषजगुण विज्ञान) सहित	 (i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में भेषजगुण विज्ञान में रीडर/सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव ।
,		विज्ञान निष्णात (आयुर्विज्ञान भेषजगुण विज्ञान) / विज्ञान वाश्वस्पति (आयुर्विज्ञान भेषजगुण विज्ञान) सहिताधिज्ञान निष्णात (आयुर्विज्ञान भेषजगुण	
		निज्ञान) ।	वांछनीय
			(ii) इन्डेक्स मेडिकल/राष्ट्रीय जर्मल में कम- मे-कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्मल में एक शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुआ हो।
(a)	रीडर/सह-प्रोफेसर	 वही	(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विभाम कालेज में भेषजगुण विकान में सहायक प्रोफेसर/क्याख्यासा के रूप में पांच वर्ष का अनुभव।
			वां छ नीय
			(ii) इन्टेक्स मेडिकल/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से- कम चार शोध प्रकाशन सूचीवद्ध हुए हों ।
(ग)	सह्यक प्रोफेसर/ब्याख्याता		(i) विषय में ओक्षित मान्यताप्राप्त स्नात- कोत्तर आईता ।
			(ii) किसी मान्यताप्राप्त अम्युविकान कालेज में विषय में, रेजिटेन्ट/रजिस्ट्रार/निक्संक/अनु- शिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव।
(चः)	. च्याचयरता, भेवजिकः रसामन	विकान निष्णातः (भेषिकतः दशायम)	ं (i) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्वातको- र तद अर्हता ।
			(ii) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में, विषय में, रेजिटेन्ट/रजिस्ट्रार/मिदर्शक/अमु श्रिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव।
(₽)	अनुशिक्षक्ष/निदशक्ष/रेजिडम्ट/ रजिस्ट्रा र	आर्युनिकान तथा ग्रह्य विकास स्नातक/गैर. चिकित्सा व्यक्तियों के लिए विकास निष्णात (आयुविकास व्यक्तियों) विकास) ।	

5...

1 2

4

4

विकृति विज्ञान

(क) प्रोफेसर

आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकृति विज्ञान)/विद्या वाचस्पति (विकृति विज्ञान)/विज्ञान वाचस्पति (विकृति विज्ञान) (i) किसी मान्यसाप्राप्त आयुधिकान कालेज में विक्रांति विज्ञान में रीडर/सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव ।

बाछनीय

- (ii) इन्डेक्स मैडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-कम चार शोध प्रकाणन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाणन सूचीबद्ध हुआ हो ।
- (i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में विकृति विज्ञान में सहायक प्राफेसर/क्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनुभव ।

वांछनीय

- (ii) इन्डेक्स मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से-कम चार शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए हों।
- (i) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नात-कोत्तर अर्हुता ।
- (ii) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में, विषय में, रेजिटेन्ट/रजिस्ट्रार/निवर्शक/अनु-शिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव ।

(ख) रीडर/सह-प्रोफेसर

⊸∽वही⊸⊸

(ग) सहायक प्रोफेसर/व्यास्याता

---पही---

(च) अनुशिक्षकं/
निवर्धकं/
रेजिडेन्ट/
रेजिटेन्ट विकृति
विज्ञानी/रजिस्ट्रार/
रोगलक्षण विकृति
विज्ञानी

आयुर्विज्ञान तथा शस्य विज्ञान स्नातक

सु्∉म जीव-विज्ञान

(क) प्रोफसर

आयुर्विज्ञान वाचस्पति (जीवाणु-विज्ञान)/आयुर्विज्ञान वाचस्पति (स्थम जीव विज्ञान/(विज्ञान निष्णात (आयुर्विज्ञान जीवाणु विज्ञान)/विज्ञान निष्णात (आयुर्विज्ञान स्थमजीव विज्ञान) सहित आयुर्विज्ञान तथा मस्य विज्ञान स्नातक/विद्या वाचस्पति (आयुर्विज्ञान जीवाणु विज्ञान)/विद्या वाचस्पति (आयुर्विज्ञान जीवाणु विज्ञान) सहित । विज्ञान निष्णात (आयुर्विज्ञान जीवाणु विज्ञान)/विज्ञान वाचस्पति (आयुर्विज्ञान जीवाणु विज्ञान)/सिज्ञान वाचस्पति (आयुर्विज्ञान जीवाणु विज्ञान) सहित विज्ञान निष्णात (आयुर्विज्ञान जीवाणु विज्ञान) सिहत विज्ञान निष्णात (आयुर्विज्ञान जीवाणु विज्ञान)/विद्या वाचस्पति (आयुर्विज्ञान स्थमजीव विज्ञान)/विद्या वाचस्पति (आयुर्विज्ञान स्थमजीव विज्ञान)

(i) किसी मानयताप्राप्त आयुक्तिज्ञान कालेज में सूक्ष्मजीव विज्ञान में रीडर/सह-प्रोफेसर के रूप में चारवर्ष का अनुभव ।

वांछनीय

(i) इन्डेक्स मेडिकम/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से-कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्मल में एक शोध प्रकाशन सुचीवद्व हुआ हो ।

1	2	3	4
-		सहित विज्ञान निष्णात (आयुर्विज्ञान सुक्ष्मजीव विज्ञाम)/विज्ञान वाश्वस्पति (आयुर्विज्ञान सुक्ष्मजीव विज्ञान) सहित विज्ञान निष्णात (आयुर्विज्ञाम सूक्ष्मजीय विज्ञान)	
(87)	रीडर/सह-प्रोफेसर	ब ही	(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुविज्ञान कालेज में सूक्ष्मजीव विज्ञान में सहायक प्रोफेसर/ व्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनुभव। वाछनीय
			(ii) इन्डैकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम से कम जार शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए हों।
(ग)	सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता	वही	(i) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नात- कोत्तर अर्हता।
,			(ii) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में विषय में रेजिक्टेंट/रजिस्ट्रार/निवर्शक अनु- शिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव।
(町)	अनुशिक्षक/निषरीक/रेजिडेन्ट/ रजिस्ट्रार/क्लीनिकल विकृति विज्ञामी	आयुर्विज्ञान तथा शस्य विज्ञान स्नातक/गैर चिकित्स व्यक्तियों के लिये विज्ञान निष्णात (आयु- विज्ञान सुक्ष्मजीव विज्ञान)	रा
		समुदाय आयुनिज्ञान	
(事)	प्रोफसर	आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सामाजिक तया निरोधक आयुर्विज्ञान)/आयुर्विज्ञान वाचस्पति (समुदाय आयुर्विज्ञान)	(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में समुदाय आयुर्विज्ञान/सामाजिक तथा निरोधक आयुर्विज्ञान में रीडर/सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्षे का अनुभव। बांछनीय
		,	(ii) इन्डेक्स मेडिकस/राष्ट्रीय जर्मल में कमः से कम चार गोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्मल में एक शोध प्रकाशम सूचीबद्ध हुआ हो।
(অ)	रीडर सह-प्रोफेसर	वही -	(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में समुदाय आयुर्विज्ञान/सामाजिक तथा निरोधक आयुर्विज्ञान में सहायक प्रोफसर/व्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अमुभव ।
			र्वाछनीय
			(ii) इन्डेक्स मेडिक्स/राष्ट्रीय जर्मल में कम से क्षम चार शोध प्रकाशम सूचीबद्ध हुए हों।
(π)	सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता	- बही	(i) विषय में अपेक्षित ^{्र} मान्यताप्राप्त स्नात- कोत्तर अ <mark>र्हता</mark> ।
· ·	·		(ii) किसी माग्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान ∤कालेज में विषय में रेजिङ्ग्ट/रजिस्ट्रार/निदर्शक/अनु- शिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव।

1 2	3	4
(घ) व्याख्याता. सांख्यिकी	विज्ञान निष्णास [ः] (सां चित्रकी)	ं (i) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नात- कोसर अर्हता।
		(ii) किसी मान्यक्षाप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में विषय में रेजिङेन्ट/रजिस्ट्रार/निवर्शन/अनु- शिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव।
(ङ) अनुषिक्षक/निदर्शक/रेजिङेन्ट/ रजिस्ट्रार/जानपदिक रोग विज्ञानी/ स्वास्थ्य अधिकारी	आयुर्विज्ञान तथा शल्य विज्ञान स्मातक	
	न्याय वैद्यक जायुर्विज्ञास	
(क) प्रोफेसर	आर्युविज्ञान वाचस्पित (त्याय वैद्यक आयुर्विज्ञान)	(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में न्याय वैद्यक आयुर्विज्ञान में रीडर/सह- प्रोफोसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव। वांछनीय
		(ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम से कम चार गोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सुचीवश हुआ हो।
(ख) रीवर/सह-प्रोफेसर	वाही 	(i) मान्यताप्राप्त आयुविज्ञाम कालेज में न्याय वैद्यक आयुविज्ञाम में सहायक प्रोफेसर/ व्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनुभव। वाक्टनीय
		(ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम से कम चार शोध प्रकाशन सुचीबद्ध हुए हों।
(ग) तहायक प्रोफेसर/न्याव्याता	⁻ वही	 (i) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नात- कोसर अर्हता।
		(ii) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विशान कालेज में, विषय में, रेजिडेन्ट/रजिस्ट्रार/निदर्शक/ अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव।
(भ) अनुषिक्षक/निदर्शक/रेजिडेस्ड/ रजिस्ट्रार/अत्याष्ट्रत चिकिस्सा अधिकारी/रेजिडेस्ट विकृति विज्ञा	अप्युविज्ञाम तथा शस्य विज्ञाम स्नातक	
The second section of the second	 सामान्य आयु चिका न	
(क) प्रोपेसर	आर्युविज्ञान वाचस्पति (आर्युविज्ञान)/ (आर्युविज्ञान वाचस्पति) (सामान्य आर्युविज्ञान)	(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञाम कालेज में सामान्य आयुर्विज्ञान/आयुर्विज्ञान में रीडर/ सह-प्रोफसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव।
		्वांछनीय
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		(ii) इन्हेशस महिकस/राष्ट्रीय विजर्नल में कम से कम चारशोध प्रकाशन और अन्त- राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सुवीवद हुआ हो।

1 2	3	4
(ख) रीडर/सह-प्रोफेसर	आयृविज्ञान वाचस्पति (आयुविज्ञाम)/आयुविज्ञान वाचस्पति (सामान्य आयुविज्ञाम)	(1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में सामान्य आयुर्विज्ञान/आयुर्विज्ञान में सहायक प्रोफेसर/ब्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनुभव।
		वांछनीय (^{II}) इनडेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम से कम चारशोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए हों।
(ग) सहायक प्रोफेसर/व्यास्पाता	⊸वही⊶	 (1) विषय ृमें अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्वात- कोत्तर अर्हता।
		(II) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में, विषय में रेजिडेन्ट/रजिस्ट्रार/निवर्शक/अनु णिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव ।
(भ) अनुभाक्षकं निवर्यका रेजिङेण्ड रिजस्ट्रार	आयुर्विज्ञान तथा शस्य विज्ञान स्वातक	,
	सामान्य शस्य विज्ञान	•
(क) प्रोफेसर	शस्य विज्ञान निष्णात (शस्य विज्ञान/शस्य विज्ञान निष्णात (सामान्य शस्य विज्ञान)	(1) किसी मान्यसाप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में सामान्य शस्य विज्ञान/शस्य विज्ञान में रीडर/सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव। वाछनीय
	,	(II) इल्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम । से-कम चार शोध प्रकाशन और अल्लर्राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुआ हो।
(ख) रीडर/सद्द-प्रोक्सर	-वही	(I) किसी मान्यसाप्राप्त आयुर्विज्ञाम कालेप में सामान्य शस्य विज्ञान/शस्य विज्ञान में सहायम प्रोफेसर/व्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनुभव। वाछनीय
	. *	(II) इन्डेक्स मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम- से-कम चार गोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए हों।
(ग) सहायक प्रोकेसर/व्याख्याता	वही -	(I) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नातः कोत्तर अर्हता।
		(II) किसी मान्यताप्राप्त आयुविकान कालेज में विषय में रेजिडेन्ट/रिजिस्ट्रार/निदर्शक/अनु- शिक्षक के रूप में सीन वर्ष का शिक्षण अनुभव।
(घ) अमुशिक्षक/मिवर्शक/रेजिडन्ट/ रजिस्ट्रार	आयुर्विज्ञाम तथा गस्य विज्ञान स्नातक	

	1 2	3	4
.		प्रसूति विज्ञान एवं स्त्री रोग विज्ञान	
(有)	प्रोकेसर	आयुर्विज्ञान वाचस्पति (प्रसूति विज्ञान एवं)स्त्री	(1) किसी मान्यताप्राप्त आयुविज्ञान कालेज
		रोग विज्ञान)/शस्य विज्ञान निष्णात (प्रसूति	में प्रसूति विज्ञान एवंस्त्री रोग विज्ञान मे
		विज्ञान एवं स्त्री रोग विज्ञान)	्र रीडर/सह-प्रोकेसर के रूप में चार वर्ष का
		,	अनुभव ।
			बांळनीय
			(II) इन्डैक्स मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-
-			से-कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय
			जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुआ
a -7	_		हो।
(खा)	रीड र/सह-प्रोफेसर	–व ही <i>–</i> -	 (1) किमी मान्यताप्राप्त आयुविज्ञान कालेज
(-)	4		में प्रसूति विज्ञान एवं स्त्री [°] रोग विज्ञान में
	•		सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता के रूप में पांच
, ',	,		वर्षका अन्भव।
			वांछनीय
			(II) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम से
			कम चार शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए हों।
(ग)	सहायक-प्रोफेसर/ब्याख्याता	वर्ष्टी	(I) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नास-
(')		•	कोत्तर अर्हता ।
			(II) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विकान कालेज
			में विषय में रेजिडेन्ट/रजिस्ट्रार/निवर्णक
			अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण
			अनुभव ।
	भमुणिक्षक/निवर्णक/रेजिडेग्ट/ रजिस्ट्रार	आयुर्विज्ञान तथा गल्य विज्ञान स्मातक	•
·.	,	बाल चिकित्सा विज्ञान	
(事)	प्रोफेसर	आयुर्विज्ञान वाचस्पति	(1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज
` '		(बाल विकित्सा विज्ञान)	में बाल चिकित्सा विज्ञान में रीडर/सह-प्रोफेसर
		,	के रूप में चार वर्ष का अनुभव।
			वांछनीय
	,	•	(II) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल मैं
			कम-से-कम चार शोध प्रकाशन और अन्त-
			राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीबद
			तुआ हो।
(ৰ)	रीडर/सह-प्रोफेसर	–वही -–	(Î) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज
(' /		•	में बाल चिकित्सा विज्ञान में सहायक प्रोफैसर/
-			व्याख्याता के रूप में पांच वर्षका अनुभव।
			वांछनीय
	•		(II) इन्डेक्स मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-
			से-कम चार शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए हों।
(ग)	सहायक/प्रोफेसर व्याख्याता	-वही-	(I) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नातक-
`''		*	भोत्तर अर्हता ।
			 (II) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज
			में विषय में रेजिडन्ट/रजिस्ट्रार/निदर्श क /
			अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण
			अनुभव ।
(ঘ)	अनुशिक्षक /निवर्शक/रेजिडेस्ट/	आयुर्विज्ञान तथा शस्य विज्ञान स्नातक	-
1 /	रजिस्ट्रार	=	The state of the s

11	2	3
	यक्सा एवं श्वसन रोग	
(क) त्रोफेसर	आयुर्विज्ञान वाचस्पति (यक्ष्मा) आयुर्विज्ञान बाचस्पति (यक्ष्मा एवं श्वसन रोग) यक्ष्मा रोग डिप्लोमा (टी०डी०डी०) डिप्लोमा यक्ष्मा–रोग	 (i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालज में यक्ष्मा एवं श्वसन रोग में रीडर/सह- प्रोकेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव। वांछनीय
	(डी॰टी॰डी॰) अथवा यक्ष्मा एवं वक्षरोग डिप्लो- मा (डी॰ टी॰ सी॰डी॰) सहित आयुर्विज्ञान वाजस्पति (अम्युर्विज्ञान)/आयुर्विज्ञान वाजस्पति) (यक्ष्मा एवं वक्षरोग)।	(ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राब्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीबढ़ हुआ हो।
(च) रीडर/सहप्रोक्षेसर	~- ब ही∸-	(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालज में यक्ष्माएवं स्वसन रोग में सहायक प्रोक्तेसर/ व्याक्रयाता के रूप मैं पांच वर्ष का अनुभव। बांछनीय
		(ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कज-से→कन चार शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए होंा
(मं) 'सह्यक प्रोकेतर्वकासन		(i) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नात- नोत्तर अर्हता।
		(ii) किसी मान्यताप्राप्त आयुविज्ञान कालेज में विषय मैं रिअडेन्ट/रिजस्ट्रार/निवर्शक/ अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव।
(व) अनुशिक्षक/निदर्शक/रेजिडेन्ट/रिज	स्ट्राम् अस्मृविकास तथा शस्य विकान स्नातक ।	·
	मनोश्विकार चिकिस्सा	
(क) मोक्षर	आधुनिकान वाचस्पति (मनोविकार चिकित्सा)/ आधुनिकान वाचस्पति (मनोविकान) संबंधी आधुनिकान)/मनोविकान संबंधी आधुर्विकान में डिप्लोमा सहित आधुविकान वाचस्पति	में मनोविकार चिकित्सा मैं रोडर/सह–प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव।
(क) मोक्सर	आर्ग्नेजिज्ञाम वाचरपति (मनोविज्ञान) संबंधी	में मनोविकार चिकित्सा मैं रोडर/सह-प्रोक्तेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव। बोछनीय (ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय अर्नेल में कन-से-
(क) मोकेसर (क) पीकेस्पसह-प्रोजेलग	आर्गुजिज्ञान वाचरपति (मनोविज्ञान) संबंधी आर्युजिज्ञान)/मनोविज्ञान संबंधी आर्युविज्ञान में डिप्लोमा सहित आर्युविज्ञान वाचस्पति	में मनोविकार चिकित्सा मैं रोडर/सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव। वांछनीय (ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्मेल में काम-से- कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्मेल में एक शोध प्रकाशन स्विबद्ध हुआ हो। (i) कि ती मान्यताप्रास्त आयुर्विज्ञान कालेज
	आर्गुजिज्ञान वाचस्पति (मनोविज्ञान) संबंधी आर्गुजिज्ञान)/मनोविज्ञान संबंधी आर्गुविज्ञान में डिप्लोमा सहित आर्गुविज्ञान वाचस्पति (आर्गुविज्ञान)	में मनोविकार चिकित्सा मैं रोडर/सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव। वांछनीय (ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्मेल में कान-से- कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्मेल में एक शोध प्रकाशन सूचिबद्ध हुआ हो। (i) कि ती मान्यताप्राप्त आयुविज्ञान कालेज मे मनोविकार चिकित्सा में सहायक प्रोक्तेसर/ व्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनुभव। वांछनीय
(खकेः 'गीकर∤सहप्रोक्तेल ग	आर्गुजिज्ञान वाचस्पति (मनोविज्ञान) संबंधी आर्गुजिज्ञान)/मनोविज्ञान संबंधी आर्गुविज्ञान में डिप्लोमा सहित आर्गुविज्ञान वाचस्पति (आर्गुविज्ञान)	में मनोविकार चिकित्सा मैं रीडर/सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव। वांछनीय (ii) इन्डेकस मेडिक्स/राष्ट्रीय अर्गेल में काम-से- कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय अर्गेल में एक शोध प्रकाशन सूचिबद्ध हुआ हो। (i) कि ती मान्यताप्राप्त आयुविज्ञान कालेज मे मनोविकार चिकित्सा में सहायक प्रोक्तेसर/ व्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनुभव। वांछनीय (ii) इन्डेक्स मेडिक्स/राष्ट्रीय अर्गेल मैं कम- से-कम चार शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए हों।
	आर्गुजिज्ञान वाचस्पति (मनोविज्ञान) संबंधी आर्गुजिज्ञान) मनोविज्ञान संबंधी आर्गुविज्ञान में डिप्लोमा सहित आर्गुविज्ञान वाचस्पति (आर्गुविज्ञान)वही	वाछनीय (ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नेल में कान-से-कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नेल में एक शोध प्रकाशन सूचियदा हुआ हो। (i) किती मान्यताप्राप्त आयुविज्ञान कालेज मे मनोविकार चिकित्सा में सहायक प्रोकेसर/व्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनुभव। वांछनीय (ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नेल में कम-से-कम चार शोध प्रकाशन सूवीयदा हुए हों। (i) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्वानकोत्तर

टिप्पणी : मनोविकार चिकित्सा ने 31 मई, 1997 के पश्चात् की जाने वाली सभी शिक्षण नियुक्तियों **के** लि**ए सभी अभ्यर्थी मनोविकार** चिकित्सा में आयुर्विज्ञान वाचस्पति के डिग्रीधारक होने चाहिए और उसके बाद मनोविज्ञान संबंधी डिप्लोमा (पाठ्यक्रम की अवधि चाहे जो भी हो) ऐसी नियुन्तियों के पान नहीं होंगे।

बगतें कि नियमित शिक्षण पदधारी मौजूदा अध्यापक जिनकी नियक्ति आरम्भ में 2 वर्ष की अविध के ममोविज्ञान आयिक्जान डिप्लोमा के आधार पर की गई थी उनके मामलों में उच्चतर नियक्तियों के लिए मनोविकार चिकित्सा में आय**िकान वाप-**स्पति की डिग्री होने की अपक्षाएं लाग नहीं होंगी।

1

2

त्वचा विज्ञान, रतिज रोग विज्ञान एवं कष्ठ

(क) प्रोफेसर

आय्विज्ञान वाचस्पति (त्वचा विज्ञान एवं रतिज रोग विज्ञान)/आयुर्विज्ञान वाचस्पति (त्वचा विज्ञान, रतिज रोग विज्ञान एवं कृष्ठ) आयुर्विज्ञान)/वाचस्पति (त्वचा विज्ञान) आयु-विज्ञान बाचस्पति (रतिज्ञाग रोग विज्ञान सहित त्वचा विज्ञान)/ आयुर्विज्ञान वाचस्पति (रतिज≟ रोग विज्ञान/कृष्ठ सहित त्वचा विज्ञान)/रतिजरोग विज्ञान एवं त्वचा विज्ञान डिप्लोमा/त्वचा विज्ञान सहित आयुर्विज्ञान वाचस्पति (आयुर्विज्ञान) ।

(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में त्वचा विज्ञान एवं रतिज रोग विज्ञान/कृष्ठ में री डर/सह-प्रोफेसर के रूप में चार पर्ष का अनुभवा।

(ख) रीडर/सह~प्रोफेसर

---वही---

वाछनीय

- (i) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्मल में कम-से-कम चार शोध प्रकाशन और अन्त र्राष्ट्रीय जर्नेल में एक शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुआ हो।
- (i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में त्वचा विज्ञान एवं रतिज रोग विज्ञान/कृष्ठ में सहायक प्रोफेसर/ब्याख्याता के रूप में पांच वर्षका अनुभव ।

वांछनीय

अर्हता ।

अनुभव ।

- (i) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नेल में कम-से-कम चार शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए
- (i) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नातकोत्तर
- (ii) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में, विषय में, रेजिडेन्ट/रजिस्ट्रार/निवर्शक/ अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण

(ग) सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता

(च) अनुशिक्षक/निदर्शक/रेजिङेन्ट/ आयुर्विज्ञान तथा शस्य विज्ञान स्नातक रजिस्ट्रार ।

[▼]पाद टिप्पणी : जहां रतिजरोग विज्ञान और त्वचा विज्ञान विभाग अलग–अलग हैं वहां रतिजरोग विज्ञान और त्वचा विज्ञान के पृथक विभागों में निम्नलिखित अर्हता अपेक्षित होंगी :---

 रतिजरोग विज्ञान के लिए	त्वचा विज्ञान के लिए
आयुर्विज्ञान वाचस्पति (रतिजरोग विज्ञान)/ आयुर्विज्ञान वाचस्पति(त्वचा विज्ञान और रतिजरोग विज्ञान) रतिजगोग डिप्लोमा सहित आयुर्विज्ञान वाचस्पति (आयुर्विज्ञान)	

3 अस्थि-रोग विज्ञान गल्प विज्ञान निष्णात (अस्थिरीग विज्ञान) (i) किसी मान्यत प्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज (क) प्रोफेसर में अस्थि रोग विज्ञान में री**डर/सह-प्रोफेसर के** रूप में चार वर्ष का अनुभव । वांछनीय (ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से-कम चार शोध प्रकाशन और अन्तद्रष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीयद हुआ हो । (i) किसी मान्यता प्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज (ख) रीडर/सह-प्रोफेसर .वही---में अस्थि रोग विज्ञान में सहायक प्रोफेसर/ व्याख्यात के रूप में पांच वर्ष का अनुभव। वांछनीय (ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नेल में कम-से-कम चार मोध प्रकाशन सूचीबद हुए हों। (i) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नात-(ग) सहायक प्रोफेसर/ब्याख्याता कोत्तर अईता। (ii) किसी मान्यताप्राप्त आयु**विज्ञान कालेज** में विषय में, रेजिडन्ट/रजिस्ट्रार/निवर्णक/ अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव । आयुर्विज्ञान तथा शल्य विज्ञान स्नातक (घ) अनुशिक्षक/निवर्शक/रेजिडेन्ट/ रजिस्ट्रार संज्ञाहरण विज्ञान (i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में 🕆 आयुर्विज्ञान वाचस्पति (संज्ञाहरण विज्ञान)/शल्य (有) प्रोफेसर संज्ञाहरण विज्ञान में रीडर/सह-प्रोफेसर के **रूप** विज्ञान निष्णात (संज्ञाहरण विज्ञान). में चार वर्ष का अनुभव । वांछनीय (ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से कमचार शोध प्रकाशन और अन्तर्राद्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीबद हुआ (i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज मे रीकर/सह-प्रोफेसर संज्ञाहरण विज्ञान में सहायक प्रोफेसर/ब्याख्याता के रूप में पांच वर्षका अनुभव । वांछनीय (ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से कम चार शोध प्रकाशन सूचीवद हुए हो । (i) विषय में अरेक्षित मान्यताप्राप्त स्नातकोक्तर (ग) सहायक प्रोकेसर/व्याख्याता अर्हता । (iı) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञाम कालेख में विषय में, रेजिडेन्ट/रजिस्ट्रार/निटर्णक/अन् किसक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनभाव । अनुशिक्षक/निवर्शक,रेजिडेन्ट/ आयुर्विज्ञान सथा शस्य विज्ञान स्नातक रजिस्द्वार

1	2	-3
	विकिरण निदान	
क) प्रोकेनर	अधुर्तिज्ञान वाचस्पति (विकिरण-निदान)/आयु- यिज्ञान वाचस्पति (विकिरण विज्ञान)/शस्य विज्ञान निष्णात (विकिरण विज्ञान)	(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में विकिरण निदान/विकिरण विज्ञान में रीडर/ सह-प्रोफ्सेसर के रूप चार वर्ष का अनुभव ।
ख) री ड र/सह-प्रोफेसर	यही	वांछनीय (ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से-कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुआ हो । (i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान क्रस्कोज में विकिरण निदान/विकिरण विज्ञाम में सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का
		अनुभवं। वाछनीय (ⁱ i) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से कम चार शोध-प्रकाशन स्क्रीबद्ध-हुए-हों।
ग) सहायक प्रोक्सर/व्याख्याता	-व ही	 (i) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नातकोत्तः अर्हता । (ii) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज ने विषय में रेजिडन्ट/रिजस्ट्रार/निदर्शक/अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षक अनुभव ।
(घ) अनुशिक्षक/निदर्शक/रेजिङेन्ट रजिस्ट्रार	आयुर्विज्ञान तथा शस्य विज्ञान स्नातक	Ğ
•	विकिरण-चिकिस्सा	
(क) प्रोफेसर	आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकिरणर्शत्रकित्सा) आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकिरणक्षिज्ञान) गरुय विज्ञान निष्णात (विकिरण-विज्ञान)	(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञाम कालेज के विकिरण चिकित्सा/विकिरण-विज्ञान में तीड़क सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव वाछनीय
(ख) रीडर/सह-प्रोफेसेर	वहीं	(ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से-क चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नन में एक शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुआ हो। (i) किसी मान्यताप्राप्त आयुविज्ञान कालेज विकरण-चिकित्सा/विकित्सा क्रिक्सन में सहस्र्य प्रोकेसर/क्याख्याता के रूप में पांच वर्ष ब अनुभव।
(ग) महायक प्रोफेसर/ब्याख्याता	- वही	वाछनीय (ii) इन्डेक्स मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-रे कम चार शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए हों। (i) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नातकोत अर्हता।
		 (ii) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेण विषय में, रेजिडेन्ट/रिजस्ट्रार/निवर्णक/अनुशिक्ष के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव

टिप्पणी : जहां कहीं विकिरण विज्ञान संयुक्त विभाग के रूप में है उसे इन विनियमों के प्रकाशन की तारीख से पांच वर्ष के अन्वर विकिरण-निवान और विकिरण-विकित्सा विज्ञागों में द्विभाजित कर दिया जाए ।

1	2	3
	कर्ण -नासा-कंट	र्विज्ञान
(क) प्रोफेसर	णल्य विज्ञान निष्णात (कर्ण-नासा-कंठ विज्ञान)	(1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में कर्ण-नासा-कंट विज्ञान में रीडर/सह-प्रोप्सेर के रूप में चार वर्ष का अनुभव । वांछनीय (2) इन्डेक्स मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नक में कम-से-
(ख) री^{ड्}र/ सह–प्रोफेसर	व ही	कम चार मोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में स्क सोध प्रकाशन सुचीयद्ध हुआ हो । (1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में कर्ण-नासा-कट विज्ञान में सहायक प्रोफेसर/ व्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनुभव । चांछनीय
		(2) इन्डेकस मधिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम- से-कम वार शोध प्रकाशन सुवीवद्व हुए हों।
(ग) सहायक प्रोफेसर/ व्याख्याता	वही	(1) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नात- कोंसर अहंता। (2) किसी मान्यसाप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज म, जिषय में, रेजिडेन्ट/रजिस्ट्रार/निदर्श / अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभित्र।
(घ) अनुशिक्षक / निदर्गक/ रेजिडेन्ट/ रजिस्ट्रार	आयु विज्ञान तथा श रूय विज्ञान स्नासक	* ·
	साकि 🗗 विशान	
(2) प्रीफेसर	शस्य विज्ञान निष्णास (नक्षण्यान)/आयुविज्ञाम वास्त्रस्मति (नेत्र विज्ञान)	(1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में नेत्र विज्ञान में रीडर/सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव । वाछनीय (2) इन्डेकस मडिकस/राष्ट्रीय जर्नल म कम- से-कम चार शोध प्रकाशन और अन्सर्राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सुंचेबिंद्ध हुआ हो ।
(ख) री ड र सह-भ्रोफेसर	–वही	(1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज नेव्र विज्ञान में सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनुभव । वांछनीय
- ,		(1) इन्डेस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम- से-कम भार गोध प्रकाणन सूचीबद्ध हुए हों।
(ग) सक्रायक प्रोफ्रेसर / व्याख्याता	· -वही	(1) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नात- कोत्तर अर्हता। (2) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विकाम कालेज में, विषय में, रेजिडेन्ट/एंजिस्ट्रॉर/मिंदर्शक/ अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव।

(घ) अनुशिक्षक/ आयुर्विज्ञान तथा शस्य निवर्शक / विज्ञान स्नातक रेजिबेस्ट/ रजिस्ट्रार वाभिकीय आयुर्विज्ञान (क) प्रोफेसर आय्विज्ञान बाचस्पति (नाभिकीय किसी आयुर्विज्ञान कालेज में नाभिकीय आयु-आयुर्विज्ञान) किसी मान्यताप्राप्त केन्द्र में विज्ञान में रीकर के रूप में चार वर्ष का अनुभव। नाभिकीय आयुर्विज्ञान में दो वर्ष के अनुभव के साथ आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकिरण-चिकित्सा) विकिरण-चिकित्सा विज्ञान डिप्लोमा (डी० आर० एम०) अथवा नाभिकीय आयुर्विज्ञान **डि**प्लोमा (डी० एन० एम०) सहित आयुर्विज्ञान वाचस्पति किसी मान्यताप्राप्त केन्द्र में नाभकीय आ विज्ञान में दो वर्ष के अनुभव के साथ आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकिरण-निदान) विकिरण-चिकित्सा विज्ञान डिप्लोमा (डी० आर०एम०) अथवा नाभिकीय आयुर्विज्ञान डिप्लोमा (डी० एन० एम०) के साथ आयुर्विज्ञान वाचस्पति (जीव-भौतिकी) अथवा इसके समकक्ष अ ईता किसी मान्यताप्राप्त्र केन्द्र में नाभिकीय आयुर्विज्ञान में दो वर्ष के अनुभव के साथ नाभिकीय आयुर्विज्ञान में डी०एन०बी० -वही-किसी आयुर्विज्ञान कालेज में नाभिकीय आय-(ख) रीडर विज्ञान में व्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनुभव विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नातकोत्तर --वही--(ग) व्याख्याता में अर्दता। आयुर्विज्ञान तथा शस्य विज्ञान स्नातक (ध) अनुशिक्षक/ रंजिस्ट्रार/ पोषण आयुर्विज्ञान वाचस्पति (जीव रसायन/ (1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज (क) प्रोफेसर में पोषण में रीडर/सह-प्रोफेसर के रू: में चार शरीर किया विज्ञान/विकृति विज्ञान/ आयुर्विज्ञान/सामाजिक तथा निरोधक आयु-वर्षका अनुभव । विज्ञान/समुदाय/आयुर्विज्ञान अथवा बाल वांछनीय चिकित्सा विज्ञान के साथ अनुप्रयुक्त पोषक (2) इन्डेकस मेडिकल/राष्ट्रीय जर्नल में कमन में विज्ञान निष्णात अथवा एक वर्ष की से-कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय अवधि का विशेष प्रशिक्षण जनल में एक शोध प्रकाशन सुची बद्ध हुआ हो । (1) किसी मान्यसाप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज –वही− (ख) रीबर/ में भोषण में सहायक प्रोफेसर व्याख्याता के रूप सष्ट-प्रोफेसर र्मे पांच वर्षका अनुभव ।

3 वांछनीय (2) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से-कम चार शोध प्रकाशन सूचीब द हुए हों। आयुर्विज्ञान वाचस्पति (जीव रसायन/गरीर (1) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नात-(ग) सहायक किया विज्ञान/विकृति विज्ञान/अयुविज्ञान/ कोत्तर अर्हमा । प्रोफेस"ः/ सामाजिम तथा निरोधक अव्युविज्ञान समुदाय (2) किसी मान्यताप्रा'त आयुर्विज्ञान कालेज ष्यास्यासा आयुविज्ञात अथवा बाल चिकित्सा विज्ञान के में विषय में रेजिडेन्ट/रजिस्ट्रार/निवर्शक/अनु-साथ अनुप्रयुक्त पोषक में विज्ञान निष्णात शिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव। अथवा एक वर्ष की अवधि का विशेष प्रशिक्षण आयुर्विज्ञान तथा शस्य विज्ञान स्नातक (च) अनुशिक्षक/ निदर्मक/ रेजिंग्डेन्ट/ रजिस्ट्रार शारीरिक आयूर्विज्ञान और पुनःस्थापन आयुर्विज्ञान वाचस्पति (णारीरिक आयुर्विज्ञान (1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज (क) प्रोफेसर में शारीरिक आयुर्विज्ञान और पुन:स्थापन और पुनः स्थापन/कारीरिक आयुर्विज्ञान और पुनःस्थापन डिप्लोमा सहित आयुर्विज्ञान वाच-में रीडर/सह-प्रोफेसर के रूप में चार स्पति (आयुर्विज्ञान)/ शल्य विज्ञान निष्णात वर्षका अनुभव। (सामान्य शल्य विज्ञान)/शारीरिक आयुर्विज्ञान वांछनीय और पुनः स्थापन (पुनः स्थापन आयुर्विज्ञान) में (2) इन्डेक्स मेडिक्स/राष्ट्रीय जर्नल कम-से-कम चार शोध प्रकाशन और क्षो वर्ष के विशेषज्ञता प्रशिक्षण अथवा भारत में अन्तर्राष्ट्रीय अर्नल में एक शोध प्रकाशन किसी अनुमोदित संस्थान में विषय में अनुमोदित सूचीबद्ध हुआ हो। दो वर्ष के समकक्ष प्रशिक्षण सहित शल्य विज्ञान निष्णात (अस्थिरोग विज्ञान) । (1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज ⊶वही~ (ख) रीडर/सह-प्रोफेसर में शारीरिक आयुर्विज्ञान और प्रनःस्थापन में सहायक प्रीफेसर/ध्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनुभव। नाछनीय (1) इन्डेनस मेडिकस/राष्ट्रीय जनेल में कम-से-कम चारशोध प्रकाशन सूचीवळ हुए हों । (1) विषय में अपेक्षित (ग) सहायक प्रोकेसर/व्याख्याता मान्यताप्राप्त –वही-स्नातकोत्तर अर्हता । (2) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेख में विषय में रेजिडेंट/रजिस्ट्रार/निवर्शक/ अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्षकाशिक्षण अनुभव । (च) अनुशिकक/निवर्णक/रेजिडेंट/ आयुर्विशान तथा शस्य विज्ञान स्नातक रिषस्ट्रार मानव चयापचय (1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज आयुविज्ञान वाचस्पति (अन्तःस्राविकी) अथवा (क) प्रोकेसर में अन्तःस्नाविकी मानव चयापचय में अन्तःस्नाविकी में दो वर्ष के विशेष प्रशिक्षण सहित रीडर/सह-प्रोफेसर के रूप में चार बख आयुर्विज्ञान वाचस्पति (आयुर्विज्ञान) का अनुभव।

4086	भारतः स्वान्यसम्बद्धाः विकासम्बद्धः 1998 - (कास	14, 1920) bin 11 4
1	2	3
ं(वाः) री डंद /सह⊶भोकेसर	आपुर्विज्ञान वाचरपति ।(अन्तःक्षाविकी) अथवा अन्तःस्वाविकी में दी वर्ष के विकेष प्रक्रिक्षण सहित आपुर्विज्ञान वाचरपति (आपुर्विज्ञान)	वांछनीय (2) इन्डेक्स मेडिकस/राष्ट्रीय जनंल में कम- से-कम चार शोध प्रकाणन और अन्त- राष्ट्रीय जनंल में एक शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुआ हो। (1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में अन्तःस्राविकी/मानव चयापचय में सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनुभव। वांछनीय
		वाछनाय (2) इन्डेक्स मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम- से-कम चार शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए हों ।
(ग) सहायक प्रोकेसर/व्याख्याता	- च ही—	(1) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नातकोत्तर अर्हता । (2) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में विषय में रेजिडेंट/राजिस्ट्रार/निवर्शक/ अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव ।
(ष) अनुशिक्षन/तिष्यांत्र/रेजिङेन्ट राजिस्ट्राप	आर्युविज्ञान तथा शस्य विज्ञान स्नातक् प्रतिरक्षा रूधिर विज्ञान एवं रक्ताधान	
(क) प्रोफेसर	डी० एम० (प्रतिरक्षा निज्ञान) श्रवसा कालक्ष्यिः प्रतिरक्षा क्षिप्र विज्ञान एवं रक्ताधान)/प्रति— रक्षा क्षिप्र विज्ञान एवं रक्ताधान विभाग में दो वर्ष के शिक्षण अनुभव अथवा विशेष प्रशिक्षण सिद्धत आयुर्विज्ञान वाचरपति (विकृति	(।) क्षिसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में प्रतिरक्षा रूधिर विज्ञान एवं रक्तस्थानः में रीडर/सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव। वांछनीय
	विज्ञान अथवा जीवाणु विज्ञान अथवा रूधिर विज्ञान ।	(2) इन्डेंकस भेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से-कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुआ हो ।
(ब) रीडर/सह–प्रोफेसर	-व ही−	भूतानक्ष कृशा हार (1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में प्रतिरक्षा कांध्रेर विज्ञान एवं रक्ताधान में सहायक प्रोकेसर/व्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनुभव। वांछनीय
		(2) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कस- से-कम चार शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए हों।
(ग) सहायक प्रोकेसर/ब्याख्याता	–वही।–	(1) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्वासकोक्षर अर्हेता ।
·		(2) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में, विषय में, रेजिडेंट/रजिस्ट्रार/निदर्शक/ अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का णिक्षण अनुभव ।
(घ) अनुषिक्षक/निदर्शक/रेजिडेट/ रजिस्ट्रार	आयुर्विज्ञान तथा शस्य विज्ञान स्नातक	4

1	2	3
-, , , -	चिकित्पा अनुवंशिकी	
(क) प्रोफेसर	डी० एम (विकित्पा भागवंणिकी)/आयु- विज्ञान वाजस्यति (विकित्पा भागवंणिकी)/ चिकित्पा भागवंणिकी में दो वर्ष के विज्ञेष प्रणिक्षण पदिन आयुर्विज्ञान वाजस्यति (सामान्य आयुर्विज्ञान) अथवा आयुर्विज्ञान वाजस्यति (बाल चिकित्सा बिज्ञान) अथवा आयुर्तिज्ञान वाचस्पति (प्रसृति विज्ञान एवं स्क्री-रोग विज्ञान)	 (I) किसी मान्यताप्र प्त आयुर्विज्ञान कालेज में चिकित्सा आनुवंणिकी में रीडर/सह— प्रोकेपर के रूप में चार वर्ष का अनु— भव। वांण्यतीय (II) इन्डेक्स मेडिक्स/राष्ट्रीय प्रनेल में वस-के-राष्ट्रीय प्रनेल में वस-के-राष्ट्रीय प्रनेल में प्रकाशन स्वीवद्ध हुआ हो।
(ख) रीडर/सर्-प्रोफेनर	-वही-	(I) किसी मान्य गाप्राप्त आयुर्विज्ञ न वालेज में विकित्पा आनुवंशिकी में सहायक प्रोक्तेसर/व्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनुभव । वांछनीय
		(II) इन्डेकप ∤ेडिकप/राष्ट्रीय जर्नल में कम- से-कम चार शोश्र प्रकाशन सूर्वीब ढ हुए हों।
(ग) सहायक प्रोक्तेसर/ ≉याख्याता	–बही−	(I) त्रिषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नास- कोत्तर अहंता । (II) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विक्षान कालेज में, त्रित्रय में, रेतिडट/रिजस्ट्रार/िवर्शक/ अनुश्रिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव ।
(घ) अनुशिक्षक/ निदर्शक/ रेजिडट/ रजिस्ट्रार-	आर्युविज्ञान तया शल्य विज्ञान स्नातक	जापुन्य ।
•	nfarra ernfarra	
(क) प्रोकेसर	परिवार आयुर्विज्ञान ् आयुर्विज्ञाः वाचस्पित (परिवार आयुर्विज्ञान)/ आयुर्विज्ञान वाचस्पित (सामान्य आयुर्विज्ञान)	(1) किसी मान्यसाप्राप्त आयुधिज्ञान कालेख में परिवार आयुधिज्ञान/सामान्य आयु- विज्ञान में गैडर/सह—प्रोफेसर के रूप में घार वर्ष का अनुभव । वांछनीय
		(II) इन्डेहन पेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम- से कम चार शोध प्रकाशन और अन्त- रष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीयद्ध हुआ हो।
(ख) रीडर/सह-प्रोफेसर	–व _{री} –	·(I) किपी मान्यताप्राप्त आयुविज्ञान कालेख में परिवार आयुक्तिता (/सामान्य आयुक्त विज्ञा में सहायक प्रक्तितर/क्याक्य,ता केरूप में पाच वर्षका अनुभव ।
7-359 GI/98		

1	2	3
		वां छनीय
		(II) इन्डेन्स मध्यिकस/राष्ट्रीय जर्नल में क्म- सैन्नम चार शोध प्रकाशन सूचीबक्क हुए हों।
(ग) सहायक क्रोकेपर /व्याख्याता	आय्विज्ञान वाचस्पति (परिवार आयुविज्ञान) आयुविज्ञान वाचरुपति (सामान्य आयुविज्ञान)	 (1) विषय में अनेक्षित मान्यताप्राप्त स्नात- कोत्तर अर्हता ।
		(II) िहमी मान्यताश्राप्त आयुविज्ञान कालेज में, विषय में, रेजिडेन्ट/रजिस्ट्रार/निदर्शक/ अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव।
(घ) अनुशिक्षक/ निदर्शक/ रेजिडेन्ट/रिष्ट्रिस्ट्रार	आयुर्विज्ञान तथा शल्य विज्ञानस्नातक	
	विमानत आयुर्तिका एरोस्पेत आयुर्विकान	
(क) यो हेतेर	आपुर्विज्ञान वाचस्पति (विमानन आयुर्विज्ञान) / आपुर्विज्ञान वाचस्पति (एर)स्पेस आयुर्विज्ञान)	(I) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में विमानन आयुर्विज्ञान/एरोस्पेस आयु− विज्ञान में रीडर/ाह—प्रोफे⊰र के रूप में चारवर्षका अनुभव ।
		वांछनीय
		(I _I) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम- से-रुप चार शोध प्रकाशन और अन्त- रष्ट्रीय जर्नल में एकशोध प्रकाशन सूची- बद्ध हुआ हो।
(क) रीडर∤सह-प्रोकेतर	∸त्रहीं	(I) िकती मान्यनाधान्त आयुर्विज्ञान कालेज में विज्ञानन आयुर्विज्ञान/एगोस्पेस आय- विज्ञान में ह्यायह प्रोकेसर/व्याख्याता के रूप में पाच वर्ष का अनुभव । वांठनीय
		(11) इन्डेफेन मेडिकन राष्ट्रीय जर्नल में कम- से~हम चार शोध प्रकाशन सूचीबड हुए हों।
(ग) सहायक मोके र्रात्याख्याता	–वही–	 (¹) विश्रय में अपेक्षित मान्यताम्राप्त स्नात- कोत्तर अर्देता ।
		(II) किसी मान्यनाप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में, विषय में, रेजिडेंट/रजिस्ट्रार/निदर्शक/ अनुशिक्षक के रूप में नोन वर्ष का शिक्षक अनुभव।
(च) अनुभिक्षक/निद्ध्यंक/ रेजिडेंट/र्राजस्ट्रार	आयुर्विज्ञान तथा माल्य वि श ुन स्नासक	affina i
• •	जरा-चिकित्सा	
(क) , प्रो <i>डे</i> झर	आयुर्विज्ञान वाजस्तति (परिवार आयुर्विज्ञान)/ आयुर्विज्ञान वाचस्थिति (सामान्य आयुर्विज्ञान)/ आयुर्विज्ञान वाचस्पति (जरा-चिकित्सा)	

1	2	3
		वांछनीय
(ख) रीडर√सह-प्रोकेसर	–वही−	(2) इन्डेकस मेडिकस/र ब्ट्रीय जनल में कम-से- कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राध्द्रोग जर्नत में एक गोध प्रकाशन सूत्रीयद्ध हुआ हो। (1) किशो नात्मा गा गाप्ति। कात्रेज में परिवार आपुर्वितान/प्रानात्य प्राप्तितान जरा-विकासा में सहागक गोहेतर/माडमता के रूप में पांच वर्ष का अनुस्य।
(ग) सहायक प्रोकेसर/व्या ख् याता	-वही <i>-</i> -	वाछनीय (2) इण्डेकस मेडिकत/राष्ट्रीय जर्नत में कान-से-कम चार योज प्रकासन तूनीबद्ध हुए हों। (1) विषय में अमेडिक मान्यकात्रान स्नात- कोतर अहेता।
		(८) कि तो मान्यताप्रान्त आपुरिकात काचेज में, विषय में, रेजिकेन्ड/रजिल्हार/लेकक्री अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव
(घ) अनुधिक्षक/निद्यर्शक/रेदेशन्ट/ रजिस्ट्रार	आ ुर्विज्ञाम तया शस्य विज्ञान स्नातक	•
•	स्वास्थ्य प्रशासन	
(क) प्रोक्तसर	आपुर्विज्ञान पावस्ति (स्वास्थ्य प्रगासन)/ आपुर्विज्ञान वावस्थति (अस्ततान प्रगासन)/प्रापु- विज्ञान वाचस्पति (संनुदाय स्वास्थ्य प्रशासन)	(1) किती मान्यतायात आपूर्विमान कालेज में स्वास्थ्य प्रगासनीतातुदाय आपूर्विमानी साम्पाजिक और निरोधक आपूर्विमानीकस्पताल प्रशासन में रोडपीसह-प्रोकेसर के द्य में चार वर्ष का अनुभव। बाखनीय
		(1) इन्डेकस मेडिका राष्ट्रीय जर्नन में कर्म-सें-कम चार शोध प्रकाशन और अस्त- राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीबळ हुआ हो।
(ख) रीडर/सह-प्रोक्तेसर	 व हीं 	(1) कितो मान्यनाप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेजं में स्वास्थ्य प्रगाला नितृदाय आयुर्विज्ञान सि सामाजिक और निरोजक आयुर्विज्ञान अस्पताल प्रशासन में सहायक प्रोकेसर/ब्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनुभव। बाळनीय
		(2) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से-
(ग) सहायक प्रोंफेसर्-ज्यास्याता	⊣व ही −	कम चार शोध प्रकाशः सूचीबद्धः हुए हों । (1) विषय मैं अनेक्षित मान्यताप्राप्त स्नात- कोत्तर अर्हता।
		(2) किसी मान्यतात्राप्त अ युविज्ञान कालेज में, विषय में, रेजिडेन्ट/रजिस्ट्रार/िवर्गक/अनुशिक्षक
(घ) अनुषाक्षक/निवर्गक/रेजिडेन्ट/ रजिस्ट्रार	आर्युर्विज्ञान तथा घल्य विज्ञान स्नातक	रूप रूप में वर्ष का शिक्षण अनुभव।

अस्तताल प्रशासन (1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज (क) प्रोहेसर आप्रीजात बाचस्कीत (अस्पताल प्रगत्सा)/आयु-में अस्पताल प्रगासर/सर्दाय विज्ञात बाचस्कते (सतुबाय स्वास्थ्य प्रशासन)/ आयुर्विज्ञा । बाचस्यते (स्वास्थ्य प्रशास ।) सामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञात/स्वास्थ्य प्रशासन में रीडर/सह-प्रोकेसर के इत्रा में चार वर्ष का अनुभव। वांछनीय (1) इनडेहस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से-कम चार शोध प्रकाशन और अन्त-राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीबढ हुआ हो। (1) किती मान्यताप्रान्त आयुर्विज्ञान कालेज (ख) रीडर/सह-प्रोकेसर -प्रही-में अध्यताल *प्रस*ातत[!]साद्वाय आय्**विज्ञान**/ सामाजित और निरोजन आयुविज्ञान/स्वास्थ्य प्रसासन में सहायक रोक्रेतर/व्याख्याता के रूप में पांच वर्षका अनुभव । वांछनीय (1) इन्डेकस रेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से-कम चार शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए हों। (1) विषय में अर्रेक्षित मान्यतात्राप्त स्नात-(ग) सहायक श्रोकसर/व्याख्याता ⊸वही--कोत्तर अईता। (2) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालोज में, विषय में, रेजिडेन्ट/रजिस्ट्रार/निदर्शक/ अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव। आयुर्विज्ञान तथा मध्य विज्ञान स्नातक (भ) अनुशिक्षक/निदर्भेक/रेजिडेन्ट/ रजिस्ट्रार कीड़ा आयुर्विज्ञान आयुर्विज्ञा । बाचस्पति (क्रोड़ा अ:युर्विज्ञान)/ (1) किसी मान्यताप्राप्त आयुविज्ञान कालेज (क) प्रोफेसर में कोड़ा आयुर्जिज्ञान/अस्थिरोग विज्ञान/ विज्ञाः निष्णात (अस्थिरोग विज्ञान)/ आयुर्विज्ञान वाचस्पति (शारीरिक अःयुर्विज्ञान शारीरिक आयुर्विज्ञान और पुतःस्थापन में रीडर सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का और पुनः स्थापना) अनुभव । वांछनीय (1) इन्डेक्स/मेडिक्स/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से-कम चारशोध प्रकाशन और अन्त-र ष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीबक्ष हुआ हो। (2) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज (ख) नैडर/सह-प्रोफेसर --वहीं--में कीड़ा आयुर्विज्ञात/अस्थिरोग विज्ञान/ शारीरिक आयुर्विज्ञान और पुन: स्थापन में सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता के 🛊 पों पांच वर्ष का अनुभव। वांछनीय (1) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम⊸से⊸कम∵चार्शोध प्रकाशन

1	2	3	4
(ग) सहायक प्रोफस	ार व्याख्याता	वही	(i) विषय में अपेक्षित मान्यसाप्राप्त स्नात- कोत्तर अर्हता।
			(ii) किसी मान्यताप्राप्त आयुविज्ञान कालेज में, विषय में रेजिडेंट/रजिस्ट्रार निवर्शक/अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव।
(घ) अनुशिक्षक/नि रजिस्ट्रा र	वर्गक/रेजिडेन्ट/	आर्युविम्नान तथा जस्य विज्ञान स्नासक	
		त्रक्णऋटिबंध आयुर्विज्ञान	
(क) प्रोफेसर ·		आप्रितानी वाचस्यति (उल्लाहिटबंध आयु- विज्ञान) आयुविज्ञान वाचस्पति (सामान्य आयु- विज्ञान) आयुविज्ञान वाचस्पति (सू÷मजीय विज्ञान तथा क्लीनिकल आयुविज्ञान से दो वर्ष का अनुभव	(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में अष्ण कटिबाब आयुर्विज्ञान/ सामान्य आयु- विज्ञान में रीकर/सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव।
		•	वांछनीय
		(ii) इन्डेकस मेडिकस राष्ट्रीय जर्नल में कम से कम चार शोग प्रकाशन और अन्त- राष्ट्रीय जर्नल सें एक शोध प्रकाशन सुचीयड हुआ हो।
(ख) रीडर/सह-प्रो)फेस र	वही	(i) किसी मान्यसाप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज से उष्णकटिबन्ध आयुर्विज्ञान/सामान्य आयु विज्ञान में स ायक प्रोफेसर व्याख्याता के रूप में पाच वर्ष का अनुभव। बाछनीय
			(ii) इन्डेकस मेडिकस राष्ट्रीय जर्नेल मे कम से कम चार शोध प्रकाशन सुचीबद्ध हुए हों
(ग) सहायक प्रोपे	ोसर/व्या क् यासा	महीं	(1) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त रनातः कोत्तर अर्हता।
			(1) फिसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में, विषय में, रेजिडेंट/रजिस्ट्रार/निवर्शक/ अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव
(व) अनुशिक्षक वि रजिस्ट्रार	नेदर्शक/रैजिडेम्ट	आयुर्विज्ञान तथा शस्य विद्वान स्नातक	

1 2	3	4
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	रूमेटोलॉजी	
(布)	आपुर्विज्ञान वाचस्पति(रूपेटाक्वॉजी) रूपेटीलॉजी प्रक्षिरक्षा िज्ञान में दो वर्ष के अपुगव सहित आपुर्विज्ञान वाचस्पति (आपुर्विज्ञान)	ं (i) कि ती मान्यताप्राप्त आपृत्रिज्ञान कालेज में रूपटोल∵जो में राडर/प्रह-प्रोकेतर के रूप में जार पर्ष का अनुभव। बांछनीय
		(ii) इनक्रेकस मेडिकल/राट्टीय जर्नेल में कम से कम चार गोध प्रकाशन और अन्त- रीष्ट्रीय जर्नेल में एक गोध प्रकाशन सुती- बक्क हुअ हो ।
(ख) रोडर/तह-।ो केस र	व ही	(i) कसी मान्यतात्राप्त आयुर्विज्ञान कलेज में रूनोटोलाजी में सहयक प्रोफेसर/व्याख्यास के रूप में पांच वर्ष का अनुभव। वांनीय
		(i) इन्डेकेस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम से कम चार गोध प्रकाशन सूचीबढ़ हुए हों।
(ग) सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता	यहीं	 (i) विषय में अंक्षि मःन्यताप्राप्त स्तात- कोत्तर अर्हता। (ii) किसा मायन्ताप्र स आपुर्विज्ञा कालेज में, विषय में, जिडेन्ट/रिज ट्रार निदर्शक/ नुः
(च) अनुशिक्षक निः(मंक/ रेजिडेन्ट/ रजिस्ट्रार	अप् रुविज्ञा न तथा शल्य विज्ञान स्नातक	शिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव
r	स्यास्च्य भाक्षा	
(क) प्रोफेसर	आयुर्वि प्रान वाचरःति (सःमानिक एवं तिरोधक आयुर्विज्ञान)/आयुर्विज्ञान वाचस्पति समुदाय आयुर्विज्ञान) आयुर्विज्ञान वाचस्पति (स्वास्थ्य प्रकासन	(i) िती मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में स्वास्थ्य शिक्षा में रीडर/सह शोफेसर के के रूप में चार वर्ष का अनुभव। बांछनीय
		(ii) इन्डेकस मेकिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम से कम चार गोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नेल में एक शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुआ हो।
(ख) रीडर/सह-प्रोकेंतर		(i) किली मान्यप्राप्त आयुविज्ञान कालेज में स्वास्थ्य शिक्षा व्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनुभव। वांछनीय (i) इन्हेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल मे
		(¹) इन्डिक्स माडकस/राष्ट्राय जनल मे कम से कम चारशोध प्रकाशन सुचीबद हुए हों।
(ग) सहा यक प्रोफेसर/व्याख्याता	वही	 (i) विषय में अपेक्षित मान्यता प्राप्त स्नात- कोत्तर अईता। (ii) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में, विषय में, रैजिडेन्ट/रजिस्ट्रार/निदर्शक,
(घ) अनुशिक्षक निवर्शक रेजिडेन्ट रजिस्ट्रार	आयुर्विज्ञान सथा शस्य विज्ञान स्नासक	अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का अनुभव

1	2 .	3	4
	<u> </u>	सन्द्री आ-्विकान	
(斬)	प्रोफेसर	आयुर्जिशान वासस्पति शरीर किया विज्ञान) समुद्रा आयुर्जिशाम में दो वर्ष के विश्वेष प्रशिक्षण सहित आयुर्विकास वाचस्पति (आयुर्विज्ञान)	(i) किसी मान्यताप्राप्त ासुविकान ालेज में समुद्री आयुविज्ञान में रीडर/सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव। वांछनीय
		•	(i) इन्डेंकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से-कम चार शोध प्रका∞न औं अन्त- रिष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूकीबद्ध हुआ ह∵।
(₩)	रो ःर/स ्-भ्रो क्षेत्रर	वही	(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में समुद्री आयुर्विज्ञान में सहायक प्रोफेसर/ व्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनुभवः। बांछनीय
			(ii) इन्डेकम मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम- से-कम चार शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए हों।
(ग)	सहात्रक प्रोफेसर/ व्याख्याता	—बही - ं	(i) विषय में अपेक्षित मान्यसाप्राप्त स्नात- कोक्तर अर्हता।
			(ii) किसी मान्यसाप्राप्त आयुर्विज्ञान कार्लेज में, विषय में, रेजिडेन्ट/रजिस्ट्रार/निदर्शक, अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव।
(ঘ)	अनुसि सक्त/निदशक/रेजिङेन्ट/ रजिस्ट्रार	आयुर्विज्ञान तथा शस्य विज्ञान स्नातक	
		व्यावसायिक स्वास्थ्य	
(本)	प्रोकेसर	आयुर्जिज्ञात वाचस्पति (मनोविकार चिकित्सा) आयुर्विज्ञात वाचस्पति (शारीरिक आयुर्विज्ञात और पुनः स्थापन) विज्ञान निष्णात (अस्थिरोग विज्ञानं)	च्यावसायिक स्वास्थ्य में रीडर ∤सह–प्रोफेंसर के
			वांछनीय (i) इन्डेक्स मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से- कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीयद्ध हुआ हो।
(অ)	- रीड र	वर्ह ी	 (i) किती मान्यताप्राप्त आयुर्विमान कालैज में व्यावसायिक स्वास्थ्य में सहायक प्रोफेसर् व्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनुभव। वांछनीय
			 (i) इल्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से- कम चार गोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए हों।
(ग)	सहायक प्रोतेसर/व्याख्याता	वही	(i) त्रिपय में अनेक्षित मान्यताप्राप्त स्नातकोत्तर अहंता ।
			(ii) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में, विषय में, रेजिडेन्ट/रजिस्ट्रार/निदर्शक/अनुशिक्षक के कप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव ।

1	2 -	3	4
(ঘ)	अनुशिक्षक/निदर्शक/रेजिडेन्ट/ रजिस्ट्रार	आयुर्विज्ञान तथा गल्य विज्ञान स्मातक	
	(14/3/4	जैन स्वास्थ्य	
(事)	प्रोफेसर	आयुर्विज्ञान वाषस्पति (सनुदाय आयुर्विज्ञान)/ आयुर्विज्ञान वाषस्पति (सामाजिक और मिरोधक आयुर्विज्ञान)/आयुर्विज्ञान वाषस्पति (स्वास्थ्य प्रशासन)	(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में जन स्वास्थ्य में रीडर∫सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव ।
(ख)	रीडर/सह–प्रोफेसर	वही	वांछनीय (ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम- से-कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुआ हो। (i) किसी मान्यताप्राप्त आयुविज्ञान कालेज में जन स्वास्स्य में सहायक प्रोफेसर/क्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनुभव।
		,	वांछनीय (i) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम∽ से-कम चार शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए हों ।
(ग)	सहायक प्रोकेसर/व्याख्याता	वह ी	(i) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नात- कोत्तर अर्हता ।
	·		(ii) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में, विषय में, रेजिडेन्ट/र्राजस्ट्रार/किदर्शक/ अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षग अनुभव ।
(ঘ)	अनुशिक्षक निदर्शक रेजिथेन्ट र्राजस्ट्रार	आयुर्विज्ञान तथा शल्य विज्ञान स्नातक	•
		विकिरणीय भौतिक विकान	
(क)	प्रोकेसर	विद्या वाचस्पति (भौतिकी/रसायन विज्ञान/जीव- भौतिकी) सहित विज्ञान निष्णात (भौतिकी/ रसायन विज्ञान/जीधभौतिकी)	(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुविज्ञान कालेज में विकिरणीय भौतिक विज्ञान रीडर/सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्षका अनुभव।
			बांछ नीय
•	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		(i) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम- से-कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुआ हो।
(অ)	रीडर/ तह-प्रोफेसर	वही	(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में विकिरणीय भौतिक विज्ञान में सहायक प्रोफेसर/ व्याख्याता के रूप में पांच वर्ष का अनुभव ।
•		· · · · · ·	वांछनीय (ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से-कम चार शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए हों।
(π)	प्रहायक प्रोक्ते उर/व्यास्याता	~~वही - ─	(i) विषय में अविक्षित मान्यताप्राप्त स्नातकोत्तर अहेता।
		· , ·	(ii) किसी मान्यताप्राप्त आयुविज्ञान क लेज में, विषय में, रेजिडेन्ट/रजिस्ट्रार/निदर्शक/अनुशिक्षक के क्य में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव ।

1 विशान-निष्णात (भौतिकी/रसायम विकान/ (च) अनुशिक्षक/निवर्शक/रेजिडेन्ट जीव भौतिकी) रजिस्द्रार विषाणु विज्ञान आयुर्विज्ञान वाचस्पति (सूक्ष्मजीव विज्ञान)/ (i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में (क) प्रोफेसर विषाणु विज्ञान में रीडर/सह-प्रोफेसेर के रूप आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकृति विज्ञान)/विषाणु-में चार वर्षका अनुभव । विज्ञान में दो वर्ष के विशेष प्रशिक्षण सहित आयुर्विज्ञान वाचस्पति (आयुर्विज्ञान)/विषाणु-विज्ञान में विद्या वाचस्पति सहित विज्ञान विष्णात वांछनीय (चिकित्सा विषाणु विज्ञान) (i) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जनैल में कम—से—कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुआ हो। (i) किली मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज (ख) रीडर/सह-प्रोकेसर में विषाणु विज्ञान में सहायक प्रोफेसर/ब्याख्याता के रूप में पांच वर्षे का अनुभव । वाछनीय (i) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कन-से-कम चार शोध प्रकाशन सुचीबद्ध हुए हों। (i) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नातकोत्तर (ग) सहायक प्रोकेतर व्याख्याता अर्हता । (ii) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में, विषय में, रेजिडेन्ट/रजिस्ट्रार/निवर्शक/अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्षका शिक्षण अनुभव । (ब) अनुशिक्षक/निदर्शक/रेजिडेस्ट/ आयुर्विज्ञान तथा शस्य विज्ञान स्नातक रजिस्ट्रार दन्त चिकित्सा (i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज/ क्षन शस्य चिकित्सा निष्णात (कः) प्रोफेसर दन्त कालेज में दन्त चिकिरसा में रीडर/ सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव । वांछनीय (i) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से-कम चार शौध प्रकाशन और अन्त-र्राष्ट्रीय जर्नेल में एक शोभ्र प्रशासक स्वीवह हुआ हो। , (i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज/ (ख) रीषर/सह-प्रोफेसर दन्त कालेज में दन्त चिकित्सा सहायक प्रोकेसेर/व्याख्याता के रूप पोच वर्षका अनुभव। वांख्यीय (i) इंडेक्स प्रेडिकस/राष्ट्रीय जर्नेल में कम-से-कम चार शोध प्रकाशन **स्वीवद हुए**

1 2	3	4
(ग) महायक प्रोफेसर/ब्याख्याता	दन्त शस्य चिकित्सा स्मातक अधिमानतः आर्युविज्ञान तथा शस्य विज्ञान	(i) विषय में अपेक्षित माध्यताप्राप स्नातकोत्तर अर्हता ।
	स्नातक सहित	(ii) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		विषय में, रेजिडेंट/रजिस्ट्रार/निवर्धान
		अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव ।
(भ) अनुशिक्षक/	- व ही	•
निवर्शक/	·······	
रेजिडेंट/		
. रिषस्ट्रार		
	. तालिका-2	
1	अति-उन्नत विषोषज्ञ शिक्षकों के लिए अपेक्षित वि शैक्षिक अर्हताएं और शिक्षण अमुसंधान अमुभव	मेथ
	हुव चिकित्सा विज्ञान	
(क) प्रोफेसर	डी० एम० (हुव चिकित्सा विज्ञान)	(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुविकान कालेज,
		शिक्षण संस्थान में हुद-चिकित्सा विज्ञान
		र्मे रीडर/सह–प्रोफेसर के रूप में चार वर्षका अनुभव।
		वांछमीय
•		(ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्मल में कम-
,		से-कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय
		जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुआ हो ।
(क) रीबर/सह-प्रोक्तर	-षही	(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज/
	•	णिकाण संस्थान में हुव चिकित्सा विकास
• •		में सहायक प्रोफेंसर/व्याख्याता के रूप में वो वर्षका अनुभव।
	••	वांछनीय
	,	(ii) इन्डेंकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से-
-		कम चार शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए
(ग) असामक स्टेस्ट स्थान		हों।
(ग) सहायक प्रोफतर/ब्याख्याता	-वही <i>-</i> -	(i) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त विशेषज्ञता अर्हता ।
	· .	(ii) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में
		ह्रद-चिकित्सा विश्वान में, रेजिडेस्ट/
		रजिस्ट्रार/निवर्शक/अनुशिक्षक के रूप में
(ष) अनुशिक्षक/	arritification processing from the control	तीन वर्षका मिक्षण अनुभव।
्म जित्रांक/ निदर्शक/	आयुर्विमान तथा शस्य विमान स्नातक	
रेजिडट/	•	
रजिस्ट्रार	• •	•

1 2	3	4
	रोगलकण-रूधिर विज्ञान	
(क) प्रोफेसर	डी॰ एम॰ (रोगलक्षण-रूधिर विज्ञान) रोगलक्षण-रूधिर विज्ञान में दो वर्ष के विशेष प्रशिक्षण सहित आयुर्विज्ञान वाचस्पति (आयुर्विज्ञान) अथवा आयुर्विज्ञान वाचस्पति (साल -विकित्सा विज्ञान) अथवा आयुर्विज्ञान धाचस्पति (विकृति विज्ञान)	(1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज/ शिक्षण संस्थान में रोग-तक्षण-स्विधः विज्ञान में रीडर/सह-प्रोफेसर के रूप में भार वर्ष का अनुभव। वाद्यमीय (2) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से- कम चार शोध प्रकाशन और अन्त- राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सुची-
(ख) रीडर√स ह–प्री फेसर	—वही <i>-</i> -	बद्ध हुआ हो। (1) किशी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज/ शिक्षण संस्थान में रोगलक्षण-रूधिर विज्ञान में सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता के रूप में दो वर्ष का अनुभव।
(ग) सहायक प्रोफेसर/क्या क् याता	–व ही−	(2) इन्डेकस मैडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से- कम चारशोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए हों। (1) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त विशेषज्ञता अर्हता।
		जिस्सा नाग्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में रोग−लक्षण रूधिर विज्ञान में रेजिडेंट रजिस्ट्रार/निदर्शक/अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्षका शिक्षण अनुभव।
(घ) अनुशिक्षक/ निदर्शक/ े रेजिडेंटं/ रजिस्ट्रार	आय्विशान तथा शस्य विज्ञान स्नातक	
x	रोगलक्षण-भेषजगुण-विज्ञान	
(क) प्रोफेसर	डी॰ एन॰ (रोग तक्षण – भेष अगुण – विज्ञान) रोगल अगण – भेष जगुण विज्ञान में दो वर्ष के विशेष प्रशिक्षण सहित आयुर्विज्ञान वाष्ट्रस्पति (भेषजगुण विज्ञान)	 (1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज शिक्षण संस्थान में रोगलक्षण भेषजगुण विज्ञान में रीडर/सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव। वांछनीय (2) इन्डेकम मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम
(ख) रीडर/सह–प्रोफेसर	व श्चीं	से-कम चार गोध प्रकाशन और अन्तरिष्ट्री जर्नल में एक गोध प्रकाशन सूचीवा हुआ ही (1) किसो मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज शिक्षण संस्थान में रोगलक्षण भेषजगुर विज्ञान में सहायक प्रोफेसर/क्याक्यात के रूपमें दो वर्ष का अनुभव।
(ग) सहायक प्रोफेसर/	- वही	वांछनीय (2) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कमन्से कम चार शोधप्रकाशन सूचीवद्ध हुए हों (1) विशय में अनेकित मान्यताप्राप्त विशेषक्रत

1 2	3	4
,	. , .	(2) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में रोगजक्षण भेजनगुण विकास में रेजिडेंट/रजिस्ट्रार/निवर्णक/अनुशिक्षक के रूपमें तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव।
(ष) अनुगिक्षक/ रेजिङेट/ रजिस्ट्रार/ मिदर्शक	अत्युविज्ञान तथा प्रस्थ विज्ञान स्नातक	
	अन्तःस्ना विकी	
(क) प्रोफेसर	डी० एम० (अन्तःस्नाविकी)/अन्तःस्नाविकी मैं दो वर्ष के विशेष प्रशिक्षण सहित आयु– विकान वर्षसंपति (आयुर्विकान) अथवा आयुर्विकान वाजस्पति (बाल–चिकित्सा विकान)	(1) किसी मान्यताप्राप्त आयुधिज्ञान कालेज/ शिक्षण संस्थान में अन्तः स्नाविकी में रीडर/सहप्रोफेश्वर के रूप में चार वर्ष का अनुभव।
		बांछमीय
	-	(2) इन्डेकस मेडिक्स/रा॰्ट्रीय जर्नल में कम-से-कम चार शोध प्रकाशन और अन्त- रा॰्ट्रीय जर्नेल में एक शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुआ हो।
(ख) रीडर/ सह-प्रोफेसर	व ही	(1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज/ शिक्षण संस्थान में अस्तःस्नाविकी में सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता के रूप में दो बंध का अमुभव। बांछनीय
		(2) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जिनेस में कम- से-कम चार शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए हों।
(ग) सहायक प्रोफेसेर/	बही	(1) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त विशेषक्षता अर्हता।
•या च्याता		(2) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज मैं अस्तः स्नाविकी में रेजिडेंट/रजिस्ट्रार/ निवर्णक/अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्षे का शिक्षण अनुभव।
ं(ष) जनुशिक्षक / रेजिडेंट / रजिस्द्रार/ निवर्षक	अधिविज्ञान तथा घाल्य विज्ञान स्नातक	
All the second s	प्रतिरक्षा-विज्ञान	
(क) प्रोकेसर 	डी०एम० (प्रतिरक्षा विज्ञान)/प्रतिरक्षा विज्ञान में दो वर्ष के विशेषप्रशिक्षण सहित आयुर्विज्ञान वाचस्पति (आयुर्विज्ञान) जथवा आयुर्विज्ञान वाचस्पति विकृति विज्ञान अथवा आयुर्विज्ञान वाचस्पति	(1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज/ शिक्षण संस्थान में प्रतिरक्षा विज्ञान में रीडर/सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव ।

इन्डेक्स मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-सूक्ष्म जीवविज्ञान अथवा आयुक्तिज्ञान वाचस्पति से कम चार शोध प्रकाशन और अन्त-(बाल-चिकित्सा -विज्ञान) राष्ट्रीय अर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीबद हुआ हो। (1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज/ **(ऋ)** रीडर/. —बही--शिक्षण संस्थान में प्रतिरक्षा विज्ञान में सहायक सह-प्रोफेसर प्रौफेसेर/ व्याख्याता के रूप में दो वर्ष का अनुभव । **क्षंछनी**य (2) इन्डेक्स मेडिक्स राष्ट्रीय जर्नल में कम-चार शोक्ष प्रकाशन से-कम (1) त्रिवय में अनेकित मान्यताप्राप्त विशेषज्ञाता <u>-यही-</u> (य) सहायक अर्हता । **भोक्सर व्यक्ष**णता (2) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में प्रतिरक्षा विज्ञान में रेजिडेंट/रजिस्ट्रार/ निदर्शक/अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षा अनुभव । आर्युक्तिमान तथा शस्य विभान स्नातक (म) अनुशिक्षक/ रेजिडन्ट/ रजिस्ट्रार/ निवर्धेक आयुर्विज्ञाम जठरान्द्ररोग-विज्ञान डी० एम० (आयुर्विज्ञान जठरान्त्ररोग-विज्ञान) (1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज़/ (क) प्रोफेसर शिक्षण संस्थान में जठरान्त्ररोग-विज्ञान में डी० एम० (जठरान्झरोग-विज्ञान) रीडर/सह रीडर/प्रोफेसर के रूप में भार जठरान्त्ररोग विज्ञान में दो वर्ष के विशेष प्रशिक्षण सहित आयुर्विज्ञान वाचस्पति (आयु-वर्षका अनुभव। विज्ञान) अथवा आयुविज्ञान वाचस्पति वांछ नीय (2) इन्डे अस मेडिन्त/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से-(बाल-चिकित्सा विज्ञान) कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाणन स्वीवक हुआ (1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्वि**ज्ञान कालेज** -वही-(ख) रीडर/सह-प्रोफेसर शिक्षण संस्थान में जठरान्त्ररोग-विज्ञान में सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता के रूप में वो वर्षका अनुभव । बांछनीय (2) इन्डेकस भेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-मे कम चार शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए हों। विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त विशेष (ग) सहायक प्रोफेसर/क्याक्याता -बहो-ज्ञता अहंता। (2) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज/ में जठरान्त्ररोग विज्ञान में रेजिबेस्ट/रजिस्ट्रारा निदर्शक/अनुशिक्षक के रूप में सीन वर्ष क

शिक्षण अमुभव ।

(घ) अनुशिक्षक/रेजिडेन्ट/रजिस्ट्रार आयुर्विज्ञान तथा शस्य विज्ञान स्नातक निदर्शक आयुर्विज्ञान आनुवंशिकी (अति-उन्नत विशेषज्ञता) डी०एम० (आयुर्विज्ञान आनुवंशिकी)/ (i) किसी भान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज/ (क) प्रोफेसर आयुर्विज्ञान आनुवंशिकी में दो वर्ष के विशेष शिक्षण संस्थान में आयुविज्ञान आनुवंशिकी प्रशिक्षण सहित अध्युविज्ञान वाचस्पति (असि उम्नस विशेषज्ञता) में रीडर/सह-(बाल-चिकित्सा विज्ञान) अथवा आयुर्विज्ञान प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अन्भवा। वाचस्पति (आयुर्विज्ञान) अयवा विज्ञान निष्णात (गरीर-रचना विज्ञान) वांछनीय (i) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-**से कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय** जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीवड हुआ हो। (ख) रीडर/स**ह-**श्रोफेसर (i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज/ -बही-शिक्षण संस्थान में आयुर्विज्ञान आनुवंशिकी (अप्ति उन्नप्त विशेषज्ञता) में सहायक प्रोफेसर/ **अयाख्याता** के रूप में दो वर्ष काअन्**भव** । बांछनीय (i) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से कम चार शोध प्रकाशन सुची बद्ध हुए हों। (ग) सहायक प्रोफेसर/ज्याक्याला (i) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त विशेष-–वही-श्राता अर्हता । (ii) किसी मान्यसाप्राप्त आयुर्विज्ञान कालोज में आयुर्विज्ञान आनुवंशिकी में रजिडेस्ट/रजिस्ट्रार/ निवर्णक/अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष काणिक्षण अनुभव । आय्विज्ञान तथा शस्य विज्ञान स्नातक (च) अनुशिक्षक/रजिडेम्ट/रजिस्ट्रार/ निदर्शक आयुर्विज्ञान अर्बुद विद्या डी० एम० (आयुर्विज्ञान अर्बुय विद्या)/ (i) किसी मान्यता प्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज/ (क) प्रोफेसर आयुर्विज्ञान अर्बुष विद्या में दो वर्ष के विशेष शिक्षण सस्यान में आधुर्विज्ञान अर्जुद विद्या में रीडर/सह प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष प्रशिक्षण सहित आयुर्विज्ञान वाचस्पति (आयु-विज्ञान) अथवा आयुर्विज्ञान वाचस्पति वर्षका अन्भव (विकिरण चिकित्सा) अथवा आयुर्विज्ञान वाचस्पति (बाल-चिकित्सा विज्ञामः) वांछनीय (i) इन्डेक्स मेडिकस राष्ट्रीय जर्नेल में कम से-कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सुचीबद्ध हुआ हो। (i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज/ (ख) रीडर/सह-प्रोफेसर ⊸वही-शिक्षण सस्यान में आयुर्विज्ञान अर्बुद विद्या में सहायक प्रोफेसर-ज्याख्याता के रूप में दो वर्षका अनुभव । वांछनीय (ii) इन्डेकस में डिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से-कम चार शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए हों। (i) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त विशेष-–वही--(ग) सहायक प्रोफेतर/व्याख्यातः

जता अर्हता ।

	0	3	4
1			(ii) आयुर्विज्ञान कालेज से आयुर्विज्ञान अर्बुद विद्या में रिजडेन्ट/रिजस्ट्रार/निदर्शक/अनु- शिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव।
(ঘ)	अनु <mark>षिक्षक/रेजिङेन्ट</mark> /रजिस्ट्रार/ निदर्शक	भायुविज्ञाम तथा शस्य विज्ञान् स्नातक	
	*****	नवजात विज्ञान	
(क)	प्रोफेसर	डी० एम० (नयजात विज्ञान)/नवजात विज्ञान में दो वर्ष के विशेष प्रशिक्षण सहित आयु- विज्ञान बाचस्पति (बाल-चिकित्सा विज्ञान)	(i) किसी माग्यताप्राप्त आयुर्धिज्ञान कालेज/ शिक्षण संस्थान में नवजात विज्ञान में रीडर/सह प्रोफेसर के रूपमें चार वर्ष का अनुभव।
			वास्त्रमीय (ii) इन्हेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम- से-कम चार शोध प्रकाणन और अस्तर्राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीवक्क हुआ। हो।
(অ)	री डर/स _२ प्रोफेसर	-व ही -	(i) किसी मान्कताप्राप्त आयुर्जिज्ञान कालेज/ गिक्षण संस्थाभ में नवजात विज्ञान में सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता के रूप में दो वर्ष का अनुभव। वांछनीय
	•		(ii) इल्ष्टेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कस-से-कम चार कोध प्रकाशन सूचीबद हुए हों।
(গ)	सहायक प्रोफेसर/व्या ख प्राता	वही	(i) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त विशेषः ज्ञता अर्हता। (ii) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज मे नवजात विज्ञान में रेजिडेन्ट/रजिस्ट्रार/निवर्णक अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव।
(घ)	अनुशिक्षक/रेजिडेन्ट/रंजिस्ट्रार/ निवर्शक	आयुर्विज्ञान तथा मध्य विज्ञान स्नातक	
,		वृक्क विज्ञान	
(布)) प्रोफेसर	डी०एम० (वृक्क विज्ञान)	 (i) किसी मान्यता प्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज/ शिक्षण संस्थान में वृक्क विज्ञान में रीडर सह प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव। बाछनीय
			(ii) इन्डेकस मेडिकस राष्ट्रीय जर्नल में कम-से-कम चार शोध प्रकाशम और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशम सुचीबद्ध हुआ हो।
(4	r) रीडर/सह-प्रोफेसर	~वही~	 (i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेआ शिक्षण संस्थान में वृक्क विज्ञान में सहावक प्रोफेसर्/व्याद्ध्याता के रूप में दो वर्ष क अनुभव।

1	2	3	Ą
			वांस्रनीय
	ı		(ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम सेकम चार गोध प्रकाशन सूचीवद्ध हुए हों।
(ग)	सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता	डी० एम० (बृक्क लिज्ञान)	(i) विषय में अपेक्षित मान्यता प्राप्त विशेषज्ञता अर्हता ।
			(ii) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेजः में वृक्क विज्ञान में रेजिडेन्ट/रजिस्ट्रार/निदर्शकः अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव।
(খ)	अनुषिक्षक/रेजिडेन्ट/रजिस्ट्रार/ निवर्सक	आयुर्विज्ञान तथा शस्य विज्ञान स्नातक	
		ं तंत्रिका विज्ञाम	
(事)	प्रोफेसर	डी ० एम ० (तंत्रिका विज्ञान)	 (i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज/ शिक्षण संस्थान में तंत्रिका विज्ञान में रीडर/ सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव।
			गांछ नीय
			(ii) इन्डेकस सेडिकस/राष्ट्रीय जर्मल में कम-से-कम चार शोध प्रकाशन और अन्त- राष्ट्रीय जर्मल में एक शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुआ हो।
(4)	रीडर/सह-प्रोफेसर	-वही	 (i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज/ शिक्षण संस्थान में तंत्रिका विज्ञान में सहायक प्रोफेसर/व्यास्थता के रूप में दो वर्ष का अनुभव।
1			बोछनीय .
			 (i_j) इन्डेक्स मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से- कम चार गोंध प्रकाशन सूचीबढ हुए हो।
(ग)	सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता	— वर्श -	(i) विषय में अपेक्षित मान्यता प्राप्त विशेष ज्ञाता आहेता।
•			(ii) किसी मान्यताप्राप्त आयुक्तिसन का बेक में तंत्रिका विज्ञान में रिजडेन्ट/रिजिस्ट्रार/ निवर्शक/अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव।
(¥)	अनुशिक्षक/रेजिडेन्ट/रजिस्ट्रार/ मित्रर्शक	आयुर्विज्ञान तथा शस्य विज्ञान स्नातक	•
		हृद वाहिका एवं वक्ष शरू	प विज्ञान
(本)	भो पेश र	विक्ती निष्णात (एम० सी० एच०)	(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज/
, . <i>J</i>		(ह्र्य वाहिका एवं वक्ष शस्य विज्ञान)	शिक्षण संस्थान में हुद वाहिका एवं वक्ष
		विश्वनी निष्णात (एम० सी० एव०) (हृद शस्य	शस्य विज्ञान/हृद शस्य विज्ञान/वाहिका शस्य

1 2	3	4
	विज्ञान)/चिरुगी निष्णात (एम० सी एच ः) (वक्ष शत्य विज्ञान)	विज्ञान/वक्ष शत्य विज्ञान में रीडर/सह-प्रोकेस के रूप में घार वर्ष का अनुभव। वांछनीय (ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम से कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुआ हो।
(ख) रीडर/सह-प्रोफेसर	-व ही	हा। (i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज शिक्षण संस्थान में हृद वाहिका एवं वक्ष शस्य विज्ञात/हृद शस्य विज्ञान/वाहिका शस्य विज्ञान/ वक्ष शस्य विज्ञान में सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता के रूप में दो वर्ष का अनुभव। वांछनीय (ii) इन्डेकस मंडिकस/राष्ट्रीय जर्मेल में कम
(ग) सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता	बही	से कम चार गोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए हों। (i) विषय मैं अपेक्षित मान्यताप्राप्त विशेष- जना अहैता। (ii) किती मान्यताप्राप्त आयुविज्ञान कालेण में हृद वाहिका एवं वक्ष गल्य विज्ञान/हृद गल्य विज्ञान/वाहिका गल्य विज्ञान/वक्ष शल्य विज्ञान में रेजिडेन्ट/रंजिस्ट्रार/निदर्शक/अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव।
(घ) अनुशिक्षक/रेजिङेन्ट/रजिस्ट्रार/ निवर्शक	आयुर्विज्ञान तथा शस्य विज्ञान स्नातक	-
	मूल विज्ञान (यूरोलाजी)	
(क) प्रोफेसर	चिरुगी निष्णात (एम०सी०एच०) (मूत्रविज्ञान)∵	(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विशान कालेज शिक्षण संस्थान में मूत्रविशान में रीडर/सह- प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव। बांछनीय (ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नेल में कम से कम चार गोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नेल में एक शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुआ हो।
(∙क) रीडर/सह-प्रोफेसर	—व <i>ही</i> —	(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज/ शिक्षण संस्थान में मूलविज्ञान में सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता के रूप में दो वर्ष का अनुभव। वाछनीय (ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम से कम चार शोध प्रकाशन सूचीबढ़ हुए।
(ग) सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता	बही	हों। (i) तिषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त विशेष- ज्ञता अहेता। (ii) किसी मान्यता प्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में मूलविज्ञान में रिजडन्ट/रिजस्ट्रार/निदर्शक/ अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव।

(घ) अनुशिक्षक/रेजिङेन्ट/रजिस्ट्रार आर्युविज्ञान तथा शल्य विज्ञान स्नातक निदर्शक तन्त्रिका भल्य विज्ञान चिर्मा निष्णात (एम सी० एच०) (क) प्रोफेसर (i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान (तंत्रिका शस्य विज्ञान) कालेज/शिक्षण संस्थान 🧃 तन्निका भल्य विज्ञान में रीडर/सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्षका अनुभव । वांछनीय (ii) इन्डेक्स मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम से कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुआ (ख) रीडर/सह-प्रोफेसर (i) किसी मान्यताप्राप्त आर्थुविज्ञान कालेज/ –वही-शिक्षण संस्थान में तंत्रिका शल्य-विज्ञान में सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता के रूप में दो वर्षका अनुभव । वांछनीय (ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम से कम चार शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए हों। (i) विषय में अवेक्षित मान्यताप्राप्त विशेष-(ग) सहायक प्रोफेसर/क्याक्याता -वही-भता अहंसा। (ii) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में तंत्रिका शत्य विज्ञान में रेजिडेन्ट रिजिस्ट्रार नियर्गक/अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव । (म) अनुमिक्षक/रेजिङेन्ट/रजिस्ट्रार/ आयुविज्ञान तथा शल्प विज्ञान स्नातक निदर्शक बाल-चिकित्सा शल्य विज्ञान (क) प्रोफेसर चिएगी निष्णात (एम ः सी० एच०) (i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज/ (बाल चिकित्सा शल्य विज्ञान) शिक्षण संस्थान में बाल चिकित्सा शल्य विज्ञान मं रीडर/सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव। वांछनीय (ii) इन्डेक्स मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम-से-कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुआ (च) रीडर√सह-प्रोफेसर --वही--(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज/ शिक्षण संस्थान में बाले चिकित्सा शस्य विज्ञान में सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता के रूप में दो वर्षकाअन्भव । वांछनीय (ii) इन्डेक्स मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नेल में कम से कम चारणोध प्रकाणन सूचीबद्ध हुए हों। (ग) सहायक प्रोफेसर/ब्याख्याता (i) विषय में अपेक्षित मान्यतात्राज्य –वही⊸ विशेषज्ञता अर्हना ।

	2		(ii) किसी मान्यता प्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में बाल चिकित्ना शल्य विज्ञान में रेजिडेन्ट/ रजिस्ट्रार/निदर्शक/अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव।
(ঘ)	अनुशिक्षक∤रेजिष्ठेग्ट रजिस्ट्रार/निदर्शक	आयुर्विज्ञान तथा शल्य विज्ञान स्नातक	5
		सुघट्य (प्लास्टिक) एवं पुनर्रचना शल्य वि ज्ञान	
(क)	प्रोफेसर	चिस्ती निष्णात (एम ० सी ० एच ०), (प्लास्टिक एवं पुनर्रचना शस्य विज्ञान)/ चिरुगी विष्णात (एम ० सी - एच ०) (प्लास्टिक शस्य विज्ञान)	(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज/ शिक्षण संस्थान में प्लास्टिक एवं पुनर्रचना शस्य विज्ञान/प्लास्टिक शस्य विज्ञान में रीडर/ सह-प्रोफेसर के इप में चार वर्ष का अनुभव वांछनीय
			(ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम- से-कम चार शोध प्रकाशन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में एक शोध प्रकाशन सू श्रीबद्ध हुआ हो।
(ख)	री इर /सह-प्रोफेसर	–वही–	(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज शिक्षण संस्थान में प्लास्टिक एवं पुनर्रचना शत्य विज्ञान/प्लास्टिक शत्य विज्ञान में महायक प्रोफेसर/च्याख्याता के रूप में दो वर्ष का अनुभव । वांछनीय
		·	(ii) इन्डेकस भेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम- से-कम चार शोध प्रकाशन सूचीबद्ध हुए हो ।
(ग)	सहायक प्रोकेसर/व्याख्याता	−वही	(i) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्त विशेष- ज्ञता अर्हता ।
			(ii) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज में प्लास्टिक एवं पुनर्रचना शत्य विज्ञान/ प्लास्टिक शत्य विज्ञान में रिजिडेस्ट/रिजिस्ट्रार/ निदर्शक/अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव।
(ঘ)	अनुषिक्षक∳रेजिडेन्ट रजिस्ट्रार्मनिदर्शक	आर्युविज्ञान तथा घाल्य विज्ञान स्नातक	
		शल्य जठरान्त्ररोग विज्ञान	
(का)	प्रोफेमर	चिन्नगी निष्णात (एम० सी०एव०), (शत्य जठरान्त्ररोग विज्ञान)/शत्य जठरान्त्ररोग विज्ञात में दो वर्ष के विशेष पश्चिम सहित शत्य विज्ञात निष्णात (शत्य विज्ञान)	(ं) किपी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज/ शिक्षण संस्थान में शस्य जठरान्त्ररोग विज्ञान में रीडर/सह-प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव। वांछतीय
			(ii) इन्डेकस मेडिकम/राष्ट्रीय जर्नल में कम- से-फम चार लोब प्रकाणन और अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में एक लोध प्रकाशन सूवीबद्ध हुआ हों।

1	2	3
(ख) रीडर√सह-प्रोफेसर	बही	(i) किसी मान्यताप्राप्त आयुविज्ञान कालेज/ शिक्षण संस्थान में शल्य जठरान्त्ररोग विज्ञान में सहायक प्रोफेसर/व्याख्याता के रूप में दो वर्ष का अनुभव । वांछनीय (ii) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम- से-कम चार शोध प्रकाशन सुचिबद्ध हुए हों।
(ग) सहायक प्रोफेसर/ब्याख्याता	–व ही <i>–</i> -	(i) विषय में अपेक्षत मान्यताप्राप्त विशेष- ज्ञता अर्हता । (ii) किसी मान्यता प्राप्त आयुर्विज्ञान कालेण में शल्य जठरान्त्ररोग विज्ञान में रेजिडेस्ट रजिस्ट्रार/निदर्शक/अनुशिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव ।
(ध) अनुशिक्षक/रेजिडेस्ट/रजिस्ट्रार/निदर्शक	आयुर्विज्ञान तथा गल्य विज्ञान स्नातक ः	
	शल्य अर्बुद्ध विद्या	
(क) प्रोफेसर	चिक्रमी निष्णात (एम सी० एव०) (मल्य अबुदे विद्या) मल्य अबुदे विद्या में दो वर्ष के विभोष प्रशिक्षण सहित मल्य विज्ञान निष्णात (मल्य विज्ञान) अथवा मल्य विज्ञान निष्णात (फर्ण - नासा कंठ विज्ञान) अथवा मल्य विज्ञान निष्णात (अस्थिरोग विज्ञान) अथवा आयुर्विज्ञान वाचस्पित (असुति विज्ञान एव स्त्रीरोग विज्ञान)	संस्थान में गल्य अर्बुझ विद्या में रीडर/सह प्रोफेसर के रूप में चार वर्ष का अनुभव। वांछनीय (1) इन्डेकस मेडिकस/राष्ट्रीय जर्नल में कम
(ख) रीडर/सह-प्रोफेसर	- –वही ––-	(2) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज भिक्षण सस्यान में शस्य अर्जुद्ध विद्या में सहायक प्रोफेसर/ब्याख्याता के रूप में दो वष् का अनुभय। वांछनीय
		(1) इन्डेकस मे डिकस /राष्ट्रीय जर्नल हे क म-से-कम चा र शोध प्रकाशन सूचीबड हुएहों।
(ग) सहायक प्रोफेसर/व्यास्याता	वह ी	(1) विषय में अपेक्षित मान्यताप्राप्ट विशेषज्ञता अर्हता।
		(1) किसी मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान कालेज के अयुर्क विद्या में रेजिडेन्ट/रजिस्ट्रार/निदर्शक/अनु शिक्षक के रूप में तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव।
(घ) अनुशिक्षक/रेजिडेन्ट/रजिस्ट्रार/वि	नेदर्शक आयुर्विज्ञान तथा शल्य विज्ञान स्मातक	,
निम्नलिखित अर्हेताएं भारतीय कि की जाने वाली आर्युविज्ञान वासस्पति	वेश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान √शस्य विज्ञान निष्णात के 3. एफ०	र्ट फ्यूर गयनीकोलेजी'' (स्त्री-रोग विशेषज्ञ) फ्यमी जर्मनी) । आर ् ए० सी ् एस० (फेलोशिप आफ वि
समतुल्य मानी जाएं :	रायर	न आस्ट्रेलियन कालेज आफ सर्जनस)।
 "फैकार्ट फ्यूर चिरूगिया" (पिश्विमी जर्मेनी) । 	(शस्य-विज्ञानी विशेषज्ञ) 4. डिप्स्नो आफ	ोमा सर्टिफिकेट डी० एड्यूडस विशेषक्ष डी 5 मेडिसिन इलेक्ट्रोरेडियोलाजी (आयुर्विकान

इलेक्ट्रो-रेडियोलोजी के विणिष्ट अध्ययन का प्रमाण-पत्न (पेरिस फॉस)।

5. एफ आर० सी० पी० (कनाडा) एफ आर० सी० एस० (कनाडा)।

=----:

- 6. एम० सी० पी० ए० (मेंबरशिप ऑफ दि कालेज ऑफ पेबोलोजिस्ट आफ आस्ट्रेलिया)।
- 7. मनोरोग डिप्लोमा (मैंक गिल विश्वविद्यालय) (मांटरियल कनाडा) ।
- मनोरोग डिप्लोमा (एडिनबारा त्रिश्वविद्यालय)।
- डॉ० पी० एच० ऑफ ऑन हापिकन्स, हावर्ड तथा केलिफोनिया विश्वविद्यालय (संघ राज्य अमरीका)।
- 10. एम० आर० सी० पैथ. (लन्दन) एफ० आर० सी० पैथ (लन्दन)।
- 11. फैंकार्ट प्यूर इन्तरा फेनेह्रटन (आंतरिक आयुर्विज्ञान विशेषज्ञ) (पण्चिमी जर्मनी) ।
- 12. केंडिडेट आफ साईस (विद्या वाचस्पति) आयुर्विज्ञान से प्लास्टिक शत्य-चिकित्सा (हंगरी) —हंगरियन अकादमी आफ मैंडिकल साईमेज, बुदापेस्ट।
- फंकार्ट म्यूर किंडरहेकुण्डे (बाल विशेषज्ञ) (पश्चिम जर्मनी)।
- 14. एस० ए० एस० एस०/एस० एन० ए० एस० एस०/ डी० एन० बी० अर्डा, नेशनल बोर्ड आफ एगजा— मिनेशन, नई दिल्ली डारा 1 जून, 1976 घो था इसके बाद अपेक्षित परीक्षा लेकर व एक वर्ष के शोध अनुभव की शर्त पूरी करने के बाद बोर्ड ने प्रदान की हो ।
- 15. एफ० एफ० आर० यू० के०--परीक्षा के बाद प्रवत्त ।
- 16. एफ० आर० सी० एस० या एम० आर० सी० पी० रॉयल कालेज, यू० के० ।
- 17. विरुगि निष्णात (अस्थिरोग) (लीवरपूल)।
- 18. संघ राज्य अपरीका के विशेषज्ञक वोई द्वारा अमु-मोदित अर्हताएं।
- 19. सुप्रीम अटेसटेशन कमीणन (मास्को) द्वारा प्रदान विद्या वाचस्पित की डिग्री जो भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् द्वारा प्रायोजित विद्यार्थियों को अथवा उन अन्य विद्यार्थियों को जो भारत में स्नासकपूर्व पाठ्य- कम में प्रवेश के लिए मान्यता की न्यूनतम सतौं को पूरा करते हैं और उन्हें पूर्व सोवियत संघ राज्य के संस्थान में स्नातकपूर्व अथवा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में 1989 तक प्रवेश दिया गया हो, जो भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् द्वारा मान्यता प्राप्त हो।

हिप्पणी :— अन्य अर्हताओं को सुल्यांकन परिषद् को संदर्भन किए जाने पर किया जाएगा।

ध्यानार्थ :

- एम० आर० स्ति० थी०, एम० आर० सी० (पैया), एफ० आर० सी० एस०, एफ० एफ० ए० आर० सी० एस० यू० के सभी रामल कालेख द्वारा 11/11/1978 से पहले प्रदश्त डिप्लोमा आफ मेंबरशिप तथा फेलोशिप हैं।
- 2. संघ राज्य अमरीका की विशेषक्षक बोर्ड अर्हता धारक संस्वक बोर्ड की पूर्ण अपेकाएं पूरी कराते हों।
- 3. उच्च विशेषज्ञता धारक (चिरूणि निष्णात, शल्य चिकित्सा निष्णात / (आयुर्विज्ञान डाक्टरेट) को आयु- विज्ञान वाक्स्पति (सामान्य आयुर्विज्ञान) अथवा शल्य चिकित्सा निष्णात (सामान्य शल्य-चिकित्सा) या स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा की परिषद् द्वारा अनुसंशित कोई समतुल्य विहित अहंता चिरूणि निष्णात (एम० सी० एच०), आयुर्विज्ञान निष्णात अहंता, 5 वर्षीय पाठ्यक्रम के बाद पाने वाले उपयुक्त मामलों में इसमें ढील दी जा सकती है।
- 4. 31 मई, 1977 के बाद अनुशिक्षक से उच्च पदों पर शिन्मण नियुक्तियों के लिए यथा-उच्च-विशेषताओं में, ह्रव विज्ञान, वृक्क विज्ञान वक्ष-शरूय चिकित्सा तंत्रिका-शरूय चिकित्सा, प्लास्टिक शरूय विकित्सा, बाल शरूय चिकित्सा, मूलविज्ञान आदि विशेषताओं के लिए उम्मीवनार के पास स्नातकोत्तर डिग्री, सम्बद्ध विशेषज्ञता में होनी चाहिए अर्थात् आयुर्विज्ञान वाचस्पति चिच्चिंग निष्णात जो परिषद द्वारा समय-समय पर अनुमोदित की गई हैं। जहां आयुर्विज्ञान वाचस्पति/चिच्चिंगव निष्णात को अर्थता रखने वाले शिक्षक उन पाठ्यकमों के न हो जो अभी शुक्र नहीं हुए हैं, अर्मुताओं तथा स्नातकोत्तर शिक्षकों के अनुभव में ढील देने के लिए ऐसे मामलों को भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद को भेजा जाए।

आगे यह कि सम्बद्ध उच्च विशेषता स्नातकोसर डिंशी अर्हता रखने की अपेक्षा मौजूदा
शिक्षकों के मामले में लागू नहीं होगी जो शिक्षक के
निविभित पदों पर नियुक्त हैं और प्रास्म्भ में उनकी
नियुक्ति विशेषक्ता विशेष में आयुर्विज्ञान निष्णात शस्य
चिकित्सा निष्णात के बाद दसं वर्ष के प्रशिक्षण विशेष
के उपरांत की गई थी।

- 5. 11-11-78 के बाद ऑजित ब्रिटिण अहंताएं मान्यताबाष्ट्र अहंताएं नहीं रह जाएंगी।
- 6. जनवरी, 1985 से आयुंषिज्ञान कालजो में आने वाले नए शिक्षकों के पास मान्यता प्राप्त भारतीय स्नातको— त्तर अम्युविज्ञान अर्हता होनी चाहिए (भारतीय अर्युविज्ञान परिष्ठय द्वारा मान्यताप्राप्त) ।

डा० एम० सचदेवा स**चिव**

STATE BANK OF INDIA

CENTRAL OFFICE

Mumbai-400 021, the 13th November 1998

CORRIGENDUM

The da'e of notice of General Meeting of shareholders of State Bank of India held at Mumbai on the 21st August, 1998 for election of shareholder Directors published on page No. 3133 in the Gazette of India (Part-III Section-4) dated 22nd August, 1998 (English version), may be read as 17th August, 1998 instead of 7th August, 1998.

Sd./- ILLEGIBLE Managing Director & Group Executive (NBG)

STATE BANK OF TRAVANCORE (ASSOCIATE OF THE STATE BANK OF INDIA)

HEAD OFFICE: THIRUVANANTHAPURAM

Thiruvananthapuram, the 23rd November 1998

NOTICE is hereby given that the tenure of the Office of Shri Jacob Cherian and Dr. N. Mohanakumaran, Directors of the Bank u/s 25 (1) (d) of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, will expire on 28th January, 1999. It has, therefore, become necessary to fill up the said vacancies for a period of three years. Accordingly, nominations are invited from shareholders who are not disqualified u/s. 27 lbld. Such nominations, complete in all respects, must reach the Bank at its Head Office, Poojapura, Thiruvananthapuram - 695 012, on or before 13th January 1999. Nominations received after this date will not be valid.

It is further notified that for the above purpose, a General Meeting of the shareholders of the State Bank of Travancore will be held at Tagore Centenary Hall, Vazhuthacaud, Thiruvananthapuram-695 014 on Saturday the 30th January 1999 at 11 A.M. (IST).

VEPA KAMESAM Managing Director

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 30th October 1998

No. U-16/53/1/94-Med. II (Kerala).—In pursuance of the Resolution passed by E.S.I. Corporation at its meeting held on 25-4-1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the E.S.I. (General) Regulation 1950 and such powers having further delegated to me vide Director General's Order No. 1024(G) dated 23-5-1983, I hereby authorise Dr. A. K. Sudha Rathnam to function as Medical Authority at a monthly remuneration in accordance with the norms from the date she assumes charge for one year, or till a full time Medical Referee joins, whichever is earlier, for centres Kozhikode & Kannur Distt, in Kerala for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificate to them when correctness of the original certificate is in doubt.

DR. (MRS.) S. SINGH Medical Commissioner

New Delhi, the 8th October 1998

No. U-16/53/97-Med. II(Guj).—In pursuance of the Resolution passed by E.S.I. Corporation at its inceiting held on 25-4-1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the ESI (General) Regulation, 1950 and such powers having further delegated to me vide Director General's Order No. 1024(G) dated 23-5-1983, I hereby authorise Dr. R. B. Vyas to function as Medical Authority for Vapi and Ankleshwar contre for the period of one year at a monthly remuncration in accordance with the norms w.e.f. the date the resumes charge or till a full time Medical Referee joins, whichever is earlier, and areas to be allocated by Regional Dy. Medical Commissioner(NWZ) for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

DR. (MRS.) S. SINGH Medical Commissioner

No. U-16/53/97. Med.II(Guj.).—In pursuance of the Resolution passed by E.S.I. Corporation at its meeting held on 25-4-1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the E.S.I (General) Regulation, 1950 and stich powers having further delegated to me vide Director General's Order No. 1024(G), dated 23-5-1983, I hereby authorise Dr. S. K. Majumdar to function as Medical Authority for Asarwa centre for the period of one year at a monthly remuneration in accordance with the norms w.e.f, 22-9-98—21-9-99 till a full time medical Referce joins, whichever is learlier, and areas to be aliocated by Regional Dy. Medical Commissioner (North West Zone) for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

DR. (MRS.) S. SINGH Medical Commissioner

MINISTRY OF LABOUR

EMPLOYEES' PROVIDENT FUND ORGANISATION

(CENTRAL OFFICE)

New Delhi-110066, the 9th November 1998

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. 1,2555.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishment in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I							
Sl. No.	Name	Address of the Establishments	Code No.	Effective date of Exemption	C. P. F. C. File No.		
(1)		(2)	(3)	(4)	(5)		
01.	M/s. D. K. District Co-op. Milk Produces Union P. O. Kolashekar, Mangalore-575005.		KN/4137	01-08-92 to 31-07-95 01-08-95 to 31-07-98	6/44/DLI/97		
02.	No. 5-B/	Subbiah Tools (P) Ltd., 6-A, Industrial Area, Doddaballapur re-561203,	K N/18595	01-08-95 to 31-07-98	6/48/DLI/97		
03.	A-4, Jyot	ntary Compressors & Machineries (P) Ltd. i Complex, 134/I, Infantary Marg, cc-560001,	, KN /18016	01-05-95 to 31-04-98	6,47/DLl/97		
04.		ma Design Punching Centre (P) Ltd., Iain, II Stage, Indiranagar, e-560038.	KN/16611	01-03-95 to 28-02-98	6/49/DLI/97		
05.		thu Cargo Services (P) Ltd., r, SBI Building, Airport Exit Road, e-560017.	KN/18357	01-08-95 to 31-07-98	6/50/DL1/97		
06.	Maruthi Hoody R	M. P. India (P) Ltd. Industrial Estate ajapalya White Field Main Road apura, Post, 5-560048.	KN/18158	01-06-95 to 31-05-98	6/51/ DLI /97		
07.	Il Floor,	oro Agencies, No. 482 II Main Opp. Indranagar Complex, Indra Nagar, II Stage, e-560038.	KN/16501	01-03-95 to 28-02-98	6/52/DLI/97		
08.		loskar Multimedia Ltd. Parllal Road, Kumara Park, West, e-560020.	KN/16252	01-03-95 to 28-02-98	6/4/DLI/98		
09.		er Wel Unit-2, o Co-op. Industrial Estate, Okalipuram, o-560021.	K N/16011	01-04-95 to 31-03-98	6/3/DL/98		
10.	M/s. Yasi Hiriadka Udupi T	•	KN /12184	01-04-94 to 31-03-97	6/2/ DLI/9 8		
11.	Gokul E	S. Ramaiah Institute of Technology, xtension Post, Post, Bangalore-560054.	KN/8146	01-10-94 to 30-09-97	6/1/DL/98		
12.	Yeddadi,	antha Mudrana Ltd., Industrial Estate, cc-575008.	KN/12799	01-04-97 to 31-03-2000	6/38/DLI/97		

SCHEDULE-II

^{1.} The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

^{2.} The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

^{3.} All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

^{4.} The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group. Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered: under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall listle to be cancelled:

- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominec(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. C. PANDEY Regional Provident Fund Commissioner

No. . 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. 1/2571.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rection 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

- SCHEDULE-I

SI. No.	Name & Address of the Establishments	Code No.	Effective Date of Exemption	C. P. F. C's File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
₹1.	M/s. S. M. P. S. Consultants Architages a Engineers Bholanath Sarabhai Building, Khamasa Gate, Ahmedabad-L	GJ/16952	01-06-89 to 31-05-92 & 01-06-92 to 31-05-95 & 01-06-95 to 31-05-98	4/21/ 97 /DLI
2.	M/s. Vardhman, Pabrics: Pvt. Ltd. Plot No. 2411, G. f. D. C. Sachin, Distt. Surat.	GJ/17986	01-06-95 to 31-05-98	4/35/9 7/D LI
3:	M/s. Obic Pabries Ltdo, 850/3, GIDC, Industrial Estate, Makarpura, Baroda-10.	GJ/20826	01-08-86 to 31-07-99	4/98/97/DLI

- 1. The employer in relation to such of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefit admissible under the said Scheme
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/I egal heir(s) of the Employee as compensation
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nomines(s)/Legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. C. PANDEY Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1/1959, DLI/Exemp./89/Pt. I/2578.—WHERFAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinaster reterred to as the said esablishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provider Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinaster referred to as the said Act.

And whereas, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Maharash a from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-1

Sl. No.	Name & Address of the Establishments	Code No.	Effective Date of Exemption	C. P. F. C. File No.
01.	M/s. Indo Balzers Coating Ltd., EL-22' J Block, MIDC Bhosari, Pune-411026.	MH/PN 32076	01-11-97 to 31-10-2000	9/17/DLI/MH/ 98
02.	M/s. Suari Engg. Sorvices—27, Sancole Industrial Estate, Zuarinagar, Goa-403726.	G0a/10077	01-03-97 to 29-02-2000	9/11/ DLI /98
03.	M/s. Agro-Chem Industrial Services, D-4, 4th Floor, Commerce Centre Vasco-da-gama, Goa-403802.	Goa/10078	01-03-97 to 29-02-2000	9/15/DLI/98
04.	M/s. Porfect Projects & Engg. Co D-4 4th Floor, Commerce Centro, Vasco-da-Gama, Goa-403802.	Goa/10338	01-03-97 to 29-02-2000	9/16/DLI/98
05.	M/s. Western Hatcheries Ltd., Post Box No. 77, Plot No. D-1 and D-2, Chincholi MIDC, Solapur-413006.	MH/PN 31608	01-01-97 to 21-12-99	9/14/ DL 1/98

- 1. The employer in relation to such of the said establish ment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of Insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as companied tion.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest

- of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to the cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. C. PANDEY
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. 1/2887.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

No therefore, in exercise of the powers conferred by subsection 2(A) of S.c ion 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

S. Name & Address of the Estt.	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/ Extended	Date of Expiry	Period for Exemptio	C.P.F.C. File No.
1. M/s. The Calcutta Medical Research Institute. 712. Diamond Harbour Road. Calcutta-700027. (alongwith its Branches)	₩3 ′(5)))	2/1953/DLI/EQn/83/P., dated 19-10-95	12-4 97	13-4-97 to 12-4-2000	2/345/DL1/WB
2. M/s, A.B.C. Computers Pvt. Ltd. 43/3, Hazra Road, Calcutta-700019 (alongwith its Branch)	WB/26183	D>,	37-11-96	1-12-96 to 30-11-99	2/4239/DLI/WB

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Contral Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer,
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member the Employees' Provident Fund or the Provident Fund an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the behesits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensa-
- 8. No amendment of the provisions of the Group insurance Scheme shall be made without the prior approv 1 of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. C. PANDEY Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp, /89/Ft. I/2593.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section of the Employee's Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act,

And whereas, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said exablishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinofter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and sub-cet to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi from the operation of the said Scheme for a period 3 years,

SCHEDULE I

SI.	Name & Address of the Establishments	Code No.	Effective Date of Exemption	C. P. F. C. File No.
1.	M/s. Nirula Cooler House Ltd. L-Block Connaught Place New Delhi-110001.	DL/3637	01-10-90 to 30-09-93 & 01-10-93 to 30-09-96 01-10-96 to 30-09-99	3/20/90/DLI
2.	M/s. Impression International A-234 Okhla Industrial Area, Phse-I New Delhi-20.	DL/5525	01-03-89 to 29-02-92 & 01-03-92 to 28-02-95 & 01-03-95 to 28-02-98	3/2/98/DLI

- 1. The employer relation to each of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause(a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended slongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Schemo are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer falls to pay the premium etc. within the duc date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall hable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominec(s)/Legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of chains complete in all respect.

K. C. PANDEY Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/2599.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE—I

Sl.	Name & Address of the Establishments	Code No.	Effective date of Exemption	C. P. F. C's. File No.	
1	2	3	4	5	
01.	M/s. ASCO Engineering Co. 18 New Colony, Model Basti 'New Delhi-110005.	DL/6907	01-09-88 31-08-91 01-09-91 31-08-94 01-09-94 31-08-97	3/7/97/DLI	
02.	M/s. Macawbe Bookny Ltd. 1-8, Green Park Extension, New Delhi-110016.	DL/8824	01-08-89 31-07-92 01-08-92 31-07-95 01-8-95 31-07-98	3/1/98/DLI	

1	2	3	4	5
03.	M/s. Housing and Urban Dovelopment Corn.	DL/6349	01-05-87	3/14/97/DLI
	Hudeo House, Lodhi Road,		30-04-90	
	New Delhi-3.		01-05-90	
			30-04-93	
	,		01-05-93	
			30 - 04-96	
			01 -0 5-96	
			30-04-99	

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Croup Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the Nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc, within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(e)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. C. PANDEY Regional Provident Fund Commissioner

The 10th November 1998

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. 1,2606.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linkod Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

		S	CHED	ULEI		
Sl. No	Name & Address of the Estt.			Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s. Bharathi Soap Works 67/B-1, Amaravathi Road, Goramtla-522035. Guntur Distt. Andhra Pradesh.			AP/13922	1-8-95 to 31-7-98	1/20/98 E.D.
2.	M/s, Spectrum Power Generation Ltd. Door No. 6-28 to 6-29 Behind L.B. Nagar, Muncipal Office Saroornagar, Hyderabad-500035.	٠	•	A.P./26259	1-3-97 to 29-2-2000	1/21/98/E.D.
3.	M/s. Sibar Auto Parts Ltd. Industrial Estate, Ranigunta Road. Tirupati-517506 (AP).	•	•	HY/18114	1-4-96 to 31-3-99	1/12/98/E.D.
4.	M/s. Servet Feeds & Minerals Pv(. Ltd. D-142, Phase-III, Industriaal Area, Jeedimetla. Hyderabad-55.	•	•	AP/HY/18953	1-5-97 to 30-4-2000	1/13/98/E.D.
5,	M/s. Ashok Lyland (Ductron Castidgs Unit) B -15, I.D.A Vppal Hyderabad-500039.			AP/4164	1-1-89 to 31-12-91 1-1-92 to 31-12-94 & 1-1-95 to 31-12-97 & 1-1-98 to 31-12 2000	1/18/98/ AP
6	M/s The Nellore Distt. Co-operative Central Bank Ltd H. O. Nellore-524001.	l.	•	AP/2343	1-7-92 to 30-6-95 & 1-7-95 to 30-6-98 & 1-7-98 to 30-6-2001	1/17/96/E.D.

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause(a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- J. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereus an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the presuram etc. within the due date, as fixed by the Life Insulance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nomince(a)/legal heli(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. C. PANDEY Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/2616.—WIIEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, The Central Provident Fund Commissioner is satisfied that he employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India, in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in schedule II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the Provisions of the said Scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

			SCHEDULE I		r	
SI. No	Name & Aldress of the Estt.	Code N).	No. and Date Govt. Notification vide which Exemption was Grannted/ Extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C's File No
1		3	4	5	6	7
1.	M/s. Nitte Education Trust (R) 7th Floor Ram Bhawan. Complex. Kodialbail Mangalore-575003	KN/12229	2/1959/DL1/Pt. I dated 18-9-97	31-12-96	1-1-97 to 31-12-99	6/15/DLI-96
2,	M/s. Man lovi Motors Balmata Road. Mangalore-575001	KN/3757	Do. dated 4-3-97	31-12-96 24, 7	1-1-97 to 31-12-99	6/32/DLI/96
3,	M/s. Arvind Motors Balmalta Road. Mangalore-575001.	KN/2147	D.s. dated 4-3-97	31-1-97	1-2-97 to 31-1-2000	6/33/DL1-96
4.	M/s. Supreme Motors Balmatta Road. Mangalore-575001	KN/6507	2/1959/DLI/Pt. I/	31-1-97	1-2-97 to 31-1-2000	6/34/DL1/96
5.	M/s. Indo German Plantation Machinery Co-Put Ltd 22-A Ist Phase. Peenya Indl. Area. Bangalore-58.	K.N/2438	Do	28-2-95	1-3-95 to 28-2-98	2/ 4 573/9 2/DL I

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefit admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomine (s)/Legal heir (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt or claims complete in all respect.

Regional Provident Fund Commissioner
S. BHATTACHARJEE

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/4427.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneus Provisions Act. 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group

Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the sald Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and sub-

ject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt cash of the said mentioned establishment in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE_I

S. Name & Address of the Establishment No.	Code No.	Effective date of Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1. M/s. Sud Hotel & Allied Enterprises (P) Ltd My the Estate, Shimla-171003.	PN/10994	1-10-89 to 30-9-92 & 1-10-92 to 30-9-95& 1-10-95 to 30-9-98	12/24/96/D L1
 M/s. Himachal Tanneries Ltd., Bharatgarh Road, Nagar, Dist. Solan (H.P.). 	PN/11705	1-2-92 to 31-1-95 & 1-2-95 to 31-1-98.	12/6/98/DLI
3. M/s. St. Francis Convent School, G.T. Road, Kartarpur,	P N /J7144	1-10-96 to 30-9-99	12/40/98/DLI

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employed, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Acts is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Instruce Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of hie employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lalpse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s) Legal heir (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. C. PANDEY Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/4427.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-1 (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or pay ment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner bereby exempt each of the said mentioned establishment in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner. Orissa from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

	Se	CHEDULE—1		
S. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C's File No.
The S	The Samaj & Units of the Samaj, atyabadi Press, The Gopabandhu Type Foundary bandhu Bhawan, Cuttack-753001.	OR/17 OR/17-A OR/15 & OR/120.	1-3-92 to 28-2-95 & 1-3-95 to 28-2-98	11/1/OR/98
B -19	uvocham I _n dustries Pvt. Ltd., Jagatpura I _n dustrial Estate (New) Jagatpur, ck-754021.	OR/4431	1-3-96 to 28-2-99	11/2/OR/98

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of Insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and gay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
 - 11-359 GI/98

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to be lapsed, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for myment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. C. PANDEY Regional Provident Fund Commissioner

New Delhi-110 066, the 11th November 1998

No. 2/1959/DLI/Fxemp./89/Pt. I/2638.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedu'e-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of herefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Lief Insurance which are more favourable to such employees than the henefits admissible under the Employees' Denosit Linked Insurance Scheme 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme)

NOW. THEREFORE, in exercise of the nowers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/CPFC Notification No and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in schedule II appeared hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the Provisions of the said Scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule -I against their names.

	SCHEDULE-I							
S. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Notificat	Date of Govt. ion vide which on was granted/	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C. File No.	
1	2	3		4	5	6	7	
1.	M/s. the Charotar Iron Factory Anand Sojitra Road Anand, Kheda Gujarat.	GJ/159		DLI/Exemp/89/Pt-I 18-1-94	29-2-96	1-3-96 to 28-2-99	2/4504/92/DLI	
2,	M/s. Kalya _n I _n dustrial Corporation, Kalapa _n a Bhumi Estate Dudheshwa ₁ Road, Ahmedabad-380004	GJ/4503	Do.	dated 26-5-94	31-3-93	1-4-93 to 31-3-96 1-4-96 to 31-3-99	2/5437/94/DLI	
3.	M/s. Valsad Jilla Sahakari Ba _n k Ltd, Azad Chowk Valsad (Gujarat) 40 Branches.	GJ/4662	Do.	dated 18-1-94	31-3-96	1-4-96 to 31-3-99	2/4679/92/ DLI	
4.	M/s. Reliance Engg. Sales Organisation, 16, Maharashtra Society Ellisbridge, Ahmedabad-380006	G J/7265	Do.	dated 3-4-93	28-2-94	1-3-94 to 28-2-97 1-3-97 to 29-2-2000	2/3322/90/DLI	
. 5	. M/s. The Gujarat State Handictafts Development Corporation Ltd. Block 17, 3rd Floor, Ud. og Bhavan Sector-II, Gandhi Nagar-382011 10 Branches	GJ/7283	Do.	dated 6-4-93	28-2-95	1-3-95 to 28-2-98	. 2/2506/90/DLI	
6	 M/s. Sparle (India) Ltd. 3102/A, G.I.D.C. Ankleshwar 393002. 	GJ/9444	Do.	dated 2-12-93	31-12-92	1-4-93 to 31-12-95 1-1-96 to 31-12-98	2/4311/92/DLI	
ب ا	M/s. Everest Chemicals and Minerals Pvt. Ltd. Plot No. 203, G.I.D.C., Vapi-396195	GJ/944 9	Do,	dated 18-1-94	29-2-96	1-3-96 to 28-2-99	2/2757/90/DLI	

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinatter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of Insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

.10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

PART, III-Sec. 4]

- 11. In case of dafault, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. C. PANDEY Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./Pt. I/2649.—WHEREAS THE employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the powers conferred by subsection 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment from the conditions specified in Schedule II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule I against their names.

SCHEDULE-I

St. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/ Extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1,	M/s. Shri Rajkot Lodhika Sah- kari Kharid Vechan Sangh Ltd., Sahkar Triveni, Karan pura, behind Bus stand, Rajkot.	GJ/5673f	2/1959/DL1/89/Exm/ Pt-I dated 6-4-93	30-9-94	1-10-94 to 30-9-97	2/4506/92/DLI
	M/s. Erhardt Leimer (India) Ltd. Saurna y No. 320, Odhav Road, Ahemdabad-382415.	GJ/11087	2/1959/DLI/89/Exm/ Pt-I dated 19-1-94	29-2-96	1-3-96 to 28-2-99	2/2770/90/DLI
3.	M/s. Banaskantha Dist. Co-Op. Milk Producers Union Ltd., Banas Dairy P.B. No. 20, Palanpur-385001, Gujarat.	GJ/3560	2/1959/DLI/89/Exm/ Pt-1 dated 1-1-94	15-8-94	16-8-94 to 15-8-97 16-8-97 to 15-8-2000	2/1725/88/DLI
4.	M/s. Varuna Alloys Pvt. Ltd., A/1/12, G.I.D.C. Industrial Estate, Phase-2, Vatva, Ahmedabad-382445.	GJ/5767-A	S-35014/38/88/SS, II dated 27-6-88	26-6-91	27-6-91 to 26-6-94 27-6-94 to 26-6-97	2/17 5 6/88/ DL J
5.	M/s. Rangsarjan Chemicals, C.I.B., 4 8, G.I.D.C. Estate P.B. No. 32, Ankloshwar-2, Distt. Bharuch.	GJ/9847	2/1959/DLI/89/Exm/ Pt-I	28-2-95	1-3-95 to . 8-2-98	2/3584/9/DLI
6.	M/s. Shreerang Chemicals, 124/125, G.I.D.C., Odhav, Ahmedabad-382415	GJ/10806	2/1959/DLI/89/Exm/ Pt-1 dated 17-1-94	29-2-96	1-3-96 to 28-2-99	2/5329/93/DLI

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt, may, from time to time, direct under clause(a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance

- Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund on an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefit available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer snatt pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme snail be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to citect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Lite Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance beneaus to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled

for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. C. PANDEY Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/2659.—WHEREAS THE employers of the establishments mentioned in Schedule-1 (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Comporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the powers conferred by subsection 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment from the condition specified in Schedule III annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule I against their names,

SCHEDULE-I

SI. No	name & Addres of the Establishment	Code No.	No. and date of Govt. Notification vide which Exemption was granted Exempted	Date of expiry	Period for exemption	C.t.,F.C.'s File No.
- 4	M/s. The Indian Coffee Workers Co-Op. Society Ltd., 2-U.B. and la Road, Delhi-110007	DL-570	2/1959/DL1/Exem/89/ Pt-I gated 17-10-91	31-1-94	1-2-94 10 31-1-97	2/2087/89/DL1
2.	M/s. India International Centre, 40, Mupiler Marg, New Delhi-110003	DL-1520	2/1959/DLI/Exem/89/ Pt-I dated 29-1-96	31-8-97	1-9-97 to 31-8-2000	2/3421/90/DLI
3.	M/s. Rama Vision Ltd., 303-305, Rattan Jyoti, 18, Rajendra Place, New Delhi-1 10002	DL-12129	2/1959/DLI/Exem/89/ Pt-I dated 4-2-97	30-11-93	1-12-93 to 30-11-96	2/2/96/DLI

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinatter reterred to as the employer) shall submit such return; to the Regional Provident rund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of Accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

S. BHATTACHARJEE Regional Provident Fund Commissioner

New Delhi-110 066, the 13th November 1998

No. 2/1959/DLI/Exempt/89/Pt. I/2666.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise fo the powers conferred by subsection 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCEDULE-I

			SCEDOLE-1			
SI. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/ Extended	Date of Expiry		C.P.F.C.'s File No.
1,	M/s. Swich Line Beacham Con- sowers Brands Ltd., Dowlaiswarm East Godawari Distt. Andhra Pradesh	AP/ 4322	2/1959/EDLI/Exem/ S. 35014/61182 dated 2-4-85	3-8-88	4-8-88 to 3-8-91 4-8-91 to 3-8-94 4-8-94 to 3-8-97	2/655/82
2,	M/s. S.R.K.R. Engineering College, Bhimavaram 534202, West Godavari Distt. Andhra Pradesh	AP/UP 17803	Do dated 30-9-91	30-11-93	1-12-93 to 30-11-96	2/3803/91
3.	M/s Sree Mullapud i Venkataraya Memorial Polytechnic P.B. No. 13, Timmarajapuram, Tanuku-534211	AP/UP 8497	Do. dated 23-1-92	28-2-93	1-3-93 to 28-2-96 1-3-96 to 28 2-99	3906
4.	M/s. Prakasa Eugineering Works, Enikepndu, Vijay awada, Krishna Distt521108	AP/GT 6386	Do. dated 3-5-93	31-3-94	1-4-94 to 31-3-97 & 1-4-97 to 31-3-2000	2/3198
5.	M/s. SIFCO Sanath Nagar, Hyderabad-18.	AP 3052	Do. dated 13-8-97	28-2-97	1-3-97 to 29-2-2000	2!3882
6.	M/s. Krishna Engineering Works, Enikepadu Vijayawada-521108	AP 3857	2/1959/EDLI/Exem/ S. 35014/61182 dated 2-2-94	31-1-94	1-2-94 to 31-1-97 1-2-97 to 31-1-2000	2/3191
7.	M/s. Anjenega, Roller Flour Mills Ltd., H-2 & H-3, Agranaram Indus- trial Estate, Vizianagram-531211	AP 16320	Do. dated 23-1-92	31-3-92	1-4-92 31-3-95 & 1-4-95 to 31-3-98	2/3904
8.	M/s Associated Class Industries Division of H S,W & Industries Ltd. P.B.No. 1930, Sanatnagar Hyderabad—500018.	AP 4133	Do. dated 26-12-97	30-11-96	1-12-96 to 30-11-99	2/4207
9.	M/s. Industrial Traning Corporation, B-7, Industrial Estate, Nellore-524004.	AP 13050	Do. dated 27-8-97	31-1-97	1-2-97 31-1-2 00 0	1/73/97

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, involved maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, playment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his cstablishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said. Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said cstablishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already

- adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. C. PANDEY Regional Provident Fund Commissioner

The 13th November 1998

No. 2/1959/DLI/Exempt./89/Pt. I/2679.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Uttar Pradesh from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE_1

	SCF	IEDULE—1		
S. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1,	M/s. Basant Products (India) 26/257-B. Sulan Ganl, Agra-282004.	UP/14224	1-3-90 to 28-2-93 and 1-3-93 to 29-2-96	15(13)DLI/UP/96
2.	M/s. R. B. Motors. Pvt. Ltd., Pratabpura, Agra-282061.	UP/3666	1-3-90 to 28-2-93 & 1-3-93 to 29-2-96	15(4)DLI/UP/96
3.	M/s. Darshan Oils Ltd., Udi Singh Jain Road, Aligarh-202001.	UP/14068	1-1-89 to 31-12-91 & 1-1-91 to 31-12-93 & 1-1-93 to 31-12-95	15(12)DLI/UP/96
4.	M/s. U. P. State Textile Corpn. Ltd., Spinning Mills, Jaspur-244712 Distt. Nainital.	UP/13727	1-8-89 to 31-7-92 & 1-8-92 to 31-7-95	15(11) DLI/UP /96
5.		UP/11760	1-2-89 to 31-1-92 & 1-2-92 to 31-1-95 & 1-2-95 to 31-1-98.	15(3)DLI/U P /96
6.	M/s. Sethi Flour Mills Pvt. Ltd., Chargawan, Gorakhpur (U.P.).	UP/3734	1-11-89 to 31-10-92 & 1-11-92 to 31-10-95	15(19)/DLI/UP/96
7.	M/s. Nainital-Almora Kashetriya Gramin Bank. Waldrof Compound, Nainital-263001, alongwith its branches.	UP/13537	1-5-90 to 30-4-93 & 1-5-93 to 30-4-96.	15(32)/DLI/UP/97
8.	M/s. Teletronix Ltd., Industriat Estate, Bhimtal 2631-36, Distt., Nainital. alongwith its branches.	UP/6996	1-1-93 to 31-12-95 & 1-1-96 to 31-12-98.	15(31)DLI/UP/97
9,	M/s. Zebra Zippers (P) Ltd., (V.S. Nagar) Ramnagar Road, Kashipur Nanital (U.P.).	UP/16073	1-12-93 to 30-11-96.	15(30) DLJ/UP/97

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause(a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the sailent features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of as establishment exempted under the said Act is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that should be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where

- any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable epportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to be lapsed, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomince(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

S. BHATTACHARIEE
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/2692.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or pay ment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and sub-ject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishment in schedule I

from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been gfanted by the Regional Provident Fund Commissioner, M. P. from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-1

SI. No	o. Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective Date of Fxemption	C P.F.C 's File No.
τ	M/s. Scientific Mes. Tachnic Pvt. Ltd., Unit-2. B-14, industrial Estato, ndore-452003.	MP/6541	1-1-97 to 31-12-99	8/1/98/EDLI
	M/s. G. D. Chemicals. Birla Gram Nagda (M.P.).	MP/8447	1-11-95 to 31-10-98	8/2/98
E	M/s. Shiva Food Products, Bai Sahib Ki Pared, Luxami Ganj, Iwalior (M.P.).	MP/9555	1-4-97 to 31-3-2000	8/4/98
F	M/s. Rairu Distilleries, Rairu Farm, Agra Bombay Road, Swalior (M.P.).	MP/7204	1-3-97 to 29-2-2000	8/5/98

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month,
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefit available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to be lapsed, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s)/Legal heir (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in ail respect.

K. C. PANDEY Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exempt./89/Pt. I/2700.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employee Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto the Cen'ral Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishment in schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has heen granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

الاستان المستحد المست

	SCHED	CLE-1		
S		Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s. Fotikalp Processors., Godawn No. 131/E/F/. B/h. Hina Tiles Old Bunder Road., Bhavnagar-I364001.	GJ/2724	1-7-94 to 30-6-97	4/88/97/DLI
2.	M/s. Malvi Mechanical Works. Ruwapari Road., Bhavnagar-I364001.	GJ/4586	1-5-94 to 30-4-97	4/15/97/DLI
3.	M/s. Shri Heat Treat Industrial Corporation. Old junction Road Surendra Nagar-363001. (Gujrat).	GJ/6450	1-2-90 to 31-1-93 & 1-2-93 to 31-1-96 & 1-2-96 to 31-1-99.	4/97/97/DLI
4.	M/s. Tina Reeds Mfg. Co., L-538/5. G.I.D.C. Estate. Odhav. Ahmedabad.	GJ/1 58 78	1-6-93 to 31-5-96 & 1-6-96 to 31-5-99.	4/23/97/DLI
5.	M/s. Ajay Fiber Glass Pvt. Ltd Anik Industrial Estate., Opp. Indekuip Engg. Ltd., P. O. Kuber Nagar. Sardar Nagar. Ahmedabad-382340.	GJ/16060	1-9-89 to 31-8-92 & 1-9-92 to 31-8-95 & 1-9-95 to 31-8-98	4/2/98/DLI
6,	M/s. Gujrat Ambuja Cements Ltd P. O. Ambuj Nagar, Tal Kodinar-362760, Dist, Amreli. Alongwith 7 branches.	GJ/1 75 81	1-2-92 to 31-1-95 1-2-95 to 31-1-98.	4/87/97/DLI
7,	M/s. Neo Structo Construction Pvt. Ltd., Corporate Office 301. Mahaan Terrace, Adajan Road, Surat-395009.	GJ/18826	1-2-96 to 31-1-99.	4/42/97/DLI
8.	M/s. Que Pharma 131/2. G.I.D.C.Industrial Area., Wadhwan city-362030.	GJ/25387	1-8-95 to 31-7-98	4/3/98/DL,I
9,	M/s. The Southern Gujrat Chambers of Commerces & Industry Samruddhi, 4th Floor Makka Pool, Nanpura, Surat-395001.	GJ/23417	1-6-95 to 31-5-98	4/32/97/DLI
10.	A-42, G.I.D.C. Electronic Estate. Gandhi Nagar-382015.	GJ/6938-A	1-1-91 to 31-12-93 1-1-94 to 31-12-96 1-1-97 to 31-12-99.	4/94/97/DL1

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to such of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act. is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees that the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death on an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insutance Corporation of India. and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

Regional Provident Fund Commissioner

12-359 GI/98

UNIT TRUST OF INDIA vide office order No. Wakf /42

Mumbai, the 30th October 1998

No. UT/DBDM/R-144/SPD-71-I/9899.—The amendments to the provisions of the Monthly Income Plan 1994(III), Monthly Income Plan 1995, Monthly Income Plan 1995(II) and Monthly Income Plan 1995(III) made under section 19(1) (8) (c) of the Unit Trust of India Act 1963, (52 of 1963) in relation to the until scheme Monthly Income Scheme 1994(III), Monthly Income Scheme 1995, Monthly Income Scheme 1995(II) and Monthly Income Scheme 1995(III) respectively made under section 21 of the said Act and approved by the Executive Committee in the meeting held on 24th July, 1998 are published herebelow.

A G JOSHI Chief General Manager Business Development and Marketing

Annexure

(1) Ammendments to the provisions of Monthly Income Scheme 1994(III).

Sub-clause (ii) of Clause VII on 'Investment Objective' is amended as :

- (ii) Upto 20% of the funds will be invested in equities and equity related instruments.
- (2) Amendments to the provisions of Monthly Income Scheme 1995.

Sub-clause (ii) of Clause VII on 'Investment Objective' is amended as

- (ii) Upto 20% of the funds will be invested in equities and equity related instruments.
- (3) Amendments to the provisions of Monthly Income Scheme 1995(II).

Under the heading "Details of the Monthly Income Schema 1995(II) [MIS'95(II)] continued" (page 9 of printed offer document).

Sub-clause (ii) of Clause VII on 'Investment Objectives and Policies' is amended as:

(ii) Upto 20% of the funds will be invested in equities and equity related instruments.

Notwithstanding the aforesaid, the proportion of investment in moncy market instruments could be increased consistent with SEBI Guidelines on the same.

(4) Amendments to the provisions of Monthly Income Scheme 1995 (III)

Under the heading "Details of the Monthly Income Scheme 1995 (III) [MIS'95 (III)] continued" (on page 11 of the printed offer document).

Sub-clause (ii) of Clause VII on 'Investment Objective' is Policies' is amended as:

 (ii) Upto 20% of the funds will be invested in equities and equity related instruments.

Notwithstanding the aforesaid the proportion of investment in money market instrument's could be increased consistent with SEBI Guidelines on the same.

OFFICE OF THE ADMINISTRATOR, PUNJAB WAKF BOARD, AMBALA CANTT

Ambala, the 22nd October 1998

Notwithstanding the aforesaid the proportion of investment delegated to Syed Shahid Ali. former Acting Secretary, Punjab Wakf Board, Ambala Cantt. by the former Administrator (Shri Feroz Khan, IRS), with effect from 20-7-1998

- vide office order No. Wakf/42(2)/88-Vol. dated 24-7-1998, I. A. K. Thatai, IRS, Administrator, Punjab Wakf Board, Ambala Cantt. In exercise of the powers conferred undersection 27 of the Wakf Act, 1995, hereby delegate the following powers to Shri M. K. Khan, Chief Executive Officer, Punjab Wakf Board with effect from 3rd October, 1998:—
- 1. Subject to Punjab Wakf Regulations, 1966 framed under-section 68 of the Wakf Act, 1954 read with section 110 and 112(2) of the Wakf Act, 1995 to carry on the day to day administration of the office of the Wakf Board and to exercise the following powers:—
 - (a) Approve tour programme of empolyees of the Board.
 - (b) Grant leave of all kinds to employees of the Board.
 - (c) Sanction of annual increments to employees of the Board.
 - (d) Fix salaries of employees in the sanctioned pay
 - (c) Sanction purchase of stationery, library books religious books upto Rs. 5,000/- at one time subject to availability of funds in the Budget.
 - (f) Sanction purchase of furnitures and fixtures upto Rs. 10.000/- at one time subject to availability of funds in the Budget.
 - (a) Sanction upto Rs. 5.000/- at a time on cost of Petrol/Diesel, servicing of vehicles subject to availability of funds in the budget.
 - (h) Sanction upto Rs. 5.000/- on printing subject to availability of funds in the budget.
 - Sanction upto Rs. 10.000/- in case of maintenance of Wakf properties under Board's management subtect to availability of funds in the budget.
 - (j) Sanction unto Rs. 10 000/- on advertisements, Urs, Muslim Festivals and office functions subject to availability of funds in the Budget.
 - (k) Renew monthly pensions to widows and destitutes and recurring monthly grants to Massids and Makrabs and Vocational aided Institutions.
 - (1) Sanction and navment of Annual Contribution payable to Board under Section 72 of the Wakf Act, 1825 without limit.
 - (m) Accept quotations and tenders in respect of the total estimated value or articles/work dues not exceeding Rs. 10,000/- and supply work order.
 - (n) Issue supply work order in case of purchase of articles and valuation of work upto Rs. 10,000/-
 - (o) Sanction refund of lease money and security of Building Contractor upto Rs. 10,000/- in each case.
 - (p) Sanction of charity upto Rs. 1.000/- in penuine cases subject to availability of funds in the Budget.
 - (q) Sanction expenditure within the approved budget upto Rs. 1.000/- in case of non-recurring expenditure subject to availability of funds in the budget:
 - (c) Sanction refunds other than lease money, earnest money and security of Building Contractors upto Rs. 5,000% in each case;
 - 2 To sanction prescribed court and counsel fee upto Rs. 5,000/- in each case.
 - 3. To sanction legal expenditure up to Rs. 3,000/- in each case.

A. K. THATAI; JRS Administrator.

MEDICAL COUNCIL OF INDIA

The November, 1998

No. MCI-12(2)/98-Med./
—In exercise of the powers conferred by the section 33 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Medical Council of India, with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations, namely:—

- 1. Short title and commencement:—(1) These regulations may be called the "Minimum Qualificacations for Teachers in Medical Institutions Regulations, 1998".
- (2) They shall come into force on the date of ther publication in the Official Gazette.
- 2. Objectives —Appointment of modical teachers, with minimum qualification and experience in various departments of medical colleges and institutions imparting graduate and post-graduate modical education, is a necessary requirement to maintain a standard of teaching.
- 3. Minimum qualification for appointment as a teacher:—Minimum qualification for appointment as a teacher in various departments of a medical college or institution imparting graduate and post-graduate education shall be as specified in the schedules I and II annoxed with these regulations.

SCHEDULE I

Every appointing authority before making an appointment to a teaching post in a medical college or institution shall observe the following norms:—

- 1. All Medical teachers must possess a basic University or equivalent qualification included in any one of the Schedules to the Indian Medical Council Act, 1956, (102 of 1956), They must also be registered in a State Medical Register or Indian Medical Register.
- 2. In the departments of Anatomy, Physiology, Biochemistry, Pharmacology and Microbiology, non-medical teachers may be appointed to the extent of 30% of the total number of posts in the department. A non-medical approved medical M. So. qualification shall be a sufficient qualification for appointment as Lecturer in the subject concerned but for promotion to higher teaching post a candidate must possess the Ph. D. degree in the Subject. The Heads of these departments must possess recognised basic university medical degree qualification or equivalent qualification. However, in the department of Bio-chemistry, non-medical teachers may be appointed to the extent of 50% of the total number of posts in the department. In case of the paucity of teachers in non-clinical departments relaxation upto the Head of the Department may be given by the appointing authority to the

non-medical persons if suitable medical teacher in the particular non-clinical speciality is not available for the said appointment. However, such relaxations will be made only with the prior approval of the Medical Council of India. A non-medical person cannot be appointed as Director or Principal or Dean or Medical Superintendent. In the departments of Community Medicine and Pharmacology, Lecturers in Statistics and Pharmacological Chemistry shall possess M. Sc. qualification in that particular subject from a recognised University.

- 3. Medical teachers in all Medical Colleges except the Tutors, Residents, Registrars and Demonstrators must possess the requisite recognised postgraduate Medical qualification in their respective subjects.
- 4. The appointing authority may consider the holders of equivalent post-graduate qualifications, which may be approved by the Medical Council of India from time to time to have the requisite recognised qualification in the subject concerned.
- 5. The Medical Council of India shall determine equivalent qualification referred to in these regulations.
- 6. The teachers in a medical college or institutution having a total of eight years' teaching experience out of which atleast five years teaching experience as Lecturer or Asstt. Professor gained after obtaining post-graduate degree shall be recognised as post-graduate teachers in broad specialities. In the case of super-specialities only those teachers who possess eight years' teaching experience out of which atleast five years' teaching experience as Lecturer or Asstt. Prof. gained after obtaining the higher speciality degree shall be recognised as post-graduate teachers:

Provided that in the case of super speciality courses which are being newly instituted, matter regarding relaxation of qualification and experience of post-graduate teachers may be taken up by the appointing authority with the Medical Council of India.

- 7. In cases where candidates with requisite experience are not available, a reference may be made by the appointing authority to the Medical Council of India for consideration on merits.
- 8. The names of the teaching posts, academic qualifications and the teaching or research experience required for each teaching post are given in Table I in respect of graduate and post-graduate/higher speciality courses and in Table II in respect of super speciality courses.
- 9. The requirement of publication of four research papers for the post of Associate Professor and eight research papers for the post of Professor may be a desirable qualiafication.

TABLE 1

REQUIREMENTS OF ACADEMIC QUALIFICATIONS. TEACHING AND RESEARCH EXPERIENCE.

Post	Academic qualifications	Teaching/Research Experience	
1	2	3	
Principal/Dean/Director of Medical Institution	Should possess the recognised post graduate medical qualification and other academic qualification from a recognised institution with a minimum of ten years' teaching experience as Professor Associate Professor/Reader in a medical college/Instt. out of which atleast five years should be as Professor in a department. Preference for these appointments may be given to the Heads of the Departments.		
Director/Medical Superintendent of the affiliated teaching hospital	Should possess a recognised post graduate medical Qualification from a recognised Institution with 10 yrs. administrative experience.		
	ANATOMY		
(A) Professor	M.S. (Anatomy)/M.D. (Anatomy)/ M.B.B.S. with M-Sc. (Anatomy)/ M.Sc. (Med. Anatomy) with Ph. D. (Med. Anatomy)/ M.Sc. (Med. Anatomy) with D.Sc. (Med. Anatomy)	 (i) As Reader/Associate Professor in Anatomy for four years in a recognised medical college. Desirable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus / national journal and one research publication in International journal. 	
(B) Reader/Associate Professor	Do.	 (i) As Assistant Professor/Lecturer in Anatomy for five years in a recognised medical college. Desirable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national Journals 	
(C) Assistant Professor/Lecturer	D ₀ .	 (i) Requisite recognised postgraduate qualification in the subject. (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar / Demonstrator/Tutor, 	
(D) Tutor. Demonstrator. Resident or Registrar.	M.B. B.S/ M.Sc. (Medical Anatomy) for non-medical persons.		
	PHYSIOLOGY		
(A) Professor	M.D. (Physiology) / M.B.B.S. with M.Sc. (Physiology)/ M.Sc. (Med. Physiology) with Ph. D. (Med. Physiology)/ M.Sc. (Med. Physiology) with D.Sc. (Med. Physiology)	 (i) As Reader /Associate Professor in Physiology for four years in a recognised medical college. Desirable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national Journal and one research publication in International Journal. 	
(B) Reader/Associate Professor	Do.	 (i) As Assistant Professor / Lecturer in Physiology for five years in a recognised medical college. Desirable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/nationa 	
(C) Assistant Professor/Lecturer	Do.	journals ; (i) Requisite recognised postgraduate qualification in the subject.	

THE GAZETTE OF INDIA, DECEMBER 5, 1998 (AGRAHAYANA 14, 1920) 4071 3 (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstrator/ Tutor. M.B.B.S. (D) Tutor, Demonstrator. M.Sc. (Medical Physiology) for Resident or Registrar. non-medical persons. BIOCHEMISTRY (i) As Reader/Associate Professor M.D. (Biochemistry)/ (A) Professor Biochemistry for four years in a recogni-M.B.B.S. with M.Sc. (Med. Biochem.)/ sed medical college. M.Sc. (Med. Biochemistry) with Ph. D. (Med. Biochemistry)/ M.Sc. (Med. Blochemistry) with Desirable (ii) Minimum of four research publications D.Sc. (Med. Biochemistry) indexed in Index Medicus/national Journal and one research publication in International Journal. (i) As Assistant Professor/Lecturer in (B) Reader/Associate Professor Do. Biochemistry for five years in a recognised medical coilege. Desirable (ii) Minimum of four research publications indexed in Index Medicus/national journals. (i) Requisite recognised postgraduate Do. (C) Assistant Professor/Lecturer qualification in the subject. (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstrator/ Tutor. (D) Tutor/Demonstrator/ M.B.B.S./ Resident/Registrar. M.Sc. (Medical Biochemistry) for non-medical persons.

BIO-PHYSICS

(A) Professor

M.D. (Bio-Physics)/ M.Sc. (Bio-Physics or Medical Biochemistry) with Ph.D. (Bio-Physics)/ M.D. (Physiology) or M.D. (Biochemistry) with one year training in Bio-Physics.

(B) Reader, Associate Professor

Do.

(C). Assistant Professor/Lecturer

Do.

(i) As Reader/Associate Professor in Bio-Physics for four years in a recognised medical college.

Desirable

- (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journal and one research publication in International Journal.
- (i) As Assistant Professor Lecturer in Blo-Physics five years in a recognised medical college.

Desirable

- (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index_Medicus/national journals.
- (i) Requisite recognised postgraduate qualification in the subject.
- (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Ji Resident/Registrar/Demonstrator/ Tutor.

1	2	3
D) Tutor/Demonstrator/ Resident/Registrar.	M.B.B.S. M.Sc. (Bio-Physics or Medical Bio-chemistry) for non-medical person.	
	PHARMACOLOGY	
A) Professor	M.D. (Pharmacology)/ M.B. B.S. with Ph.D (Med. Pharmacology)/ M.Sc. (Med. Pharmacology) with	 (i) As Reader/Associate Professor in Pharmacology for four years in a recognised medical college.
D. Davida, Associate Desferre	Ph.D. (Med. Pharmacology)/ M.Sc. (Med. Pharmacology) with D.Sc. (Med. Pharmacology).	Desirable (jj) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journal and one research publication in International Journal.
3) Reader/Associate Professor	D ₀ .	(i) As Assistant Professor/Lecturer in Pharmaclogy for five years in a reco- gnised medical college.
		Desirable
		(ii) Minimum of four Research publica- tions indexed in Index Medicus/ national journals.
C) Assistant Professor/Lecturer	\mathbf{p}_{o} .	 (i) Requisite recognised postgraduate qua- lification in the subject,
		(ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstrator/ Tutor.
D) Lecturer in Pharmacoutical Chemistry.	M.Sc. (Pharmaceutical Chemistry)	 (i) Requisite reconised postgraduate qualification in the subject. (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstrator/
		Tutor.
B) Tutor/Demonstrator/ Resident/Registrar.	M.B.B.S. M.Sc. (Medical Pharmacology) for non-medical persons.	
	Pathology	
A).Professor	M.D. (Pathology)/ Ph.D (pathology)/ D. Sc. (pathology)	(i) As Reader/Associate Professor in Rathology for four years in a recognised medical college Desirable
		(ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journa and one research publication in Interna- tional Journal.
) Reader/Associate Professor	Do.	 (i) As Assistant Professor/Lecturer in Pathology for five years in a recognised medical college.
		Desirable (ii) minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/ national. journals.
3) Assistant Professor/Leoturer	Do.	(i) Requisite recognised postgraduate quali, floation in the subject.
	·	(ii) Three years teaching experience in the- subject in a recognised medical college as Resident Registrar/Demonstrator/Tutor.
 Tutor/Demhastrator/Resident, Resident/Pathologist/Registrar/ Clinical Pathologist. 		

MICROBIOLOGY

3

(A) Professor

M.D. (Bacteriology)/
M.D. (Microbiology)/
M.B.B.S. with M.Sc. (Med.)
Bacteriology/M.Sc. (Med.)

 (i) As Reader/Associate Professor in Microbiology for four years in a recognised medical college.

Microbiology)/

Ph.D. (Med. Bacteriology)/
M.Sc. (Med. Bact.) with
Ph.D. (Med. Bacteriology)/
M.Sc. (Med. Bacteriology) with
D.Sc. (Med. Bacteriology)/

M. Sc. (Med. Microbiology) with Ph. D. (Med. Microbiology)/
M. Sc. (Med. Microbiology) with D. Sc. (Med. Microbiology)

Desirable

(ii) Minimum of four Research publications' indexed in Index Medicus/National journal and one research publication in International journal.

(B) Reader/Associate Professor

Do.

Do.

 As Assistant Professor/ Lecturer in Microbiology for five years in a r ecognised medical college.

Desirable

- (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journals.
- (i) Requisite recognised postgraduate qualification in the subject.
- (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/ Registrar/ Demonstrator/ Tutor.

(D) Tutor/Demontrator/Resident/ Registrar/Clinical Pathologist.

(C). Assistant Professor/Lecturer

M.B.B.S./M. Sc. (Med. Microbiology) for non-medical persons.

COMMUNITY MEDICINE

(A) Professor

M.D. (Social & Preventive Medicine)/
MD (Community Med.)/

(i) As Reader/Associate Professor in Community Medicine/Social and Preventive Medicine for four years in a recognised Medical College.

Desirable

- (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journal and one research publication in International journal.
- (i) As Assistant Professor/Lecturer in Community Medicine/Social & Preventive Medicine for five years in a recognised Medical college.

Desirable

- (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journals.
- (i) Requisite recognised postgraduate qualification in the subject.
- (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstrator/ Tutor.

(B) Reader/Associate/Professor

Do.

(C) Assistant Professor/Lecturer.

Do.

1 Chatlatics	M.Sc. (Statistics)	(i) Requisite recognised postgraduate quali-
(D) Lecturer in Statistics	194.30. (Signistics)	fication in the subject. (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college
		as Resident/Registrar/Demonstrator/Tutor,
(E) Tutor/Demonstrator/ Resident/Registrar Epidemologist Health Officer.	М. в.В. S.	
	FORENSIC MEDICINE	
(A) Professor	M.D. (Forensic Med.)	 (i) As Reader Associate Professor in Forensic Medicine for four years in a recognised medical college. Desirable
		(ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national Journal and one research publication in International Journal.
(3) Rollot/Associate Professor	Do,	(i) As Assistant Professor/Lecturer in Forensic Medicine for five years in a recognised medical college. Desirable
		(ii) Minimum of four Research Publications indexed in Index Medicus/national journals.
(C) Assistant Professor Lecturer	Do,	 (i) Requisite recognised postgraduate qualification in the subject. (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstator/Tutor.
(D) Tutor/Demonstrator/ Resident/Registrar/Casualty/ Medical Officer/Resident Pathologist.	M.B.B.S.	
I athorogram	GENERAL MEDICINE	
(A) Professor	M.D. (Medicine)/ M.D. (General Medicine)	 (i) As Reader/Associate Professor in General Medicine/Medicine for four years in a recognised medical college. Desirable
		(ii) Minimum of four Research publications in exed inIndex Medicus/national journal and one research publication in International Journal.
(B) Reader/Associat/Professor	Do.	 (i) As Assistant Professor/Lecturer in General Medicine/Medicine for five years in a recognised Medical college. Desirable
		(ii) Minimum of four Research publications indeued in Index Medicus/national journals.
(C) Assistant Professor/Lecturer	Do.	 Requisite recognised postgraduate quali fication in the subject.
		(ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstrator/ Tutor.

	1	2		3
(D)	Tutor/Demonstrator/ Resident/Registrar.	M.B.B.S.	,	
		GENERAL SUR	RGERY	
(A)	Professor	M.S. (Surgery)/ M.S. (General Surgery)	(i)	As Reader/Associate Professor in General Surgery/Surgery for four years in a recognised medical college.
				Desirable:
			(ii)	Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journal and one research publication in International/Journal:.
(B)	Reader/Associate/Professor	Do,	(i)	As Assistant Professor/Lecturer in General/Surgery/Surgery for five years in a recognised Medical college.
				Desirable
			(il)	Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journals.
(C)	Assistant Professor/Lecturer	Do.	(i)	Requisite recognised postgraduate qualification in the subject.
			(ii)	Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar / Demonstrator/Tutor.
(D)	Tutor/Demonstrator/ Resident/Registrar.	M.B.B.S.		
		OBSTRETRIC	S AND GYANEOL	OGY
(A)	Professor	M.D. (Obst. & Gynae-)/ M.S. (Obst. & Gynae.)/	(3)	As Reader/Associate Professor in Obstetrics & Gynaecology for four year in a recognised medical college.
		•		Desirable
				Minimumof fours Reesearch publi- cotihn indexed in Index Medical national journal and one research publication in International Journal.
(B)	Reader/Associate Professor	-do-	•	As Assistant Professor/Lecturer in Obstetrics & Gynaecology for five years in a recognised medical college.
				Desirable
			(ii)	Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus national journals.
(C)	Assistant/Professor Lecturer	-do-	·	Requisite recognised postgraduate qualification in the subject.
			(ii)	Three years teaching experience in the subject in Fa recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstratot/Tutor.
(D) Tutor/ Demonstrator/ Resident/ Registrar	M.B.B.S.		
- 13	359 GI/98			

college as Restdent/Registrar Dem

nstrator/Tutor.

2 3 ._____ PAEDIATRICS (i) As Reader/Associate Professor in M.D. (Paediatrics) (A) Professor Paediatrics for four years in a recognised medical college. Desirable (ii) Minimum of four Research pubcations idexed in Index Medicus/ national journal and one research publication in International Journal. (i) As Assistant Professor/Lecturer in -do-Reader, Associate Paediatrics for five years in Professor a recognised medical college. Desirable (ii) Minimum four Research publications indexed in Index Medicus/ national journals. (i) Requisite recognised postgraduate -do-(C) Assistant Professor. qualification in the subject. (ii) Three years teaching exporience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Dem sutrator/Tutor. (D) Tutori Demonstrator!/ Resident Registrar TUBERCULOSIS AND RESPIRATORY MEDICINE PULMONERY MEDICINE M.D. (Tuberculosis)/ (i) As Reader/Associate Professor in (A) Professor M.D. (TB & Respiratory Disc.)/ Tuberculosis and Respiratory Diseases for four years in a recognised M.D. (Medicine) with medical college. T. D. D, D.T.D., or D.T.C.D. M.D. (TB & Chest Diseases Desirable (ii) Minimum of four Research publi cations index in Index Medicus/ national journal and one research publication in International Journal. -do-As Assis ant Professor/Lecturer in (B) Ros for/Associate Tuberculosis & Respiratory Discases Professor . for five years in a recognised medic 1 college. Desirable. (ii) Minimum of four Researas publications indexed in index Medicus national journals. (i) Requisite recognised postaraduate -do-(C) Assistant Professor/ qualification in the subject. Lecturer (ii) Three years teaching experience in the subject in recognised medical

M.B.B.S.

T ut or/Demonstrator/

Res i dent/Registrar.

LO:

Resident/Registrar/Demonstrator/Tutor.

3 PSYCHIATRY (i) As Reader/Associate Professor in M.D. (Psychiatry)/ Professor (A) 'M.D. (Psychological Med.)/ Psychiatry for four years in a recognised M.D. in Medicine with Diploma in Psychologi-_medical college, Desirable (ii) Minimum of four Research Publications indexed in Index Medicus/national journal and one research Publicatio in International journal. (i) As Assistant Professor/Lecturer Do. (B) Reader/Associate Professor Psychiatry for five years in a recognised medical college. **Dedrable** (ii) Minimum of four Research Publications indexed in Index Medicks/national Journals. (i) Requisite recognised Do. postgraduate Assistant Professor/Lecturer (C qualification in the subject. (ii) Three Years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demon strator/ Tutor. M.B.B.S. Tutor/Demonstrator/ ነውነ Resident/Registrar. DERMATOLOGY, VENEZEOLOGY AND LEPROSY M.D. (Derm. & Ven. / (i) As Reader/Associate Professor in Professor (A)Dermatology and Venereo Logy/leprosy M.D. (Derm. Ven. & Leprosy / M.D. (Dermatology/ for four years in a recognised Medical college. M.D. (Derm. including Ven.)/ M.D. (Derm. including Ven./Lepr.) M.D. (Medicine) with D.V.P. Desirable D.D. Minimum of four Research publications (ii) indexed in journal/national journal and one research publication in Internatinonal) journal. (i) As Assistant Professor/Lecturer in Do. Reader/Associate/Professor **(B)** Dermatology and Venercology/Leprosy for five years in a recognised medical college Destrable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Modicus/national journals. Assistant Professor/Locuster Do. (i) Requisite | recognised postgraduate (C) qualification in the subject. Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as

Note: For all teaching appointments in Psychiatry to be made after 31st May 1997 the candidates must possess the M.D. degree in Psychiatry and the holders of D.P.M. qualifications (irrespective of the duration of the course will not be eligible for such appointments thereafter.

M.B.B.S.

Tutor/Demonstrator/

Resisdent/Registrar.

(D)

Provided that the requirements of possessing M.D. degree in Psychiatry shall not be applicable for higher appointments on the case of existing teachers holding regular teaching post whose appointment was initially made on the basis of holding D.P.M. qualification of two years duration.

Foot Note: Where the department of Venereology and Dermatology are bifurcated the following qualification will be required in the bifurcated departments of Venereology and Dermatology.

	1	2	3
	For Venercolo		For Dermatology
M.D.	(Venercology))	 M.D. (Dermatology) M.D. (Dermatology & Venereology) M.D. (Medicine) with Diplon a in Dermatology.
	,	O RTHOPA	EDICS
A)	Professor	M.S. (Orthopaedics)	 (i) As Reader/Associate Professor in Ortho- paedics for four years in a recognised medical college.
			Desirable
		•	 (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journal and one research publication in International journal
(B)	Reader/Associate Professor	Do.	 (i) As Assistant Professor/Lecturer in Ortho- paedics for five years in a recognised medical college.
			Desirable
			 (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journals
(C)	Assistant Professor/Lecturer	Do.	 (i) Requisite recognised postgraduate qualification in the subject.
			(ii) Three Years reaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar /Demonstrator / Tutor
(D)	Tutor/Demonstrator/ Resident/Registrar	M.B.B.S.	
		ANAE	STHESIOLOGY
(A)	Professor	M.D. (Anaesthesiology M.S. (Anaesthesiolog	
			Desirable
			(ii) Minimum of four Research 'publication indexed in Index Medicus/national journal and one research publication in International journal.
(B)	Reader/Associate Professor	Do.	 (i) As Assistant Professor/Lecturer in Anaesthesiology for five years in recognised medical college. Desirable
			(i) Minimum of four Research publication indexed in Index Medicus/nationa journals.
(C)	Assistant Professor/Lectures	Do.	(i) Requisite recognised postgraduate qualification in the subject.
			(ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medica collegeas Resident/Registrar/Demonstra-
			tor/Tutor,

RADIO-DIAGNOSIS Professor M.D. (Radio-Diagnosis)/ (1) As Reader/Associate Professor in Radio-(A) M.D. (Radiology)/ Diagnosis/Radiology for four years in a recognised medical college. M.S. (Radiology) Desirable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journal and one research publication in International journal. (B) Reader/Associate Professor Do. (i) As Assistant Professor/Lecturer in Radio-Diagnosis/Radiology for five years in a recognised medical college. Desirable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journals. (i) Requisite recognised postgraduate Assistant Professor/Lecturer Do. (C) qualification in the subject. (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstrator/ Tutor. M.B.B.S. (D) Tutor/Demonstrator/ Resident/Registrar, RADIO-THERAPY Professor M.D. (Radio-Therapy)/ (i) As Reader/Associate Professor in Radio-(A) Therapy/Radiology for four years in a M.D. (Radiology)/ recognised medical college. M.S. (Radiology) Desirable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journal and one research publication in International journal. Reader/Associate Professor Do. (i) As Assistant Professor/Lecturer in Radio-(B) Thorapy/Radiology for five years in a recognised medical college. Desirable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journals. Assistant Professor/Lectuerer Do. (i) Requisite recognised postgraduate qualification in the subject. (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstrator/ Tutor. M.B.B.S. Tutor/Demonstrator/ **(D)**

Resident/Registrar

(A) Professor M.S. (Oto-Rhino-Laryagology) (B) Reader/Associate Professor (C) Assistant Professor/Lecturer (D) Tutor/Demonstrator/Readent/ (D) Tutor/Demonstrator/ (D) Tutor/Demonstrator/Readent/ (D) Tutor/Demonstrator/Readent/ (D) Tutor/Demonstrator/Readent/ (D) Tutor/Demonstrator/Readent/ (D) Tutor/Demonstrator/Readent/ (D) Tutor/Demonstrator/ (D) Tutor/Demonstrator/Readent/ (D) Tutor/Demonstrator/Readent/ (D) Tutor/Registrat/Readent/ (D) Tutor/Regi		1	2	3
(B) Reader/Associate Professor (C) Assistant Professor/Lecture (B) Professor (C) Assistant Professor/Lecture (B) Reader/Associate Professor (C) Assistant Professor/Lecture (B) Professor (C) Assistant Professor/Lecture (B) Reader/Associate Professor (B) Reader/Associate Professor (B) Reader/Associate Professor (C) Assistant Professor/Lecture (C) Assistant Professor/Lecture (B) Reader/Associate Professor (C) Assistant Professor (B) Reader/Associate Professor (B) Reader/Associate Professor (C) Assistant Professor/Lecture (C) Assistant Professor/Lecture (B) Do. (C) Assistant Professor/Lecture (C) Assistant Professor/Lecture (B) Reader/Associate Professor (B) Reader/Associate Professor (B) Reader/Associate Professor (C) Assistant Professor/Lecture (B) Reader/Associate Professor (B) Reader/Associate Professor (B) Reader/Associate Professor (B) Reader/Associate Professor (B) Reader Reader/Associate Professor (B) Reader Reader/Associate Professor (B) Reader Reader/Associate Professor (B) Reader Professor (B) Reader Professor (B) Reader Reader/Associate Professor				
Reader/Associate Professor	745	Durforg		(i) As Design/Associate Durforger in Otto
(B) Reader/Associate Professor Do. Column	(A)	Professor	M.S. (Oto-Ringo-Laryngology)	Rhino/Laryngology for four years in a recognised medical college.
A xxistant Professor/Lecturer De. De	(Bi)	Reader/Associate Professor	Dσ.	(ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journal and one research publication in International journal.
(i) Three years teaching experience in the subject (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstrator/Tutor. (D) Tutor/Demonstrator/ Resident/Registrar: (A) Professor M.S. (Ophthalmology) M.D.	• •			Oto-Rhino:Laryngology for five years in a recognised medical college. Desirable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national
Resident/Registrar: (A) Professor M.S. (Ophthalmology) M.D. (Ophthalmology) Dostrable (ii) Maintum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journal and one research publication in International Journal. (i) As Assistant Professor/Lecturer in Ophthalmology for five years in a recognised medical college. Destrable (ii) Minimum of our Research publications indexed in Index Medicus/national journal indexed in Index Medicus/national journal. (ii) As Assistant Professor/Lecturer in Ophthalmology for five years in a recognised medical college. Destrable (iv) Minimum of our Research Publications indexed in Index Medicus/national journals. (ii) As Assistant Professor/Lecturer in Ophthalmology for five years in a recognised medical college. Destrable (iv) Minimum of our Research publications indexed in Index Medicus/national journals. (ii) As Assistant Professor/Lecturer in Ophthalmology for five years in a recognised medical college. Destrable (ii) Minimum of our Research publications indexed in Index Medicus/national journals. (ii) As Assistant Professor/Lecturer in Ophthalmology for five years in a recognised medical college. Destrable (iii) Minimum of our Research publications in Indexem Medicus in Indexem Medicus on in a recognised medical college. Destrable (ii) Minimum of our Research publications in Indexem Medicus in Indexem Medicus on in a recognised contre/minimum of our Research publications in Indexem Medicus on in the subject. (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised professor/Lecturer in Nuclear Medicus on in the subject. As Reader in Nuclear Medicus on the subject. (ii) Minimum of our Research publications indexed in Indexem Medicus on Indexem Indexem Indexem Indexem I	(C)	Assistant Professor/Lecturer	Dø.	qualification in the subject. (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstrator/
M.S. (Ophthalmology) M.D. (Oph	(D)		····	
M.D. (Ophthalmology) Ophthalmology for four years in a recognised medical college. Petraple (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicine/inational journal and one research publications indexed in Index Medicine/inational journal and one research publication in International Journal one research publication in International Journal. (i) As a sasistant Professor/Lecturer in Ophthalmology for five years in a recognised medical college. Destrable (ii) Minimum of four Research Publications indexed in Index Medicus/national journals. (i) Requisite recognised postgradudate qualification in the subject. (ii) Tutor/Demonstrator/Resident/ Registrar NUCLEAR MEDICINE (A) Professor (A) Professor M.D. (Nuclear Medicine)/M.D. (Radio-Therapy) with two years experience in Nuclear Medicine in a recognised centre/M.D. (Modicine) with DRM OR DNM/M.D. (Modicine) with DRM OR DNM/M.D. (Modicine) with DRM OR DNM/M.D. (Modicine) in Nuclear Medicine in a recognised centre/M.D. (Bio-Physics) or its equivalent qualification in Bio-Physics with DRM or DNM OR DNM/M.D. (Bio-Physics) or its equivalent qualification in Bio-Physics with DRM or DNM OR DNM/M.D. (Bio-Physics) or its equivalent qualification in Bio-Physics with DRM or DNM OR DNM/M.D. (Bio-Physics) or its equivalent qualification in Bio-Physics with DRM or DNM OR DNM/M.D. (Bio-Physics) or its equivalent qualification in Bio-Physics with DRM or DNM OR DNM/M.D. (Bio-Physics) or its equivalent qualification in Bio-Physics with DRM or DNM OR DNM/M.D. (Bio-Physics) or its equivalent qualification in Bio-Physics with DRM or DNM OR DNM/M.D. (Bio-Physics) or its equivalent qualification in Bio-Physics with DRM or DNM OR DNM/M.D. (Bio-Physics) or its equivalent qualification in a recognised centre/ Do. As Reader in Nuclear Medicine for four years in a recognised medical college. As Lecturer in Nuclear Medicine qualification in a recognised medical college. Requisite recognised postgraduate qualification in a recognised medical college.				
Reader/Associate Professor Do. Go.	(A)	Professor	·	Ophthalmology for four years in a recognised medical college. Desirable
Compared medical college Destrable Compared medical college Compared medi			• .	indexed in Index Medicus/national journal and one research publication in International journal.
(C) Assistant Professor/Lecturer Do. (i) Requisite recognised postgradudate qualification in the subject. (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstrator/Tutor. (D) Tutor/Demonstrator/Resident/ Registrar NUCLEAR MEDICINE (A) Professor M.D. (Nuclear Medicine)/M.D. (Radio-Therapy) with two years experience in Nuclear Medicine in a recognised centre/M.D. (Medicine) with DRM OR DNM/M.D. (Radio-Diagnosis) with two years experience in Nuclear Medicine in a recognised centre/M.D. (Bio-Physics) or its equivalent qualification in Bio-Physics or its equivalent qualification in Bio-Physics with DRM or DNM OR DNB in Nuclear Medicine with two years experience in Nuclear Medicine in a recognised centre/ M.D. (Bio-Physics) or its equivalent qualification in Bio-Physics with DRM or DNM OR DNB in Nuclear Medicine with two years experience in Nuclear Medicine for .tive years in a recognised medical college. (C) Lecturer Do. As Lecturer in Nuclear Medicine for .tive years in a recognised medical college. Requisite recognised postgraduate qualification in in the subject.	(B)	Reader/Associate Professor	D o.	Ophthalmology for five years in a re- cognised medical college.
qualification in the subject. (ii) Three years teachin, experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstrator/Tutor. (D) Tutor/Demonstrator/Resident/ Registrar NUCLEAR MEDICINE (A) Professor M.D. (Nuclear Medicine)/M.D. (Radio-Therapy) with two years experience in Nuclear Medicine in a recognised centre/M.D. (Medicine) with DRM OR DNM/M.D. (Radio-Diagnosis) with two years experience in Nuclear Medicine in a recognised centre/M.D. (Radio-Diagnosis) with two years experience in Nuclear Medicine in a recognised centre/M.D. (Bio-Physics) or its equivalent qualification in Bio-Physics with DRM or DNM OR DNB in Nuclear Medicine with two years experience in Nuclear Medicine with two years experience in Nuclear Medicine in a recognised centre/ (B) Reader Do. As Lecturer in Nuclear Medicine for tive years in a recognised medical college. As Lecturer in Nuclear Medicine for tive years in a recognised medical college. Regulation in the subject.				indexed in Index Medicus/national
Subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstrator/Tutor. (D) Tutor/Demonstrator/Resident/ Registrar NUCLEAR MEDICINE	(C)	Assistant Professor/Lecturer		qualification in the subject.
NUCLEAR MEDICINE (A) Professor M.D. (Nuclear Medicine)/M.D. (Radio-Therapy) with two years experience in Nuclear Medicine in a recognised centre/M.D. (Medicine) with DRM OR DNM/M.D. (Radio-Diagnosis) with two years experience in Nuclear Medicine in a recognised centre/M.D. (Radio-Diagnosis) with two years experience in Nuclear Medicine in a recognised centre/M.D. (Bio-Physics) or its equivalent qualification in Bio-Physics with DRM or DNM OR DNB in Nuclear Medicine with two years experience in Nuclear Medicine in a recognised centre. (B) Reader Do. As Lecturer in Nuclear Medicine for tive years in a recognised medical college. Requisite recognised postgraduate qualification in the subject.				subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstrator/
M.D. (Nuclear Medicine)/M.D. (Radio- Therapy) with two years experience in Nuclear Medicine for four Medicine in a recognised centre/M.D. (Medicine) with DRM OR DNM/M.D. (Radio-Diagnosis) with two years experience in Nuclear Medicine in a recognised centre/ M.D. (Bio-Physics) or its equivalent qualification in Bio-Physics with DRM or DNM OR DNB in Nuclear Medicine with two years experience in Nuclear Medicine in a recognised centre. (B) Reader Do. As Lecturer in Nuclear Medicine for four years in a recognised medical college. (C) Lecturer Do. Requisite recognised postgraduate qualification in the subject,	(D)			
Therapy) with two years experience in Nuclear Medicine in a recognised centre/M.D. (Medicine) with DRM OR DNM/M.D. (Radio-Diagnosis) with two years experience in Nuclear Medicine in a recognised centre/ M.D. (Bio-Physics) or its equivalent quali- fication in Bio-Physics with DRM or DNM OR DNB in Nuclear Medicine with two years experience in Nuclear Medicine in a recognised centre. (B) Reader Do. As Lecturer in Nuclear Medicine for tive years in a recognised medical college. (C) Lecturer Do. Requisite recognised postgraduate quali- tication in the subject,	(4)	Professor		Ac Dander in Nucleus Madisius to the
in Nuclear Medicine in a recognised centre/ M.D. (Bio-Physics) or its equivalent qualification in Bio-Physics with DRM or DNM OR DNB in Nuclear Medicine with two years experience in Nuclear Medicine in a recognised centre. (B) Reader Do. As Lecturer in Nuclear Medicine for five years in a recognised medical college. (C) Lecturer Do. Requisite recognised postgraduate qualification in the subject,	(A)	L10102201	Therapy) with two years experience in Nuclear Medicine in a recognised centre/M.D. (Medicine) with DRM OR DNM/M.D.	years in a recognised-medical colleg .
(B) Reader Do. As Lecturer in Nuclear Medicine for five years in a recognised medical college. (C) Lecturer Do. Requisite recognised postgraduate qualification in the subject.			in Nuclear Medicine in a recognised centre/M,D, (Bio-Physics) or its equivalent qualification in Bio-Physics with DRM or DNM OR DNB in Nuclear Medicine with two year experience in Nuclear Medicine in a	
years in a recognised medical college. Requisite recognised postgraduate quali- tication in the subject.	(B)	Reader	Do,	As Lecturer in Nuclear Medicine for five
	(C)	Lecturer	Do.	years in a recognised medical college. Requisite recognised postgraduate quali-
	(D)	Tutor/Registrar/Resident		

1 NUTRITION M.D. in Biochemistry/Physiology/Pathology/ (i) As Reader/Associate Professor in Nu-(A) Professor trition for four years in a recognised Medicine/Social and Preventive Medicine/ Com. Medicine or Paediatrics with M.Sc. in medical college. applied Nutrition or special training for a Desirable (ii) Minimum of four Research publications period of one year. indexed in Index Medicus/national journal and one research publication in International Journal. (i) As Assistant Professor/Lecturer in (B) Reader/Associate Professor Do. Nutrition for five years in a recognised medical college. Desirable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journals. Do. (i) Requisite recognised postgraduate (C) Assistant Professor/Lecturer qualification in the subject. (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstrator Tutor. (D) Tutor/Demonstrator/Resident M.B.B.S. Registrar. PHYSICAL MEDICINE AND REHABILATION M.D. (P.M.R.)/M.D. (Medicine) with (i) As Reader/Associate Professor in Phy-(A) Professor Diploma in PMR/M.S. (General Surgery)/ sical Medicine and Rehabilitation for four years in a recognised medical M.S. (Orthopaedics) with two years special training in the Speciality of Physical Medicine college. and Rehabilitation (Rehabilitation Desirable (ii) Minimum of four Research publications Medicine) or two years of equivalent indexed in Index Medicus/national training approved in the subject in any journal and one research publication approved institution in India. in International Journal. (i) As Assistant Professor/Lecturer in Do. (B) Reader/Associate Professor Physical Med." and Rehabilitation [for five years in a recognised medical college. Desirable (ii) Minimumo of four Research publications indexed in Index Medicus/national iournals. (C) Assistant/Professor Lecturer Do. (i) Requisite recognised posteradmatee qualification in the subject. (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised [medical college/ as Resident/Registrar/Demonstrator Tutor. (D) Tutor/Demonstrator/Resident/ M.B.B.S. Registrar. **HUMAN METABOLISM** M.D. (En toprinology) or M.D. (Medicine)/ (i) As Reader/Associate Professor in (A) Professor M.D. (Paed.) with two years special training End scrinology, Human Metabolism in Endocrinology. for four years in a recognised Imedical college. Desirable (ii) Minimum of f ur Research publications indexed in Index Medicus/national journal and one research publication in international Journal.

publications indexed in Indexed

Resident/Registrar/

Medicus/national journals.

qualification in the subject.

(ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical

as

Demonstrator/Tutor.

college

(i) Requisite recognised postgraduate

(C) Assistant Professor/Lecturer

Do.

	1	2	3
(D)	Tutor/Demonstrator/Resident/ Registrar.	M.B.B.S.	,
		FAMILY MEDICINE	
(A)	Professor	M.D. (Family Medicine)/ M.D. (General Medicine)	 (i) As Reader/Associate Professor in Family Medicine/General Medicine for four years in a recognised medical college. Desirable
			(ii) Minimum of four Research publica- tions indexed in Index Medicus/ national journal and one research publication in International Journal.
(B)	Render/Associate Professor	Do.	 (i) As Assistant Professor/Lecturer (in Family Medicine/General Medicine for five years in a recognised medical college. Desirable
			 (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journals.
(C)	Assistant Professor/Lecturer	Do.	 (i) Requisite recognised postgraduate qualification in the subject.
			(ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college a Resident/Registrar/Demonstrator/Tutor
(D)	Tutor/Demonstrator/Resident/Registrar.	M.B.B.S.	
		AVIATION MEDICINE/AEROSPAC	CE MEDICINE
(A)	Professor	M.D. (Aviation Medicine)/ M.D. (Aerospace Medicine)	 (i) As Reader/Associate Professor in Aviation Medicine/Aerospace Medicine for four years in a recognised medical college. Desirable
			(ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journal and one research publication in International Journal.
(B)	Reader/Associate Professor	Do.	(i) As Assistant Professor/Lecturer in Aviation Medicine/Aerospace Med. for five years in a recognised [medical college. Desirable
			(ii) Minimum of four Research publication, indexed in Index Medicus/national journals.
(C)	Assistant Professor/Lecturer	Do.	(i) Requisite recognised postgraduate qualification in the subject.
			 (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstrator/ Tutor.
(D)	Tutor/Demonstrator/Resident/Registrar.	M.B.B.S.	
		GERIATRICS	the Anna Bull Assessed to the Control of the Contro
(A)	Professor	M.D. (Family Medicine)/ M.D. (General Medicine)/ M.D. (Geriatrics)	(i) As Reader/Associate Professor in Family Modicine/General Medicine/Geriatrics for four years in a recognised medical college.
			Desirable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journal and one research publication in International Journal.

	1	2	3
(B) R	eader/Associate Professor	M.D. (Family Medicine)/ M.D. (General Medicine)/ M.D. (Geriatrics)	(i) As Assistant Professor/Lecturer in Family Medicine/General Medicine/Geriatrics for five years in a recognised medical college. Desirable
			(ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicul/national journals.
(C) A	Assistant Professor/Lecturer	Do.	 (i) Requisite recognised postgraduate qualification in the subject. (ii) Three years teaching experience in the
(T)	Thus 175 may 175 175 175 175 175 175 175 175 175 175		subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstrator/, Tutor.
	Tutor/Demonstrator/Resident/ Registrar.	M.B.B.S.	
		HEALTH ADMINISTR	AATION
(a) F	Professor	M.D. (Health Administration)/ M.D. (Hospital Administration)/ M.D. (Community Health Administration)	 (i) As Reader/Associate Professor in Health Administration/Community Medicine/Social and Preventive Medi- cine/Hospital Administration for four years in a recognised Medical College,
			Desirable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journal and one research publication in International Journal.
(b)	Reader/Associate Professor	-Do-	(I) As Assistant Professor/Lecturer in Health Administration/Community Medicine/SPM/Hospital Administration for five years in a reconised Medical College.
			Desirable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journals.
(0)	Assistant Professor/: Lecturer	- D o-	 Requisite recognised postgraduate qualification in the subject.
			(ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstrator/
(d)	Tutor/ Demonstrator/ Resident/ Registrar/	M.B.B _e S.	Tutor.
		HOSPITAL ADMINISTRATI	OM ·
(e)	Professor	M.D. (Hospital Administration)/ M.D. (Community Health Admn.)/ M.D. (Health Administration)	(i) As Reader/Associate Professor in Hospital Administration/Community Medicine/SPM/Health Administration for four years in a recognised Medical College. Desirable
^			(ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journal and one research publication in International Journal.
(b)	Reader/Associate Professor	-D ₀ .	 (i) As Assistant Professor/Lecturer in Hospital Administration/Community Medicine/SPM/Health Administration for five years in a recognised Medical College.

1	2		3
			Desirable
			Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journals.
(c) Assistant Professor/ Lecturer	M.D. (Hospital Administration)/ M.D. (Community Health Admin.)/ M.D. (Health Administration)	(i)	Requisite recognised postgraduate qualification in the subject.
			Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstrator/
			Tutor.
(d) Tutor/ Demonstrator/ Resident/ Registrar	M. B B.S.		
Kelligi [a]	SPORTS ME	DICINE	
(A) Professor	M.D. (Sports Medicine)/		(i) As Reader/Associate Professor in Sports
	M.S. (Orthopaedics)/ M.D. (Physical Medicine & Rehabilitation)/M.D. (Physiology) with 2 years experience in sports medicin	ne	Medicine/Orthopaedics/ Physical Medi- clae and Rehabilitation for four years in a recognised Medical College.
	with a your supprisites it above meaning	14.	Desirable
· `			 (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national Journal and one research publication in International journal.
(B) Reader/Associate Professor	Do.		(i) As Assistant Professor/Lecturer in Sports Medicine/Orthopaedics/Physical Medicine and Rehab, for five years in a recognised Medical College.
			Desirable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national Journals.
C) Assistant Professor/Lecturer	Do.	. ,	 (i) Requisite recognised postgraduate qualification in the subject. (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrat/D. monstrator Tutor.
(D) Tutor/Demonstrator/Reside	ont/ MBBS		24601,
Registrar	TROPICAL MEDICIN	F	
(A) Professor	M. D. (Tropital Medicine)/ M.D. (General Medicine)/ M. D. (Micorbiology) plus two years e		(i) As Reader/Associate/Professor in Topical M.dicine/General Medicine for four years in a recognished Medical
	in clinical medicine.		college. Desirable
		((ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journal and one research publication in International Journal.
B) Reader/Associate Profesor	Do,	•	(i) As Assistan/Professor/Lecturer in Tropical Medicine/General/Medicine for five years in a recognised Medical college.
		(Desirable (ii) Minimum of four Research publications Indexed in Index Medicus/national journals.
(C) Assistant Professor/Lecture	Do.		 Requisited recognised postgraduates pualification in the subject.
			 (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstrator/ Tutor.

1	2	3	4	
	utor/Demonstrator/ Resident/Registrar.	M,B,B,S,		
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		RHEUMATOLOGY		
(A) Pro	Dfessor	M. D. (Rheumatology) M. D. (Medicine) with 2 years experience in Rheumatology/Immunology.	 (i) As Reader/Assiociates Professor in Rhe- umatology for four years in a recognised Medical College. 	
			Disirable	
			(i) Minimum of four Research publications Indexed in Index Medicus/national journal and one research publication in International Journal.	
(B) Ro	ader/Associate Professor	Do.	(i) As Assistant Professor/Lecturer in Rhon-matology for five years in a recognised Medical College.	
			Desirable	
			 (i) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journals. 	
(C) As	ssistant/Professor/Lecturer	Do.	 Requisite recognised postgraduate quali- fication in the subject. 	
			 (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college a. Resident/Registrav/Demonstrator Tutor. 	
(D)	Tutor/Demonstrator/	M.B.B.S,		
	Resident/Registrar	HEALTH EDUCATION	ON	
(A)	Professor	M.D. (Social & Prev. Med.)/ M. D. (Community Medicine)/ M. D. (Health Administration)	 (i) As Reader/Associate Professor in Health Education for four years in a recognised Medical College. 	
			Disirable	
		-	(ii) Minimum of four Research publica- tions indexed in Index Medicus! national journal one research publi- cation in International Journal	
(B)	Reader/Associate Professor	Do.	 (i) As Assistant /Professor/Lecturer in Health Education for five years in recognised Medical College. 	
	-		Desirable	
			 (i) Minimum of four Research publica- tions in indexed national journal/na- tional journals. 	
(C)	Asstt.¶Professor/ Lecturer	Do.	(i) Requisite recognised postgraduate qualification in the subject.	
			 (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/De- manstrator/Tutor. 	
(D)	Tut r/	M _a B _a B _a S _a		
	Demonstrator/ Resident/ Registrar			

]	2	3			
(A)	Professor	MARINE MEDIC M.D. (Physiology)/ M.D. (Medicine) with two years special training in Marine Medicine	(i) As Reader/Associate Professor in Marine Medicine or four years in recognised Medical College. Desirable (i) Minimum four Research publications indexed in Index Medicus/national journal and one research publication in international Journal.			
(B)	Reader/Associate Professor	Do.	 (i) As Assistant Professor/Lecturer Marine Medicine for five years in a recognised Medical College. Desirable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journals. 			
(C)	Assistant Professor/Lecturer	Do.	 (i) Requisite recognised postgraduate qualification in the subject. (ii) Three Years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/ Demonstrator/Tutor. 			
(D)	Futor/Demonstrator/ Resident/Registrar,	M, B,B ,S,				
		OCCUPATIONAL H	ealth			
(A)	Professor	M.D. (Psychiatry)/ M.D. (Phy. Med. & Rehab.)/ M.S. (Orthopaedics)	 (i) As Reader/Associate Professor in Occupational Health for four years a recognised Medical College. Desirable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus /national journal and one research publication in International journal. 			
(B)	Reader/Associate Professor	Do.	 (i) As Assistant Professor/Lecturer in Occupation al Health for five years in a recognised Medical College. Desirable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journals. 			
(C)	Assistant Professor/Lecturer	Do.	 (i) Requisite recognised postgraduate qualification in the subject. (ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/ Demonstrator/Tutor. 			
(D)	Tutor/Demonstrator/ Resident/Registrar.	M.B.B.S.	_			
	· -	PUBLIC HEAL	тн			
(A)	- Professor	M.D. (Community Med.)/ M.D. (Social & Prev. Med.)/ M.D. (Health Admn.)	 (i) As Reader/Associate Professor in Public Health for four years in a recognised Medical College. Desirable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/ national 			
			journal and one reseatch publication in International journal.			

	1	2	3
(B)	Reader/Associate Professor	M.D. Community Med.)/ M.D. (Social & Prew. Med.)/ M.D. (Health Admn.)	(i) As Assistant Professor/Lecturer in Public Healthfor five years in a recognised Medical College. Desirable
		•	 (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journals.
(C)	Assistant Professor/Lecturer	D ₀ .	 (i) Requisite recognised postgraduate qualification in the subject. (ii) Three Years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/ Demonstrator/ Tutor.
(U)	Tutor/Demonstrator/ Resident/Registrar.	M.B.B.S.	•
		RADIOLOGICAL PHYSIC	Cs
(A)	Professor	M. Sc. (Physics/Chem.)/ Biophysics with Ph. D. (Physics/Chem./ Biophysics)	 (i) As Reader/Associate Professor in Radio- logical Physics for four years in a recog- nised Medical College. Desirable
			(ii) Minimum of four Research publications indxed in Index Medicus/national journal and one research publication in International Journal.
(B)	Reader/Associate Professor	Do.	 (i) As Assistant Professor/Lecturer in Radiological Physics for five years in a recognised Medical College. Desirable
			 (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journals.
(C)	Assistant Professor/Lecturer	Do.	 (i) Requisite recognised postgraduate qualification in the subject. (ii) Three Years teaching experience in the subject in a recognised medical college as Resident/Registrar/Demonstrator/Tutor.
(D)	Tutor/Demonstrator/ Resident/Registrar.	M.Sc. (Phy./Chem/Biophysics).	
(A)	Professor	M. D. (Microbiology) M. D. (Pathology)/ M. D. (Medicine) with two years special training in Virology M. C. (Medical Virology with Ph. D. in	 (j) As Reader/Associate Professor in viro- logy for four years in a recognised Medical College.
-		M. Sc. (Medical Virology with Ph. D. in Virology.	Desirable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/ national journal and one research publication in International Journal.
(B)	Reader/Associate Professor	D ₀ .	(i) As Assistant Professor/Lecturer in Virology for five years in a recognised Medical College
			Desirable (iii) Minimum of four Research publications indexed in Indiex Medicus/ national journals
(C)	Assistant Professor/ Lecturer	Do.	(i) Requisite recognised postgraduate qualification in the subject.
			(ii) Three years teaching experience in the subject in a recognised medical college a: Resident/Registrar/Demonstrator/ Tutor

CLINICAL HAEMATOLOGY (i) As reader / Assodciate / Professor in D.M. (Clinical Haematology) (A) Professor M. D. (Medicine) or Clinical Haematology for four years in a recognised medical college/ M. D. (Paediatrics) or teaching institution. M. D. (Pathology) with 2 years special training Clinical Haematology. Desirable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/ national journal and one in International Journal. (i) As Assistant Professor/Lecturer in Clini-Do. (B) Reader/Associate Professor cal Haematology for two years in a recognised medical college/teaching institution. Desirable (ii) Minimum of four Research Publications indexed in Index Medicus/national journals, (i) Requisite recognised specialisation (C) Assistant Professor/Lecturer Do. qualification in the subject. (ii) Three years teaching experience in Clinical Haematology in a recognised Med. College as Resident/Registrar/Demonstrator/Tutor. (D) Tutor/Resident Registrar/ M.B.BS. Demonstrator. CLINICAL PHARMACOLOGY (i) As Reader/Associate Professor In Clini-D.M. (Clinical Pharmacology) (A) Professor cal Pharmacology for four years in a M.D. (Pharmacology) with recognised medical college/teaching 2 years special training in Clinical institutione Pharmacology Desirable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journal and one in International Journal. (i) As Assistant Professor/Lecturer in (B) Reader/Associate Professor Clinical Pharmacology for two years in a recognised medical college/teaching institution. Desirable (ii) Minimum of four Research Publications indexed in Index Medicus/national Journals, (i) Requisite recognised specialisation (C) Assistant Professor/Lecturer Do. qualification in the subject. (ii) Three years teaching experience in Clinical Pharmacology in a recognised Medical college as Resident/Registrar/ Demonstrator/Tutor. M.B.B.S. (D) Tutor/Resident Registrar/ Demonstrator.

, 1	2	3
,	ENDOCRINOLOG	ÿY
(A) Professor	D.M. (Endocrinology)/ M.D. (Modicine) or M.D. (Packistrics) with two years special training in Endocrinology.	 (i) As Reader/Associate Professor in in Endocrinology for four years in a recognised medical college/teaching institution.
		Desirable
		(ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/ National Journal and one in International journal.
B) Reader/Associate Professor	130.	(i) As Assistant Professor/Lecturer in Endocrinology for two years in a recognised medical college/teaching institution.
		Desirable
		 (ii) Minimum of four Research Publications indexed in Index Medicus/national journals.
C) Assistant Professor/Lecturer	Do	 (i) Requisite recognised specialisation qualification in the subject.
		(ii) Three years teaching experience in Endocrinology in a recognised medical college as Resident/Registrat' Demonstrator/Tutor
D) Tutor/Resident Registrar/ Demonstrator	M.B.B.S.	
A) Professor	D.M. (Immunology)/ M.D. (Medicine) or M.D. (Pathology) or M.D. (Microbiology) or M.D. (Paediatrics) with two years special training in Immunology.	 (i) As Reader/Associate Professor in Immunology or four years in a recognised medical college/teaching institution. Desirable (ii) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national journal and one in International Journal.
(B) Readur/Associate Professor	Do.	(i) As Assistant Professor/Lecturer in Immunology for two years in a reco- gnised medical college/teaching insti- tution.
		Degirable
		 (ii) Minmum of four Research publications indexed in Index Medicus/National journals
(C) Assistant Professor/Lecturer	Do.	(i) Requisite recognised Special sitaion qualification in the subject.
		 (ii) Three years teaching experience in the immuna ogy in a recognised medical college as Resident/Registar Demonstrator Tutor.
(D) Tutor/Resident Registrar / Demonstrator.	м.в.в.s.	

Ł

1	2	3
(D) Tutor/Resident Registrar/ Demonstrator.	M,B.B.S.	
	NEONATOLOGY	
(A) Professor	D. M. (Neonatology)/ M.D. (Paediatrics) with two years special training in Neonatology.	(i) As Reader/Associate Professor in Neonatology four for years in a recognised medical college/teaching institution. Desirable
		 (ii) Minimum of four Research Publications indexed in Index Medicus/national journal nal and one in International journal.
(B) Reader/Associate Professor	Do.	(i) As Assistant Professor/Lecturer in Neonatology for two years in a recognised medical college/teaching institution.
		Desirable
		 (ii) Minimum of four Research Publications indexed in Index Medicus/national journals.
(C) Assistant Professor/Lecturer	Do.	 (i) Requisite recognised specialisation qualification in the subject.
		 (ii) Three years teaching experience in Neonatology in a recognised Med. College as Resident/Registrar/Demonstrator/Tutor.
(D) Tutor/Resident Registrar/	M.B.B.S	
Demonstrator.	· STETTE OF OCY	
	NEPHROLOGY D. M. (Nephrology)	(i) As Reader/Associate Professor in
(A) Professor	D. W. (Nephtology)	Nephrology for four years in a recognised medical college/teaching institutions. Desirable
		 (i) Minimum of four Research publications indexed in Index Medicus/national Journal and one in international journal.
(B) Reader/Associate Professor	Do	(i) As Assistant Professor/Lecturer in Nephrology for two years in a recognised medical college/teaching institution.
		Desirable
		 (ii) Minimum of four Research Publication indexed in Index Medicus/national journals.
(C) Assistant Professor/Lecturer	Do.	(i) Requisite recognised specialisation qualification in the subject.
		(ii) Three years teaching experience in Nephrology in a recognised Med. College as Resident/Registrar/Demonstrator/ Tutor.
(D) Tutor/Resident Registrat/	M,B.B.S.	
Demonstrator.		
	NEUROLOGY	
(A) Professor	D.M. (Neourology)	 (i) As Reader/Associate Professor In Neurology for four years in a recognised medical college/teaching institution. Desirable
		(ii) Minimum of four Research publica- tions indexed in Index Medicus/national journal and one in International journol.

		2			3
(B)	Reader/Associate Professor	Dr. M, (Neurology)		N	s Assistant Professor/Lecturar in feurology for two years in a recognised sedical college/teaching institution.
	Assistant Professor/Lecturer	Ďσ.		(ii) M i1 i2 i3 i4 (i) F (ii) T	desirable finimum of four Research Publications adexed in Index Medicus/national ournals. Rekuisite recognised specialisation qualification in the subject. Three years teaching experience in deurology in a recognised Medicol College as Resident/Registrar/Demonstrator/futor
(D)	Tutor/Resident Registrar/ Demonstrator.	M.B.B.S.			
	Demonstrator.	ARDIO VASCULAR & T	HORACIC SURGERY		
(A	Professor	M. Ch. (Cardio Vascular M. Ch. (Cardiac Surger M. Ch. (Vascular Surger M. Ch. (Thoracic Surger	y)/ -y)/	t r i	Cardio Vascular & Thoracic Surgery/Cardiac Surgery/Vascular Surgery/horacic surgery for four years in a recognised Medical College/teaching institution.
(B)	Reader/Associate Professor	Do.		(ii)] ; (i) <i>i</i>	
•			-	1	Cardio Vascular & Thoracic Surgery/Cardiac Surgery/Vascular Surgery/Thoracic surgery for two years in a recognised Medical College/teaching institution. Desirable
			•	(ii) 1	Minimum of four Research Publications indexed in Index Medicus/national Journals
(C) Assistant Professor/Lecturer	D ₀ .		_	Requisite recognised specialisation qualification in the subject Three years teaching experience in Cardio Vascular & Thoracic Surgery/Cardiac Surgery/Vascular Surg./Thoracic Surgery in a recognised Med. College as Resident/Registrar/Demonstrator
æ) Tutor/Resident Registrar/	M. B.B .S.			Tutor.
(12	Demonstrator.	***(D , D ,O			
	(1) D (2)		UROLOGY	,	An Boular/Associate Buckeyer
	(A) Professor	M. Ch. (Urology)) As Reader/Associate Professor in Urology for four years in a recognised medical college/teaching institution Desirable Minimum of four Research publications indexed in in Index Medicus/national
(B	3) Reader/Associate Professor	Do.		(i)	Journal and one in international journal. As Assistadt Professor/Lecturer in Urology for two years in a recognised medical collego/teaching institution.
15	N. Annishout Bankroon	D -			Desirable Minimum of four Research Publications indexed in Index Medicus/ national journals.
ζĊ	C) Assistant Professor/ Lecturer	-Do		(i) (ii)	Requisite recognised specialisation qualification in the subject. Three years teaching experience in Urology in a recognised Medical
					Co g as Resident/Registrar/ Demonstrator Tutor

1	2	- 3
(D) Tutor/Resident Registrar/	M.B.B.S.	
	NEURO-SURGERY	
(A) Professor	M. Ch. (Neuro-Surgory)	 (i) As Reader/Associate Professor in Neuro-Surgery for four year in a recognised medical college/teaching institution. Desirable
		(ii) Minimum of four Research Publica- tions indexed in Index Medicus/na- tional journal and one in Interna- tional journal.
(B) Reader/Associate Professor	-Do,-	 (i) As Assistant Professor/Lecturer in Neuro-Surgery for two years in a recognised medical college/ teaching institution. Desirable
		(ii) Minimum of four Research Publica- tions indexed in Index Medicus/na- tioal journals.
(C) Assistant Professor/Lecturer	-Do	 (i) Requisite recognised specialisation qualification in the subject. (ii) Three years teaching experience in Neuro-Surgery in a recognised Med. college as Resident/Registrar/Demonstrator/Tutor.
(D) Tutor/Rasident/Registrat	M.B.B.S.	Volume in the second se
Demonstrator	PAEDIATRIC SUI	CERV
(A) Professor	M.Ch. (Paediatric Surgery)	(i) As Reader/Associate Professor in
(19 12010334)		Paediatric Surgery for four years in a recognised medical college/ teaching institution. Desirable (ii) Minimum of four Research publications indeexd in Index Medicus/natioal journal and one in International Journal.
(B) Reader/Associate Professor	-Do	 (i) As Assistant Professor/Lecturer in Paediatric Surgery for two years in a recognised medical college/teaching institution. Desirable
		(ii), Minimum of four Research Publica- tions indexed in Index Medicus/na- tional journals.
(C) Assistant Professor/ Lecturer	- D o	(i) Requisite recognised specialisation qualification in the subject. (ii) Three years teaching experience in Paediatric Surgery in a recognised Medical college as Resident/Registrar/
(D) Tutor/Resident Registrar/	M.B.B.S.	Demonstrator/Tutor
Demonstrator.	PLASTIC & RECONSTRUCTIVE	SURGERY
(A) Professor	M. Ch. (Plastic& Reconstructive Surgery) /M. Ch. (Plastic Surgery)	(i) As Reader/Associate Professor in Plastic & Reconstructive Surgery/Plastic Surgery for four, years in recognised medical college institution. Desirable
		(ii) Minimum of four Research publica- tions indexed in Index Medicus/national journa and one in Interpreting jour- nal.

	1	B. C. China Co. C.	(i) As Assistant Dec Second actume in the
(B)		M. Ch. (Pastic & Reconstructive	(1) As Assistant Profesor/Lecturer in Plas- tic & R-constructive Surgury/Plastic
	Professor	Sugery)/M. Ch. (Plastic	Surgery for two years in a recognisead
		Surgery)	medical college institution.
			Desirable
		•	(ii) Minimum of four Research Publica-
			tions indexed in Index Medicus/natio-
4175	A mintant/Deblecovs	Do.	onal journal. (i) Requisite recognised specialisation
(L)	Assistant/Prhicssor	Во.	qualification in the subject.
	Leothici		(ii) Three years teaching experience in
			Plastic & Reconstructive surgery
			in a recognised Med. college as Resi-
			dent/Registrar/Demonstrator/Tutor.
(D)	Tutor/Resident Registrar/	M.B.B.S.	
	Demonstrator.	SURGICAL GASTROENTEROLOGY	
(A)	Professor	M. Ch. (Surgical Gastroenterology)/	(i) As Reader/Associate Professor in
,		M. S. (Surgery) with 2 years special	Surgical Gastroenterology for four
		training in surgical Gastroent-	years in a recognised medical college/
		erology.	teaching institution.
			Desirable
			(ii) Minimum of four Research publica-
			tions indexed in Index medicus/
			national journal and one in Interna- tional Journal.
(B)	Reader/Associate	Do.	(i) As Assistant Professor/Lecturer in
(0)	· Professor	υ (V.	Surgical Gastroenterology for two years
			in a recognised medical college/teaching
			institution.
	. ,		Dosirable
		,	(ii) Minimum of four Research Publica-
			tions indexed in Index Medicus/na-
· 	A. Istant Bustantast	75 -	tional journals.
(C)	Assistant Professor/ Lecturer.	Do.	l(i) Requisite recsgni:ed specialisation qualification in the subject.
	Decturer.		(ii) Three years teaching experience in
			Surgical Gastroenterology in a recognis
			ed Mod. College as Resident/Registrar/
	mar (D. Glass Danista)	Mana	Demonstrator/Futor.
(D)	Tutor/Resident Registrar/ Demonstrator.	M.B.B.S.	
		SURGICAL ONCOLOGY	
(A)	Professor	M. Ch. (Surgical oncology)/M.S. (surgery)	(i) As Reader/Associate Professor in surgi-
•	•	or M. S. (E. N.T.) or M.S. (or opaedics)	cal oncology for four years in a recogn-
	•	or M D. (abst. Gynac, with 2 years special	ised medical college/teaching institution.
		training in surgical o neology	Desirable
	•	•	(ii) Minimum of four Research Publica-
			tions indexed in Index Medicus/na-
			tional journal and ane in International
			Journal.
(B)	Reader/Associate	Do.	(i) As Assistant Professor/Lecturer in
	Professor		Surgical oncology for two years in a
			recognised amedical college/teaching
			institution.
		•	Desirable
			(ii) Minimum of four Research Publica- tions indexed in Index Medicusna-
		•	tional journals.
· (C	Assistant Professor	Do.	(i) Requisite recognaised specialisation
	Lecturer		qualification in the subject.
			(ii) Three years teaching experience in
			Surgical Uncalogy in a recognised
			Surgical Oncalogy in a recognised Medical College as Resident
æ	Tutor/Resident Registrar/	M.B.B.S.	Medical College as Resident /Registrar/Demonstrator/Tutor

SCHEDULE-II

The following qualifications be treated at par with M.D./M.S. awarded by Indian Universities:—

- 1. 'Facharzt Fuer Chirugia' (Specialist Surgeon) (West Germany).
- 2. 'Facharzt Fuer Gynaekologie' (Specialist of Gynaecology). (West Germany).
- 3. F.R.A.C.S. (Fellowship of the Royal Australian College of Surgeons).
- 4. 'Diploma in Certificate D Etudes Specialist D of Medicine Electro-Radiology (Certificate of Special Studies of Medical Electro-Radiology) (Paris, France).
 - 5. P.R.C.P. (Canada) F R C.S. (Canada).
- 6. M.C.P.A. (Membership of the College of Pathologists of Australia)
- 7. Diploma in Psychiatr (Mc Gill University) (Montreal, Canada).
 - 8. Diploma in Psychiatry (Edinburgh University).
- 9. Dr. P.H. of John Hopkins, Harward and California Universities (USA).
 - 10. M.R.C. Path (Lond.) F.R.C. Path (London).
- 11. Pacharzt Puer Innera Prankheiten, (Specialist Internal Medicine) (West Germany).
- 12. Candidate of Science (Doctor of Philosophy) in Medicine Branch Plastic Surgery (Hungary) awarded by Hungarian Academy of Medical Sciences, Budapest.
- 13. Pacharzt Fuer Kinderheikunde (Children Specialist) (West Germany).
- 14. M. A. M. S./M. N. A. M. S/D. N.B. qualifications when granted on or after 1st June, 1976 granted by National Board of Examinations, New Delhi after due examination and fulfilling one year research experience.
 - 15. FFR of U. K. by examination.
- 16. F. R. C. S. or M. R. C.P. of Royal Colleges of U.K.
 - 17. M.Ch. (Orthopaedics (Liverpool),
- 18. Approved qualifications from speciality Boards of U. S. A.
- 19. Ph.D. awarded by Supreme Attestation Commission (Moscow) granted to students sponsored by Medical Council of India or to other students fulfilling the minimum eligibility criteria for admission to undergraduate courses in India and

admitted in the institution of erstwhile U.S.S.R., recognised by the Medical Council of India, for undergraduate or postgraduate courses upto 1989.

Note: Other qualifications will be evaluated by the Council as and when reference is received.

N. B.

- 1. M. R. C. P., M. R. C. (Path.), F. R.C.S., F. F. A. R. C. S refer to the Diploma of Membership and Fellowship awarded by all the Royal Colleges of U.K., prior to 11/11/1978.
- 2. Holders of Speciality Boards of U.S.A. qualifications should complete the entire requirements of the Board concerned.
- 3. In the case of qualicfications in higher specialities (M. Ch. M.S./ D.M.), the holder should have also odtained M. D. (Gen.Medicine) or M.S. (Gen. Surgery) or an equivalent qualification as prescribed by the Council in its recommendations on Postgraduate Medical Education. This requirement may be relaxed in suitable cases in cases of Candidates who have obtained M.Ch./D.M. after a direct 5 years course., which are recognised by the Council.
- 4. After 31st May, 1977, for all teaching appointments to posts higher than tutor in higher specialities i. c. Cardiology, Naurology, Thoracic-Surgery Neuro-Srgery, Plastic-Surgery., Paediatric-Surgery, Urology, the Candidates must passess postgraduate degree qualifications in the speciality concerned i.e., D. M./M. Ch. approved by the Council from time to time. Where teachers with D.M./M. Ch. qualifications are not available in respect of the courses which have not yet been started, matter regarding relaxation of qualification and experience of Postgraduate teachers may be taken up with the Medical Council of India.

provided that the requirements of possessing a postgraduate degree qualification in the concerned higher speciality shall not be applicable for higher appointments in the case of existing teachers holding regular teaching posts whose appointment was initially made on the basis of two years special training in the speciality after the requisite M.D./M.S.

- 5. All British qualifications obtained after 11/11/78 will cease to be recognised qualifications.
- 6. From January, 1985 all fresh entrants as teachers in medical college should have the requisite recognised Indian Postgraduate Medical qualifications (recognise d by the Medical Council of India).

(Dr. M. SACHDEVA),

Secretary.